Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 18 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 61 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

यदि तुम भूलों को रोकने के लिए द्वार बंद कर दोगे तो सत्य भी बाहर रह जाएगा।

रवींद्रनाथ ठाकुर

प्यार के मामले में ओल्ड-स्कूल हैं कृति

SHARE

सेंसेक्स	:	72,643.43
निफ्टी	:	22,023.35

SARAFA

सोना	:	6,210
चांदी	:	80.03

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

इफ्तार (सोमवार) : 06.04
सेहरी (मंगलवार) : 04.41

BRIEF NEWS

समुद्री डाकुओं के खिलाफ नौसेना को मिली कामयाबी

NEW DELHI : समुद्री डाकुओं के खिलाफ भारतीय नौसेना को एकबार फिर बड़ी कामयाबी मिली है। भारतीय युद्धक जहाज आईएनएस कोलकाता, अरब सागर में एक अपहृत जहाज में सवार सभी 35 समुद्री डाकुओं को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय नौसेना का यह अभियान तकरीबन 40 घंटे चला। भारतीय नौसेना की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इससे ऑपरेशन से संबंधित जानकारी साझा की गई है। जिसमें बताया गया है कि आईएनएस कोलकाता ने भारतीय तट से करीब 2600 किमी दूर समुद्री लुटेरों के जहाज रुएन को घेरा था। अभियान में आईएनएस सुभद्रा और समुद्री गश्ती विमान के साथ सी17 एयरक्रॉफ्ट से भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो को इस जहाज पर उतारा गया।

अरुणाचल और सिक्किम में काउंटिंग की तारीख बदली

NEW DELHI : चुनाव आयोग ने अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में होने वाले विधानासभा चुनाव की मतगणना की तारीख बदल दी है। इलेक्शन कमीशन ने पहले काउंटिंग की तारीख 4 जून घोषित की थी। इसे बदलकर अब 2 जून कर दिया है। दोनों राज्यों में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा के भी चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दोनों राज्यों में विधानसभा कार्यकाल 2 जून को खत्म हो रहा है इसलिए तारीख बदली गई। अरुणाचल और सिक्किम में 19 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इससे पहले 16 मार्च को इलेक्शन कमीशन ने चार राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था।

7 फेज में चुनाव कराने पर विपक्ष ने उठाया सवाल

NEW DELHI : चुनाव आयोग ने शनिवार को लोकसभा चुनाव का शेड्यूल बताते हुए ऐलान किया कि देश में इस बार 7 फेज में चुनाव होंगे। चुनाव के लंबे शेड्यूल को लेकर विपक्षी पार्टियों ने सवाल उठाए हैं। टीएमसी नेता और पश्चिम बंगाल की फाइनेंस मिनिस्टर चंद्रिमा भट्टाचार्य ने न्यूज एजेंसी से कहा कि 7 फेज तक चुनाव को खींचने से बड़ी जेब वाली पार्टी को फायदा मिलेगा।

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की समापन रैली में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, झारखंड के मुख्यमंत्री सीएम चम्पाई सोरेन व गठबंधन के नेता।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा की समापन रैली में गरजे राहुल

राजा की आत्मा ईवीएम सीबीआई-ईडी में : गांधी

AGENCY MUMBAI : कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन रविवार रात मुंबई में हुआ। यहां के शिवाजी पार्क में हुई सभा में राहुल गांधी ने कहा- राजा की आत्मा ईवीएम, सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स में है। इसी के दम पर वो नेताओं को डराकर भाजपा में शामिल करा रहे हैं। कांग्रेस, शिवसेना, एनसीपी-एससीपी के लोग यूं ही चले गए? वे सब डरकर बीजेपी में गए हैं। नरेंद्र मोदी मुखौटा है। जैसे बॉलीवुड के एक्टर-एक्ट्रेस है। उनसे कुछ करने को कहा जाता है, वैसे ही मोदी हैं। उनकी 56 इंच की छाती नहीं है, खोखला व्यक्ति है। मैं सिस्टम को अंदर से जानता हूं, इसलिए वो मुझसे डरते हैं। शिवाजी पार्क में हुई रैली में राहुल के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, झारखंड के सीएम चम्पाई सोरेन, पूर्व सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, राजद नेता तेजस्वी यादव, शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे, एनसीपी प्रमुख शरद पवार समेत सपा, आम आदमी पार्टी सहित इंडिया ब्लॉक की अन्य पार्टियों के नेता मौजूद थे।

- भाषण के अंत में राहुल बोले- नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलो
- जेटली ने कहा था कि लैंड एक्वीजिशन पर चुप रहिए, नहीं तो केस दर्ज कर देंगे
- राहुल बोले- सिस्टम को अंदर से देखा है, इसलिए मोदी मुझसे डरते हैं

सभा को संबोधित करते राहुल गांधी।

मोदी के पास भ्रष्टाचार की मोनोपॉली है : राहुल गांधी

राहुल ने कहा कि मैं चार हजार किमी चला, किसी ने नहीं कहा कि अग्निवीर योजना अच्छी है। युवाओं ने कहा कि हम जहां सेना में जाने के लिए दौड़ने जाते थे, अब खाली पड़ा है। मुझे दिल से जो लोगों का प्यार मिला, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। आप मुझे जहां बुलाना चाहो, मैं आने को तैयार हूं। जान-बूझकर नफरत फैलाई जा रही है, ताकि आपकी जेब से पैसा निकाल सकें। नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलो। ये गांधी जी, भगवान बुद्ध, भगवान राम ने कहा। आज नरेंद्र मोदी के पास भ्रष्टाचार की मोनोपॉली है। इलेक्टोरल बॉन्ड का सिस्टम निकाला। यहां सड़कों पर एक्सटॉर्शन चलता है, वो (बीजेपी) सरकार में कर रहे हैं। कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट मिलता है, फिर वो सीधे इलेक्टोरल बॉन्ड खरीद लेते हैं। कंपनी को प्रॉफिट ही नहीं है और उससे ज्यादा पैसा वो बीजेपी को दे रही है। यहां मुंबई में किसी भी गुंडे को आप सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स पकड़ा दो। सरकार में यही हो रहा है। सीबीआई की एन्क्वायरी हुई और अडाणी जी को एयरपोर्ट मिल गया।

गठबंधन के नेताओं के बोल

- शरद पवार- भाजपा से मुक्ति का नारा हम देते हैं
- महबूबा बोलीं- राहुल के नाम में गांधी है और बीजेपी इससे डरती है
- पीएम मोदी की लापरवाही से पुलवामा में जवान शहीद हुए : महबूबा
- तेजस्वी बोले- हमारी लड़ाई उनसे, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में भाग नहीं लिया
- स्टालिन बोले- भारत जोड़ो यात्रा देश को पुनर्स्थापित करने की यात्रा है
- फारूक अब्दुल्ला बोले- समय आ गया कि इकट्ठे होकर संविधान बचाएं
- राहुल को मुबारकबाद, उन्होंने असली भारत देखा : फारूक

एनडीए की रैली में पीएम का कांग्रेस पर निशाना

कांग्रेस गठबंधन को इस्तेमाल करके फेंक देती है : प्रधानमंत्री

AGENCY PALNADU : आंध्र प्रदेश के पलनाडु में रविवार को एनडीए की रैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- एनडीए में हम सबको साथ लेकर चलते हैं, दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी है जिसका एक ही एजेंडा है गठबंधन के लोगों को यूज एंड थ्रो करना। आज कांग्रेस के लोगों को भले ही मजबूरी में इंडी गठबंधन बनाना हो, लेकिन इनकी सोच वही है। रैली में पीएम मोदी के अलावा टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू और जनसेना पार्टी अध्यक्ष पवन कल्याण भी शामिल हुए। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा और टीडीपी के बीच सीट शेयरिंग फाइनल हो चुकी है। भाजपा छह लोकसभा और 10 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जबकि टीडीपी लोकसभा की 17 और विधानसभा की 144 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। समझौते के तहत जनसेना दो लोकसभा और 21 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- कल ही देश में चुनाव का बिगुल बजा है और आज मैं आप सबके बीच हूं। यहां मुझे ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों का आशीर्वाद मिल रहा है। त्रिदेवों के इस आशीर्वाद से हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल में देश और भी बड़े निर्णय लेगा। ये संयोग है कि इस बार चुनावों के परिणाम 4 जून को आने वाले हैं। पूरा देश कह रहा है, 4 जून को 400 पार। एनडीए में हम सबको साथ लेकर चलते हैं, दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी है जिसका एक ही एजेंडा है गठबंधन के लोगों को यूज एंड थ्रो करना। आज कांग्रेस के लोगों को भले ही मजबूरी में इंडी गठबंधन बनाना हो, लेकिन इनकी सोच वही है। लेफ्ट और कांग्रेस केरल में एक दूसरे को क्या कहते हैं। बंगाल में टीएमसी और लेफ्ट एक दूसरे के लिए क्या-क्या बोलते हैं। पंजाब में कांग्रेस और आप एक दूसरे के लिए कैसी भाषा बोलते हैं। जो लोग चुनाव से पहले अपने फायदे के लिए ऐसे लड़ते हों, वो चुनाव के बाद क्या करेंगे इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। आंध्र के बाद पीएम मोदी केरल के पलक्कड़ में रोड शो करेंगे। यहां कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी भाजपा के उम्मीदवार हैं। पीएम मोदी उन्हीं के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। हालांकि पीएम का पलक्कड़ में केवल रोड शो होगा। अभी तक जनसभा की कोई जानकारी नहीं है। पीएम मोदी का इस साल राज्य का यह 5वां दौरा है। पीएम मोदी ने 15 मार्च को केरल के पथानामथिट्टा में जनसभा की थी। तब उन्होंने कहा था कि इस बार केरल में कमल खिलने जा रहा है। यहां के लोग कह रहे हैं कि अब की बार 400 पार। केरल में इस वक्त कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होती जा रही है।

- एनडीए में हम सबको साथ लेकर चलते हैं, हमारे साथी लगातार बढ़ रहे
- भाजपा छह लोकसभा और 10 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी

सभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए : मोदी

मोदी ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों की सेवा करती है। पिछले 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। आंध्र प्रदेश में, एनडीए सरकार ने पीएम आवास योजना के तहत लगभग 10 लाख घर दिए हैं। यहां पलनाडु में गरीबों के लिए करीब 5 हजार पक्के घर बनाए गए हैं। जल जीवन मिशन के तहत आंध्र प्रदेश में करीब एक करोड़ परिवारों को नल कनेक्शन मिल चुका है। मोदी ने कहा- हमारा एनडीए गठबंधन क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय प्रगति दोनों को साथ लेकर चलता है। इस चुनाव में भाजपा के सहयोगी हमारे साथी लगातार बढ़ रहे हैं। एनडीए की ताकत बढ़ रही है। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण दोनों लंबे समय से आप लोगों के हक के लिए आंध्र के विकास के लिए दिन-रात आपके लिए काम करते रहे हैं। कांग्रेस और लेफ्ट की स्थिति यह है कि जिस राज्य से यह चुनाव हारते हैं, वहां यह दोबारा वापसी नहीं कर पाते। कांग्रेस ने सत्ता के लालच में जिस तरह से खेल खेला, राज्यों को बर्बाद किया। लोग अच्छी तरह जानते हैं। जिस राज्य से यह पराजित होते हैं वहां के लोग इन्हें वापस लौटने नहीं देते। तमिलनाडु में 1962 में आखिरी चुनाव जीता था, यूपी, गुजरात बिहार में कांग्रेस ने 4 दशक पहले आखिरी चुनाव जीता। उड़ीसा में भी कांग्रेस 3 दशक से बाहर ही है। देश के कितने ही राज्यों से बाहर है। त्रिपुरा, बंगाल इन राज्यों में लेफ्ट पार्टियों का सितारा चमकता था। 3 से 4 दशक तक इन्हीं की चलती थी। त्रिपुरा, बंगाल से उन्हें हटाया। कितने ही साल हो गए, कांग्रेस और लेफ्ट को घुसने नहीं दिया जाता। लोगों को पता है कि कांग्रेस पर भरोसा किया। जितने साल लेफ्ट पर भरोसा किया। उतने साल सर्वाधिक नुकसान हुआ।

ईडी ऑफिस में फिर से शुरू होगा पूछताछ का दौर

अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू से आज सवाल करेगी एजेंसी

CRIME REPORTER RANCHI :

ईडी ऑफिस में सोमवार से एक बार फिर पूछताछ का दौर शुरू होने जा रहा है। ईडी के अधिकारी अवैध खनन, जमीन घोटाले से लेकर बालू तस्करी तक के मामलों में राज्य के प्रभावशाली लोगों से पूछताछ करेंगे। ईडी की पूछताछ की शुरूआत सोमवार को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार रहे अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू से होगी। ईडी ने पिंटू को दिन के 11 बजे ईडी ऑफिस में उपस्थित होने को कहा है। गौरतलब है कि जमीन घोटाला और अवैध खनन मामले में ईडी ने बीते 3 जनवरी 2024 की सुबह पिंटू समेत कई अन्य लोगों के ठिकाने पर छापेमारी की थी। इसी मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने साहिबगंज डीसी को 11 जनवरी, विनोद सिंह को 15 जनवरी और पूर्व सीएम के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू को 16 जनवरी को ईडी ऑफिस में हाजिर होने को कहा था।

ईडी ने केजरीवाल को फिर भेजा नया समन

NEW DELHI : नई दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जांच एजेंसी ईडी ने नया समन जारी किया है और उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया है। नये समन को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से प्रतिक्रिया सामने आई है। आप नेता आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि अरविंद केजरीवाल शनिवार को कोर्ट गए पहुंचे थे। इससे बीजेपी नेताओं को जवाब मिल गया है जो यह कह रहे थे कि केजरीवाल कोर्ट और ईडी से भाग रहे हैं। दिल्ली के सीएम ने उनका बीजेपी नेताओं का मुंह बंद कर दिया। आगे आप नेता और दिल्ली की मंत्री आतिशी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को 16 मार्च की शाम ईडी द्वारा एक और समन मिला है।

सूबे में जेपीएससी प्रश्न पत्र लीक को लेकर हंगामा

जामताड़ा में केंद्र के बाहर खुलेआम भरवाए जा रहे उत्तर, वीडियो वायरल

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को 11वीं जेपीएससी परीक्षा को लेकर झारखंड के कई जिलों में हंगामा हुआ। सबसे पहले चतरा जिले में जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा केंद्र पर रविवार को अभ्यर्थियों ने हंगामा किया। अभ्यर्थियों ने प्रश्न पत्र लीक करने का आरोप लगाया। यह घटना चतरा जिले उपेंद्रनाथ वर्मा इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र पर घटी। जहां अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र प्रबंधन पर परीक्षा से पूर्व प्रश्न पत्र लीक करने का आरोप लगाकर नारेबाजी की। चतरा के बाद जामताड़ा में जेपीएससी का प्रश्न पत्र लीक होने का मामला आया सामने आया है। जामताड़ा में परीक्षा केंद्र के बाहर खुलेआम उत्तर पुस्तिका भरवाने का वीडियो वायरल हुआ है। वायरल हुए वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि परीक्षा केंद्र के बाहर छात्र जेपीएससी की परीक्षा का उत्तर पुस्तिका में सवाल का जवाब मोबाइल में सर्च कर भर रहे है। हालांकि वायरल वीडियो की कोई पुष्टि नहीं करता है। वहीं सोशल मीडिया एक्स पर कई तरह के वीडियो वायरल हो रहे हैं।

- जामताड़ा में जेपीएससी परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों का हंगामा
- चतरा में परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने काटा बवाल, पेपर लीक का आरोप
- धनबाद में जेपीएससी के दो परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों का हंगामा

मौसम ने एक बार फिर ली करवट, तेज हवा और वज्रपात के साथ हो सकती ओलावृष्टि, ऑरेंज अलर्ट जारी

राज्य में अगले चार दिनों तक हो सकती झमाझम बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों (21 मार्च) तक बारिश के आसार हैं। इस दौरान तेज हवा और वज्रपात के साथ ओलावृष्टि हो सकती है। इसे लेकर विभाग ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, एंटी साइक्लोनिक कंडीशन के कारण नमी और निम्न स्तर पर बने दबाव के कारण मौसम में परिवर्तन हुआ है। रविवार को भी राज्य के दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई।सोमवार को राज्य के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवाओं का झोंका अधिकतम गति 30-40 किमी/घंटे के साथ वज्रपात होने की संभावना है। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 19 मार्च के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को गुमला, खूंटी, रांची, सिमडेगा और पश्चिम सिंहभूम में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना है। इसके साथ कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवाओं का झोंका (अधिकतम गति 40-50 किमी/घंटे) के साथ वज्रपात होने की संभावना है। 20 और 21 मार्च को भी राज्य में कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवाओं का झोंका (अधिकतम गति 30-40किमी/घंटे) के साथ वज्रपात होने की संभावना है।

3 से 5 डिग्री गिर सकता है पारा

राज्य के अधिकतम तापमान में अगले दो दिनों में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई। वहीं रांची और बोकारो जिले में कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा 32.4 एमएम पश्चिमी सिंहभूम में दर्ज की गई। वहीं पलामू का डालटनगंज सबसे गर्म रहा। यहां 34.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया, जबकि प्रदेश में सबसे ठंडा लोहरदगा रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल की बढ़ी मुश्किलें, महादेव ऐप मामले में एफआईआर दर्ज

RAIPUR : छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। महादेव ऐप मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। रायपुर की आर्थिक अपराध शाखा ने महादेव ऐप सट्टा मामले में भूपेश बघेल समेत अन्य कई लोगों को खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ पुलिस ने आईपीसी की धारा 120बी, 34, 406, 420, 467, 468 और 471 के तहत मामला दर्ज किया है। छत्तीसगढ़ में आर्थिक अपराध शाखा ने ईडी की ओर से सौंपी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर कथित महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है।

गोइलकेरा के जंगल में तीन नक्सली को पुलिस ने दबोचा

टोंटो व जेटेया थाने में दर्ज हैं आठ नक्सली कांड

CRIME REPORTER CHAIBASA : प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन आदि के खिलाफ चल रहे चाईबासा पुलिस, कोबरा, झारखण्ड जगुआर एवं सीआरपीएफ के संयुक्त अभियान में रविवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अभियान के क्रम में रविवार को गोइलकेरा थाना अंतर्गत ग्राम रेला पराल एवं रायरोवा के समीप पंचलताबुरू जंगल क्षेत्र में भ्रमणशील नक्सली दस्ता के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर एक 303 राइफल, भारी मात्रा में विस्फोटक एवं अन्य सामग्री एक नक्सल कैंप से बरामद की गयी। बरामद विस्फोटकों को सुरक्षा के दृष्टिकोण से यथा स्थान बम निरोधक दस्ता की मदद से विनिष्ट किया गया है। यह जानकारी पश्चिमी सिंहभूम जिले के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने दी।

BRIEF NEWS

नहाने के दौरान तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

GIRIDIH : जिले के अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के माथाडीह गांव में दो चचेरे भाइयों 10 वर्षीय मुकेश पंडित और 5 वर्षीय पियुश पंडित की तालाब में नहाने के दौरान हुई मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शनिवार देर शाम सात बजे घर से दोनों बच्चे नहाने के लिए घर के बगल में स्थित कदमा आहर में नहाने गए हुए थे। इस दौरान दोनों डूब गए। आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उनकी मौत हो गई थी। दोनों माइंड स्पेस पब्लिक स्कूल देवपूर के छात्र थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह लाया गया है। पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है।

धनबाद उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

DHANBAD : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने रविवार को झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के डीएवी स्कूल कोयला नगर एवं बीएसएस गर्ल्स हाई स्कूल परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। धनबाद जिले के 65 परीक्षा केंद्र में झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता-2023 संचालित की गई है। परीक्षा के दौरान उपायुक्त ने विधि व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने क्लास रूम और सीसीटीवी कंट्रोल रूम समेत अन्य स्थानों की जांच की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा ने केंद्राधीक्षक एवं वीक्षकों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

चिकित्सा पदाधिकारियों को मिला कुष्ठ उन्मूलन का प्रशिक्षण

KHUNTI : राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आयोजित जिला स्तरीय चिकित्सा पदाधिकारियों को दो दिवसीय प्रशिक्षण रविवार को सदर अस्पताल में संपन्न हुआ। सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में सीएस डॉ नागेश्वर मांझी, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ नमिता टोप्पो एवं एनआरआई, झारखंड डॉ सिद्धार्थ बिसवाल और काशीनाथ चक्रवर्ती ने सभी प्रखंडों से आए हुए चिकित्सा पदाधिकारियों को कुष्ठ के उपचार की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कुष्ठ कार्यालय, खूंटी के सभी कर्मियों ने भाग लिया।

वनवासी कल्याण केंद्र का होली मिलन समारोह

KHUNTI : संघ भवन में रविवार को वनवासी कल्याण केंद्र ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता विजय कश्यप ने की। प्रांत के उपाध्यक्ष सूदन मुंडा ने कहा कि यह खुशियों और उल्लास का पर्व है। हम सभी मिलकर उत्साह के साथ यह कार्यक्रम समाज में आयोजित करना चाहिए। प्रांत के श्रद्धा जागरण प्रमुख मुसाफिर विश्वकर्मा ने कहा कि होली वास्तव में प्राकृतिक है। हमें प्रकृति के साथ रहकर अपनी परंपरा, प्रकृति के साथ जुड़े रहकर अपनी परंपरा को जीवित रखना है। हमारी परंपरा लोगों के रहन-सहन में दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए विचारों के साथ समाज में परिवर्तन लाने की जरूरत है। कार्यक्रम में जयप्रकाश भगत, प्रदीप साहू, योगेश मिश्रा, लोकनाथ मुंडा, अधिवक्ता बोयर सिंह नाग, देवंती कश्यप, नौरी पूर्ति, गोरा कुमारी, साधो मुंडा आदि उपस्थित थे।

खूंटी में खुला भाजपा का चुनाव कार्यालय, कड़िया मुंडा ने किया उद्घाटन

भारत के भविष्य को उज्जवल बनाने का लक्ष्य लेकर लड़ रहे चुनाव : अर्जुन मुंडा

PHOTON NEWS KHUNTI : जनजातीय मामलों और केंद्रीय कृषि मंत्री और खूंटी संसदीय क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार अर्जुन मुंडा ने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार थी। सबसे लंबे कालखंड तक देश शासन करने के वावजूद इतने वर्षों तक देश की जनता को इन्तजार था कि भारत अपनी सभ्यता, संस्कृति के साथ स्वतंत्रता का अनुभव करे। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को अपनी सभ्यता और संस्कृति के साथ परम वैभव के शिखर तक पहुंचाया।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लंबे कालखंड तक देश में शासन करने वाले लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपरा एवं मूल्यों को गिरवी रखने का काम किया, लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में देश के अंदर जिस प्रकार ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की पुनर्स्थापना हो रही है, उसे देश की

स्वागत समारोह में उपस्थित मंत्री अर्जुन मुंडा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

जनता भली-भांति देख और समझ रही है। 500 साल बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हुआ, देश के लोगों को अपनी संस्कृति पर गौरव करने का अवसर इस सरकार में मिला। अर्जुन मुंडा रविवार को खूंटी में भाजपा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि उन दिनों की सरकारों ने खूंटी और यहां के रणबांकुरों को महत्व नहीं दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने अपनी आहुति देकर इस धरती को सींचने वाले रणबांकुरों को एक ओर जहां सम्मान देने का काम किया, वहीं दूसरी ओर विकास को भी रफ्तार दी। देश का जन समुदाय आत्म सम्मान के साथ आगे बढ़े, इस दिशा में सरकार काम कर रही है। भारत के भविष्य को उज्जवल बनाने का लक्ष्य लेकर हम चुनाव लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अपने पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान उन्होंने खूंटी में स्वास्थ्य शिक्षा सहित मूलभूत सुविधाओं पर काम किया। इसके साथ ही आधारभूत संरचनाओं के कार्यों को गति दिया गया है, यही कारण है कि आज अड़की का बिरबांकी क्षेत्र चारों ओर से खुल गया है। उन्होंने कहा कि खूंटी की जनता जागरुक है, इन सब बातों को भली भांति देख व समझ रही है। निश्चय ही खूंटी के लोग विकसित भारत निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करेंगे। तोरपा के विधायक और लोकसभा संयोजक कोचे मुंडा ने पूजा-अर्चना की।

आनेवाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा यह चुनाव : कड़िया मुंडा ने कहा कि यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है, यह हमारे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा। इसलिए कार्यकर्ता सभी मनमुटावों को भूलकर एक जूटता के साथ चुनावी युद्ध के समर में उतरें और एक बार फिर से भाजपा का परचम लहराकर प्रधानमंत्री मोदी के हाथों को मजबूत बनाएं। इनके अतिरिक्त विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, कोचे मुंडा सहित अन्य वक्ताओं ने भी कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाया। मौके पर भाजपा खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, तोरपा विधायक को लोकसभा संयोजक कोचे मुंडा, पूर्व विधायक विमला प्रधान, पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय, खूंटी जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, सिमडेगा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक, सरायकेला खरसावां जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह देव, लोकसभा सह संयोजक ओम प्रकाश साहू, विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, जिला प्रभारी सत्यनारायण सिंह, प्रदेश काग्रसमिति सदस्य संतोष जयसवाल, सुरेश जयसवाल सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड के युवाओं की बदकिस्मती उनका साथ नहीं छोड़ रही : अर्जुन

KHUNTI : जेपीएससी परीक्षा के प्रश्न पत्र लिक होने पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि झारखंड के युवाओं की बदकिस्मती उनका साथ नहीं छोड़ रही है। आज जपीएससी परीक्षा के फिर से पेपर लिक होने की बेहद दुर्भाग्यपूर्ण सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि इस मामले की त्वरित जांच कराएं और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई करें।

लोकसभा चुनाव को लेकर वीडियोग्राफरों को दिया गया प्रशिक्षण

KHUNTI : लोकसभा निर्वाचन 2024 के आलोक में समाहरणालय के सभागार में रविवार को वीडियो ग्राफरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोषांग के मास्टर ट्रेनर विष्णुनंद तिवारी एवं देवेंद्र गोप ने वीडियो ग्राफरों को उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। वीडियो ग्राफरों को बताया गया कि व्यय पर्यवेक्षक के अधीन उनके द्वारा की गयी वीडियो ग्राफी एवं फोटोग्राफी को साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। व्यय पर्यवेक्षक के अधीन किये जाने वाले कार्यों में वीडियोग्राफर की भूमिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान विडियो ग्राफरों को बताया गया कि सहायक व्यय प्रेक्षक निर्वाचन क्षेत्र में संवेदनशील आयोजनों और बड़ी सार्वजनिक रैलियों की वीडियो ग्राफी को साक्ष्य के रूप दर्ज करने के क्रम में नाम, प्रकार, तारीख, स्थान, और घटना का संचालन करने वाली पार्टी और अभ्यर्थी का नाम स्वर प्रणाली में रिकार्ड करने की जानकारी दी गयी। उन्हें बताया गया कि वे किसी भी टीम में रहें वीडियो ग्राफी के दौरान किसी भी राजनीतिक दल की सभा में लगने वाले वाहन, फर्नीचर, बैनर, कट आउट आदि सहित स्वर प्रणाली संवर्धन का भी साक्ष्य के रूप में रिकार्ड करने का दायित्व रहेगा।

तीन बाइक एवं ऑटो सहित एक धराया

PHOTON NEWS DHANBAD : वाहन चोरी मामले में रविवार को धनबाद के निरसा थाना परिसर में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रजत माणिक बाखला के नेतृत्व में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। वार्ता में एसडीपीओ ने बताया की पिछले दिनों चोरी हुए मोटरसाइकिल मामले में पुलिस टीम द्वारा मामले का उद्भेदन करते हुए मामले के मुख्य अभियुक्त मोहित कुमार रजक की गिरफ्तारी की गई तथा तीन बाइक समेत एक टेंपो भी बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि एसएसपी धनबाद के निर्देश पर एक टीम का

गिरफ्तार युवक व जानकारी देत पुलिस। ● फोटोन न्यूज

गठन कर मोटरसाइकिल चोरी करने वाले गिरोह की पड़ताल शुरू की गई। इस दौरान गोविंदपुर निवासी मोहित कुमार रजक को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर दो चोरी की मोटरसाइकिल और एक टेंपो बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि इस बरामदगी में दो चोरी के मोटरसाइकिल सहित एक मोटरसाइकिल जो मोहित कुमार की निजी बाइक है, जिससे वह

राजद की बैठक में लोकसभा चुनाव पर मंथन

PHOTON NEWS KODERMA : राष्ट्रीय जनता दल, कोडरमा जिला कार्यकारिणी की बैठक रविवार को विशुनपुर रोड स्थित राजद नेता सुभाष प्रसाद यादव आवास कार्यालय में हुई। अध्यक्षता राजद जिलाध्यक्ष रामधन यादव ने किया, जबकि संचालन घनश्याम तुरी ने किया। बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियों को लेकर चर्चा किया गया। साथ ही कोडरमा की राजनीतिक हालात पर विशेष चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष रामधन यादव ने कहा कि पिछले पांच सालों में भाजपा के पास उपलब्धि गिनाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नही है।

बैठक में शामिल कार्यकारिणी समिति के लोग। ● फोटोन न्यूज

ढिबरा-पत्थर व्यवसाय बदहाल है। इस मुद्दे पर कोडरमा की आवाज कभी भी संसद में नही गूंजी। राज्य सरकार ने ढिबरा नीति लागू किया, लेकिन भाजपा के इशारे पर लिथियम के नाम पर ढिबरा पर ग्रहण लगा दिया गया, जिससे लाखो ढिबरा मजदूर बेरोजगार और बदहाल है।

उन्होंने कहा कि झारखण्ड बनने के बाद सबसे ज्यादा भाजपा सत्ता में रही, लेकिन कोडरमा में विकास कोसों दूर है। कोडरमा से केंद्र सरकार में मंत्री रहने के बाबजूद रोजगार बढ़ाने वाला, स्वास्थ्य-शिक्षा सेवा और केंद्रीय संस्थान का एक ईंट तक नही लगा और ना ही कोई संस्थान, उद्योग लग पाया। प्रदेश महासचिव जावेद अख्तर ने कहा कि कोडरमा में राजद हर बूथ पर भाजपा के अवसरवादी, ध्रुवीकरण और पूँजीवाद परस्त राजनीति को परास्त करेगी।

उन्होंने कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में जनता बदलाव के पक्ष में गोलबंद हो रही है। राजद नेता अवधेश प्रसाद यादव ने कहा कि भाजपा की साजिश को जनता बखूबी समझ रही है। उन्होंने कहा कि कोडरमा में सुभाष प्रसाद यादव ने राजद की जमीन और जनाधार दोनों बढ़ा दी। लेकिन सुभाष प्रसाद यादव की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा की

रशियन डांसरों के साथ मचा होली का धमाल

कार्यक्रम का आनंद लेते लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : सन डाउनर इंटरटेनमेंट के तत्वावधान में रविवार को यहां कार्निवाल पैलेस में प्री होली सेलिब्रेशन इट्स होली का आयोजन किया गया। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दो र?शियन डांसरों ने अपने नृत्य और अदाओं से सबको थिरकने पर मजबूर कर दिया। सन डाउनर इंटरटेनमेंट के सीईओ आदित्य राज और फाउंडर ईशान कुमार सोनी ने बताया कि रांची में होने वाले होली मिलन समारोहों से यह सबसे अलग और शानदार हुआ। कार्यक्रम में रशियन डांसरों ने अपनी नृत्यकला का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी अदाओं से जलवे ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके सा?थ ही डीजे की धुन पर युवाओं ने रंगभरी होली खेली और जम कर मस्ती की। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा की भी पर्याप्त व्यवस्था थी। होली खेलने के साथ ही युवाओं के लिए स्नेक्स और ड्रिंक की भी व्यवस्था थी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीईओ आदित्य राज, फाउंडर ईशान कुमार सोनी, मीडिया मैनेजर आयुष राज वर्मा एवं अन्य लोगों का भरपूर सहयोग रहा।

कांग्रेसी नेताओं ने लोकसभा चुनाव को लेकर किया मंथन, सिंहभूम सीट छोड़ने को तैयार नहीं

बैठक में उपस्थित कांग्रेसी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ADITYAPUR : लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर जिले के कांग्रेसियों ने रविवार को आदित्यपुर स्थित बोधी कॉम्प्लेक्स में एक बैठक की, जिसमें कांग्रेस की परंपरागत सीट सिंहभूम को लेकर मंथन किया गया। कांग्रेसी नेताओं ने एक स्वर से सिंहभूम सीट को नहीं छोड़ की बात कही। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष अंबुज कुमार ने की। इसमें सरायकेला समेत सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के सभी पार्टी पदाधिकारी और वरीय कांग्रेसी शामिल थे। बैठक में सर्वप्रथम लोकसभा चुनाव में जमशेदपुर एवं सिंहभूम सीट से कांग्रेस को टिकट देने की मांग उठी। बैठक में पार्टी के पदाधिकारियों ने गठबंधन के तहत कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी को टिकट देने की मांग उठाई।

इस मौके पर सरायकेला खरसावां जिला प्रभारी संजीव श्रीवास्तव एवं कार्यकारी अध्यक्ष अंबुज कुमार ने कहा कि कांग्रेस के विशाल वोट बैंक के चलते ही वर्तमान सांसद गीता कोड़ा की जीत हुई थी, ऐसे में सिंहभूम सीट पर कांग्रेस का एक बड़ा जनाधार है। कांग्रेस के वरीय नेता केपी सोरेन ने कहा कि गठबंधन के तहत जो भी निर्णय होगा सभी कार्यकताओं को मान्य होना चाहिए। महागठबंधन की जीत सुनिश्चित करने पार्टी कार्यकर्ता कमर कस लें। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश सचिव सुरेश धारी, राकेश तिवारी, हिटलर सुम्बरुई, उपेंद्र शर्मा, केपी सोरेन, समरेंद्र तिवारी, प्रखंड अध्यक्ष अखिलेश तिवारी, नगर अध्यक्ष राहुल यादव, महिला जिला अध्यक्ष वैजयंती बारी समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रमजान के महीने में जकात व फितरे का है खास महत्व : मोजिबुल अंसारी

PHOTON NEWS RANCHI : जकात हर साहिबे निसाब पर फर्ज है, जिसके पास साढ़े बावन तोला चांदी या साढ़े सात तोला सोना या इतनी रकम हो। वह शख्स पूरे साल साहिबे निसाब रहा तो अब अपने माल का हिसाब कर जकात अदा करे। जकात तीन तरह के माल पर फर्ज है, पहला नकद रुपए बैंक में हो या घर पर। दूसरा सोने चांदी और इनके जेवर पर और तीसरा तिजारत के माल पर जकात फर्ज है। उक्त बातें पूर्व जीप सदस्य मोजिबुल अंसारी ने कही। आगे उन्होंने बताया कि, अल्लाह ने इंसान को बेपनाह नेअमतें अता की हैं। उसे हर वह चीज दी है, जो जिन्दगी गुजारने के लिए काफी है। इनमें बहुत से लोग ऐसे हैं, जिनके पास हर चीज बेहिसाब है। मगर दुनियाभर में बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जिन्हें दो वक़्त का पेट भर खाना भी नहीं मिल पाता। ये लोग अभाव में जिन्दगी बसर करते हैं। इस्लाम में ऐसे ही लोगों को जकात, फितरा और सदका देने का हुक्म दिया गया है।

कुरआन करीम में बार-बार जकात का जिक्र आता है। अल्लाह तआला फरमाता है- ह्नेकी सिर्फ यही नहीं है कि तुम अपना रुख मशरिक और मगरिब की तरफ फेर लो, बल्कि असल नेकी तो ये है कि कोई शख़्स अल्लाह और कयामत के दिन और फरिश्तों और अल्लाह की किताब और नबियों पर ईमान लाए।अल्लाह की मुहब्बत में अपना माल कराबतदारों यानी रिश्तेदारों और यतीमों और मिस्कीनों और मुसाफिरों और साइलों यानी मांगने वालों पर और गुलामों को आजाद कराने में खर्च करे और पाबंदी से नमाज पढ़े और जकात देता रहे और जब कोई वादा करे, तो उसे पूरा करे और तंगी और मुसीबत और जंग की सख़्ती के वक़्त सब्र करने वाला हो। यही लोग सच्चे हैं और यही लोग परहेजगार हैं

उपकारा खूंटी में जेल लोक अदालत एवं कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन, प्रधान जिला जज ने कहा-

समय का सदुपयोग कर पढ़ने-लिखने की आदत डालें कैदी

PHOTON NEWS KHUNTI : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में रविवार को उपकार खूंटी में जेल लोक अदालत एवं कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जेल अदालत में तीन कैदियों के मामलों पर विचार किया गया और कैदियों को कानूनी सहायता दी गई। जेल अदालत के अलावा कानूनी जागरूकता शिविर का भी आयोजन हुआ।

प्रधान जिला एवं सब न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश ने कहा कि सभी कैदियों का विचारण बड़ी तेजी से हो रहा है और कैदी अपने-अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने वाद का जल्द से जल्द निपटारा करायें। उन्होंने अनिवार्य बेल के बारे में भी कैदियों को जागरूक किया और निःशुल्क न्याय पर

। ● फोटोन न्यूज

चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी कैदियों को न्यायालय में चल रहे अपने मामले के बारे में जानकारी रखने का हक है। आपको निःशुल्क न्याय देना हमारा कर्तव्य है, बशर्त आप हक लेने के लिए आगे बढ़ें। आप सभी कानून में विश्वास करते हैं और आपके धैर्य की भी परीक्षा है। आप सभी अपने अंदर दबी प्रतिभा को जगाएं और समय का सदुपयोग करते हुए लिखने-पढ़ने की आदत डालें।

इसमें डालसा आपकी मदद करेगा। अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी दिनेश बाउरी ने बिल प्रोबेशन ऑफेंडर्स एक्ट, जमानतीय और गैर जमानतीय वारंट और एलएडीसी चीफ राजीव कमल ने विचरण योग्य अधिवक्ता प्राप्ति के अधिकार के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला जल तृतीय प्राची मिश्रा, न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद एलईडी जलसा के सहायक पैनल अधिवक्ता पीएलबी और कारा अधीक्षक उपस्थित थे।

पैरा लीगल वॉलंटियर्स एवं वकीलों को नए आपराधिक कानूनों की दी गई जानकारी

PHOTON NEWS LOHARDAGA : जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने पैरा लीगल वॉलंटियर्स एवं एलएडीसीएस के अधिवक्ताओं को आज डालसा कॉन्फ्रेंस हॉल में एक जुलाई से लागू होने वाले भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराया। प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार ने बताया कि कानून की जानकारी नहीं होना कभी भी अपराध की सजा को कम नहीं करता है। भारतीय न्याय संहिता जो भारतीय दंड संहिता का स्थान लेगी उसमें कुल 358 धाराएं रखी गई हैं जबकि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता जो सीआरपीसी का स्थान लेगी उसमें 531 धाराएं हैं। भारतीय साक्ष्य अधिनियम में कुल 170 धाराएं हैं। नए कानून में पुराने प्रावधानों को रखते हुए फॉरेंसिक जांच एवं अरेस्ट इत्यादि को लेकर नए प्रावधानों को जोड़ा गया है। इसी प्रकार 144, 145 द.प्र.स. के मुकदमे जो एसडीओ कोर्ट

में चलते हैं उसकी नई धाराएं 163 व 164 होंगी। इसी प्रकार मृत्यु दंड के प्रचलित धारा 302 अब नए कानून में धारा 103 के रूप में जानी जाएगी जबकि 307 जो हत्या के प्रयास से संबंधित है को नए कानून में 109 धारा के रूप में जाना जाएगा। धारा 498 ए जो महिला उत्पीड़न से संबंधित है कि नई धारा 85 होगी। दुष्कर्म की धार 376 की नई धारा 64 होगी। दहेज मृत्यु की धारा जो पूर्व में 304 बी होती थी की नई धारा 80 के रूप में जानी जाएगी। प्रशिक्षणार्थियों को क्रिमिनल केस के अनुसंधान, ट्रायल और किस तरह केस जजमेंट तक पहुंचता है इसकी जानकारी अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी राज कल्याण ने दी।

बिना अनुमति के अब सभा एवं रैली नहीं कर सकेंगे कोई भी राजनीतिक दल : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

PHOTON NEWS DUMKA : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने कहा कि दुमका जिला 02 संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आता है। उन्होंने निर्वाचन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि दुमका जिले में 7वें एवं अंतिम चरण में चुनाव की तिथि निर्धारित है। डीसी रविवार को प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर नाम निर्देशन की सात मई, नाम निर्देशन पत्रों की जांच की तिथि 15 मई, नाम वापसी की अंतिम तिथि 17 मई, मतदान की तिथि एक जून एवं मतगणना की तिथि 04 जून को निर्धारित है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 1157 मतदान केंद्र बनाये गये हैं। सभी मतदान केंद्रों में मतदान सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दुमका जिले के कुल 9 लाख 96 हजार 513 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमे से महिला मतदाता 5 लाख 02 हजार

मीडिया को जानकारी देते उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे व अन्य। ● फोटोन न्यूज

732 एवं पुरुष मतदाता 4 लाख 93 हजार 777 के अलावा 4 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। दुमका लोकसभा में कुल 1770326 मतदाता अपने मतों का प्रयोग करेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि इस बार के चुनाव में मतदान में प्रतिनियुक्त कर्मियों के लिए ईडीसी एवं पोस्टल बैलेट पेपर की व्यवस्था रहेगी। आगामी चुनाव को लेकर कई आदर्श मतदान केंद्र भी बनाया जायेगा। दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने के लिए सुगम सुविधा रहेगी। मतदाताओं को मतदान करने के लिए जागरूक करने के लिए स्वीप के तहत अभियान चलाया जा रहा है। स्वीप के माध्यम से मतदाता निबंधन, नैतिक मतदान, छूटे हुए मतदाता, दिव्यांग मतदाता आदि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव को लेकर कोषांग सहित सभी कार्य की तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा वोटिंग हो, इसके लिए आप सभी के सहयोग की अपेक्षा है।

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि निर्वाचन को लेकर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं केंद्रीय बल की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। थाना क्षेत्र में लगातार वाहनों का सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

BRIEF NEWS

जमशेदपुर, सरायकेला व रांची जेल की होगी मरम्मती खर्च होंगे 2.82 करोड़

RANCHI : रांची, जमशेदपुर और सरायकेला जेल में 2.82 करोड़ की लागत से निर्माण और मरम्मत का कार्य होगा। इसे लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राशि आवंटित कर दी है। गृह विभाग के द्वारा जारी आदेश में कहा गया हैं कि आवंटित राशि के निकासी और खर्च करने के संबंधित पदाधिकारी जेल अधीक्षक होंगे। जेल अधीक्षक, जिला कोषागार से राशि की निकासी कर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के खाते में ट्रांसफर कराएंगे और विभाग को रिपोर्ट करेंगे।

सुपर-30 में एडमिशन के लिए 31 को होगा टेस्ट

RANCHI : झारखंड के भी टैलेंटेड बच्चों को बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद के फेमस सुपर-30 में पढने का मौका मिलेगा। इस संबंध में सुपर-30 से जुड़े प्रो पी के उपाध्याय ने रविवार को रांची प्रेस क्लब में जानकारी दी। बताया कि बिहार में अभयानंद सुपर-30 से विगत 8 वर्षों में 87 आइआइटी, 127 एनआइटी तैयार किए गये हैं। अब झारखंड के भी गरीब, प्रतिभावान बच्चों के लिए 31 मार्च को जांच परीक्षा का आयोजन झारखंड, बिहार में होगा। ऐसे स्टूडेंट्स जो किसी भी बोर्ड से दसवीं की परीक्षा दे चुके हैं, वे निर्धारित वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा के आधार पर चयनित स्टूडेंट्स को विशेष सुविधाओं के साथ मेडिकल, इंजीनियरिंग की तैयारी करायी जाएगी।

सुतियांबे मुड़हर पहाड़ बचाओ जनसभा में शामिल हुए हजारों आदिवासी

RANCHI : सुतियांबे मुड़हर पहाड़ बचाओ के बैनर तले रविवार को पिठौरिया में सुतियांबे मुड़हर पहाड़ पर हजारों की संख्या आदिवासी जुटे हैं। ये सभी सुतियांबे पहाड़ के पास जमीन पर अवैध दखल खिलाफ जुटे हैं। वहां मौजूद आदिवासियों ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति पूजक हैं। पहाड़,नदी,तालाब,पेड़ पौधा,पशु पक्षी,जल, जंगल और जमीन की पूजा करते हैं। आज आदिवासियों का अस्तित्व, पहचान खत्म किये जा रहे हैं। संयोजक लक्ष्मी नारायण मुंडा ने कहा कि देश के आदिवासी इलाकों में धार्मिक जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास हो रहा है। इसे रोकने के लिए देश के आदिवासी समाज को एकजुट होना होगा। आज आदिवासी समाज के धार्मिक सांस्कृतिक विरासत को बचाने की जरूरत है। कहा कि आने वाले समय में आदिवासियों का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। इसे बचाने की जरूरत है।

रांची-बनारस वंदे भारत का ठहराव गोमो और पारसनाथ में करने की मांग

RANCHI : रांची से बनारस के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का सामान्य परिचालन 18 मार्च से किया जायेगा। ट्रेन को पिछले सप्ताह पीएम नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। ट्रेन का ठहराव और समय निर्धारित कर दिया गया है। ऐसे में अब ट्रेन का ठहराव गोमो और पारसनाथ में करने की मांग की गयी है। इस संबंध में गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भेजकर ठहराव की अनुशंसा की है। सांसद के प्रस्ताव पर रेल मंत्री की स्वीकृति की मुहर लग गई तो ठहराव शुरू हो जायेगा। गोमो में ठहराव से धनबाद व आसपास के यात्री भी वंदे भारत की सवारी कर सकेंगे। ट्रेन का परिचालन गुरुवार छोड़ सप्ताह में छह दिन किया जायेगा। ट्रेन 20887 रांची–वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस रांची से सुबह 5:10 बजे खुलकर दोपहर एक बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 20888 वाराणसी–रांची वंदे भारत वाराणसी से शाम 4: 05 बजे खुलकर रात 11: 55 बजे रांची पहुंचेगी।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

जेपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग

जब से यह सरकार बनी है, अच्छी खबर सुनने को तरस गए : भाजपा

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश भाजपा ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के प्रश्न पत्र लीक मामले में राज्य सरकार पर हमला बोला है। साथ ही इसकी सीबीआई जांच की भी मांग की है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता विनय कुमार सिंह ने इस विषय को लेकर रविवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में चिंता भी जाहिर की। कहा कि जब से यह सरकार राज्य में है, अच्छी खबर सुनने को कान तरस गये। हमेशा ऐसा कुछ सुनने को मिलता है जिससे राज्य का मान सम्मान कम होता आया है। अब जेपीएससी परीक्षा में पेपर लीक का मामला आया है। इसकी परीक्षाओं के दौरान प्रश्न पत्र परीक्षा केंद्र पर ही खोले जाते हैं पर अबकी ऐसा नहीं हुआ। इससे साबित होता है कि पिछली परीक्षाओं की तरह इस बार की परीक्षा में भी बड़ा रैकेट शामिल है। सरकार में हिम्मत है तो इसकी सीबीआई जांच कराए। मौके पर प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज और सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाइक भी मौजूद थे।

सरकार के जरिए दलाल बना रहे पैसे

विनय कुमार सिंह ने कहा कि जेपीएससी, जेएसएससी जैसी परीक्षाओं में राज्य सरकार के माध्यम से दलाल पैसे बना रहे हैं। विनोद सिंह जैसा एजेंट पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को पसंदीदा कैंडिडेट के लिए मैसेज करता है।यहां के खनिज संसाधनों की लूट के बाद अब युवाओं का भविष्य यह सरकार लूट रही। सरकार का काम गुड गवर्नेंस देना और विधि व्यवस्था बनाने की होती है जिसमें यह सरकार फेल है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते प्रदेश प्रवक्ता विनय कुमार सिंह व अन्य।

युवाओं की बदकिस्मती नहीं छोड़ रही पीछा : मुंडा

जेपीएससी परीक्षा के प्रश्न पत्र लिक होने पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि झारखंड के युवाओं की बदकिस्मती उनका साथ नहीं छोड़ रहा है। आज जेपीएससी परीक्षा के फिर से पेपर लीक की बेहद दुर्भाग्यपूर्ण सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से आग्रह करते हुए कहा है कि इस मामले की त्वरित जांच कराएं और दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई करें।

सिर्फ चेहरा बदला, पुरानी गैंग ही चला रही सरकार : संजय सेठ

PHOTON NEWS RANCHI : जेपीएससी का पर्चा लीक होना और उसके प्रश्नपत्र हल करने को लेकर जो वीडियो सामने आए हैं, वह झारखंड सरकार के मुंह पर करारा तमाचा है। झारखंड सरकार ने राज्य के युवाओं के साथ एक बार फिर से क्रूरता पूर्वक मजाक किया है। उनके जीवन के साथ खिलवाड़ किया है और इसका जवाब इस राज्य के युवा लेकर रहेंगे। उपरोक्त बातें रांची के सांसद संजय सेठ ने कही। सांसद ने कहा कि यह समझ में नहीं आ रहा है कि यह सरकार राज्य की जनता के साथ कैसा मजाक कर रही है। एक तरफ राहुल गांधी युवाओं के रोजगार देने की बात करते हैं। झामुमो का नेतृत्व झारखंडी हितों का दंभ भरता है। राजद के लोग ईमानदारी की कसमें खाते नहीं थकते, उसके बावजूद भ्रष्टाचार का इससे उत्कृष्ट उदाहरण और कुछ नहीं हो सकता।

सेठ ने कहा कि यह तय है कि हेमंत सरकार को जिस गैंग के लोग चला रहे थे, उसी गैंग के लोग इस सरकार को भी चला रहे हैं। मतलब सिर्फ चेहरा बदला है, बाकी पूरी व्यवस्थाएं यथावत है। इस सरकार से राज्य के लोगों का कोई उम्मीद नहीं रह गई है। जेपीएससी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना और विद्यार्थियों के द्वारा मोबाइल निकाल कर उत्तर पुस्तिका भरना, बिहार के जंगल राज की याद कराने वाला है। जब बिहार में लोग परीक्षा हाल में ही किताब लेकर चले जाते थे।

सांसद संजय सेठ ने कहा कि राज्य की यह सरकार पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही है। उसके बाद भी यदि केंद्रीय एजेंसी इन पर कार्रवाई करती है तो यह कहते हैं कि यह राजनीतिक करवाई है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि जितना भ्रष्टाचार करना है कर लें, मोदी की गारंटी है कि एक भी भ्रष्टाचारी छूटेगा नहीं। कार्रवाई सब पर होगी यह तय है। सांसद ने राज्य सरकार से मांग की है की सरकार सामूहिक रूप से अभ्यर्थियों से माफी मांगे। इस मामले की जांच कराएं। यदि सरकार में तनिक भी नैतिकता है तो खुद इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच की अनुशंसा करें।

जेपीएससी प्रश्नपत्र लीक होना निंदनीय, दोषियों पर कार्रवाई करे सरकार : आजसू

PHOTON NEWS RANCHI : रांची युनिवर्सिटी की आजसू इकाई अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने 11वीं झारखंड लोक सेवा आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि 11वीं झारखंड लोक सेवा आयोग झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा का पेपर लीक होना दशार्ता है कि वर्तमान राज्य सरकार युवाओं के भविष्य एवं उनको नौकरी देने को लेकर चिंतित नहीं है। जेपीएससी प्रश्नपत्र लीक होना निंदनीय है और सरकार दोषियों पर कार्रवाई करे। कहा कि पिछले 5 वर्षों के कार्यों को देखा जाए तो सरकार के द्वारा जब भी कोई नियुक्ति के लिए प्रवेश परीक्षा कराई गई है उसमें बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। चाहे जेपीएससी की परीक्षा हो चाहे जेएसएससी की। जेपीएससी पेपर लीक मामला साफ-साफ दशार्ता है कि वर्तमान सरकार को युवाओं एवं छात्र-छात्राओं से कोई लेना-देना नहीं है और वह अपना चेहरा चमकाने में व्यस्त है। सरकार द्वारा पेपर लीक अधिनियम 2023 केवल दिखावे के लिए बनाया गया है। कहा कि पेपर लीक मामले से अगर सबसे ज्यादा कोई प्रभावित होता है तो वह पढ़ने लिखने वाले एवं गरीब तबके से आने वाले छात्र-छात्राएं हैं जो सालों साल मेहनत कर सपने देखते हैं कि इस बार वैकेंसी आएगी तो वह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर परीक्षा पास करेंगे और नौकरी प्राप्त करेंगे। लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने प्रवेश परीक्षा को मजाक बनाकर रख दिया है। परीक्षा का विज्ञापन आते ही विवाद शुरू हो जाता है। उसके बाद एडमिट कार्ड डाउनलोड होने में विवाद, परीक्षा शुरू होने से पहले प्रश्न पत्र लीक हो जाना, ये सभी बातें राज्य सरकार पर सवालिया निशान खड़ा करती हैं।

- 11वीं जेपीएससी परीक्षा को रद करने एवं सीबीआइ जांच की मांग
- वर्तमान सरकार को राज्य के युवाओं की कोई चिंता नहीं : अभिषेक शुक्ला

ये हैं आजसू मांगें

- जेपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में दोषी पर पेपर लीक 2023 कानून के तहत कार्रवाई हो
- जेपीएससी पेपर लीक मामले की जांच निष्पक्ष रूप से सीबीआइ से कराई जाए
- जेपीएससी के जितने भी पदाधिकारी इस मामले में संलिप्त है उन्हें तत्काल प्रभाव से पद मुक्त किया जाए
- मामले की पूरी निष्पक्षता से जांच होने तक एवं दोषियों पर कार्रवाई होने तक छात्र आजसू के सदस्य आंदोलनरत रहेंगे।

ब्राउन शुगर और गांजा कारोबार से जुड़े देवर-भाभी को रंगेहाथ पुलिस ने पकड़ा

19 पुड़िया ब्राउन सुगर, 71 ग्राम गांजा सहित कई अन्य सामान बरामद

गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार को ले जाती पुलिस।

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर कारोबार में शामिल एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के निशानदेही पर गांजा कारोबार में शामिल उसकी भाभी को भी पुलिस गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी में हरमू आनंदपुरी चौक निवासी पवन कुमार और उसकी भाभी कोमल देवी का नाम शामिल है। मूलरूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के महिउद्दीननगर थाना क्षेत्र निवासी आरोपी के पास से पुलिस 19 पुड़िया ब्राउन सुगर, 21900 रुपये, रॉयल एनफील्ड बाइक ओर उसके भाभी के पास से 71 ग्राम गांजा, एक पल्सर बाइक सहित अन्य समान बरामद किया गया है। हालांकि महिला के पति बबलू यादव, कृष्णा यादव, कन्हैया यादव ओर दुर्लभ नामक चार आरोपी मौके से पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना पर गठित पुलिस की टीम ने कार्रवाई की है। सूचना मिली थी कि विद्यानगर स्थित आनंदपुरी चौक के पास कुछ लड़के अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर एवं गांजा की खरीद बिक्री कर रहे है।

बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में छात्र की मौत आरोप- एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण गई जान

CRIME REPORTER RANCHI : कांके थाना क्षेत्र स्थित बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी एक छात्र की मौत के बाद भारी हंगामा हुआ। यह घटना शनिवार की देर रात हुई है। जहां एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के छात्र की हार्ट अटैक के मौत के उसके साथी छात्रों ने हंगामा किया। छात्रों का आरोप है कि समय पर एम्बुलेंस नहीं मिला, जिससे तड़पते-तड़पते छात्र रूपेश कुमार की जान चली गई। दरअसल एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के छात्र रूपेश कुमार की मौत हार्ट अटैक से हो गई। बताया जा रहा है कि रूपेश कुमार को जब हार्ट अटैक का दौरा पड़ा, तब प्रबंधन एवं एंबुलेंस दोनों को सूचना दी गई। लेकिन दोनों समय पर नहीं पहुंचे। एंबुलेंस तकरीबन तीन घंटे बाद पहुंचा, तब तक रूपेश कुमार की मौत हो चुकी थी। वहीं प्रबंधन रूपेश कुमार की मौत होने के दो घंटे बाद पहुंचे। छात्रों में भारी आक्रोश देखने को मिला, छात्र प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे, छात्रों का कहना है कि इतने बड़े कैंपस में एक एंबुलेंस तक नहीं है ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं का हाल समझ जा सकता है। वहीं उन्होंने छात्रों से कहा कि डीन को सबसे पहले सूचना दी गई थी, समय रहते अगर रूपेश कुमार का इलाज हो जाता तो उसकी जान बच जाती।

शनिवार देर रात छात्र की मौत के बाद हंगामा करते छात्र।

छात्रों में दिखा भारी आक्रोश

छात्रों का आरोप है कि प्रबंधन को सूचना देने के बाद भी तीन घंटे लेट से पहुंचे। इस घटना के बाद छात्रों में भारी आक्रोश है। छात्रों का कहना है कि इतने बड़े कैंपस में कोई सुविधा नहीं है। एंबुलेंस भी नहीं है और ना रात में डॉक्टर और ना ही प्रबंधन को इसकी कोई ध्यान है।

आरपीएफ ने शराब के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से दो लोगों को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से 73 शराब की बोतल बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी आशुतोष कुमार और जयप्रकाश कुमार शामिल है। रविवार को मिली जानकारी के अनुसार रांची मंडल के सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर बनाई गयी फ़्लाइंग टीम ने चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म संख्या तीन पर दो व्यक्तियों को संदेहास्पद अवस्था में भारी बैग के साथ बैठा देखा । जांच करने पर 73 शराब की बोतल बरामद की गई। जब्त शराब का बाजार मूल्य 14 हजार 700 बताया गया है। पूछताछ में दोनों आरोपितों ने बताया कि शराब को बिहार ले जाकर महंगे कीमत पर बेचते थे। जब्त शराब को सहायक उप निरीक्षक रवि शेखर ने जब्त करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया।

सुदेश ने ग्राम प्रभारियों को दी नए जनादेश की जिम्मेदारी

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि विकास शब्द और राज्य हित जेएमएम के शब्दकोश में नहीं है। झारखंड को उलझा कर रखना इनका पेशा। शासन और प्रशासन दोनों लूट के साझेदार बन गये हैं। यह साल झारखंड के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण पार्टी के कार्यकताओं की जिम्मेदारी इन हालात में बढ़ जाती है। हम समाज के सभी वर्गों के विचारों और भावनाओं के साथ काम करें। सुदेश कुमार महतो रविवार को नामकुम, सिदरौल स्थित कवाली स्टेडियम में आयोजित रांची लोकसभा स्तरीय ग्राम प्रभारी सम्मेलन में कही। मौके पर रांची लोकसभा क्षेत्र के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की और पार्टी के नीति एवं सिद्धांतों को जन-जन पहुंचाने का संकल्प लिया। सुदेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा में कथित तौर पर पेपर लीक को लेकर जगह-जगह से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह संवेदनशील और चिंता जनक है।

झारखंड प्रदेश खनिज संपदा से परिपूर्ण है, लेकिन हम नीचे से दूसरे पायदान पर : सीपी राधाकृष्णन

देश की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसका लक्ष्य विकसित भारत 2047 हासिल करना है। वर्तमान में हमारे देश की अर्थव्यवस्था विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है एवं तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। राज्यपाल रविवार को रांची के गोस्सनर कॉलेज में रांची चैप्टर ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट की ओर से कॉस्ट अकाउंटेंट द फोर्स बिहाइंड इंडिया मर्जेंस एस थर्ड लार्जेस्ट इकोनामी विषय पर आयोजित वार्षिक सामारोह-2024 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसके 90 हजार सदस्य हैं और पांच लाख विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों पर देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने की अहम जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सीए का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश खनिज संपदा से परिपूर्ण है लेकिन हम नीचे से दूसरे पायदान पर है। झारखंड राज्य के आर्थिक विकास के लिए हमारे सीए गंभीरतापूर्वक चर्चा करें। उन्होंने कहा कि जीएसटी के सफल कार्यान्वयन में भी सीए की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। साथ ही कहा कि सीए का क्षेत्र व्यापक है। कर संग्रह में उनकी भूमिका अहम है।

गोस्सनर कॉलेज में आयोजित वार्षिक सामारोह में राज्यपाल व अन्य।

- विद्यार्थियों पर देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने की अहम जिम्मेदारी
- देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सीए का अहम योगदान
- हमारे देश में करदाताओं की संख्या में वृद्धि हुई

रिम्स में एक्सरे बंद, निजी लैब में रोज जांच करा रहे 700 मरीज

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स में पैथोलॉजिकल जांच के साथ रेडियोलॉजिकल जांच भी प्रभावित हो गई है। करीब तीन माह में सात बार मशीन खराब होने से एक्सरे जांच प्रभावित है। शुक्रवार को रेडियोलॉजी विभाग में पोर्टेबल एक्सरे मशीन भी खराब हो गई, जिससे इमरजेंसी रोगियों की जांच बंद हो गई है। पोर्टेबल एक्सरे मशीन की कैसेट रीड करने वाले डीआर रीडर में खराबी आई है। इधर, एक्सरे न होने से रिम्स के मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। रिम्स में रोजाना इंडोर व आउटडोर के करीब 700 मरीज एक्सरे कराते हैं। मशीनें खराब रहने से उन्हें निजी लैब की ओर रुख करना पड़ रहा है। ऐसे में एक्सरे के लिए सिर्फ एक दिन में 1.61 लाख रुपए उन्हें निजी लैब को देने पड़े, जबकि रिम्स में जांच कराने पर 50 हजार रुपए भी खर्च नहीं होते। बता दें कि रेडियोलॉजी विभाग में चार एडवांस एक्सरे मशीन हैं। यहां 70 रुपए में जहां एक्सरे होता है, वहीं निजी जांचघर में विभिन्न अंगों के एक्सरे 230 रुपए से शुरू होते हैं। रिम्स के रेडियोलॉजी विभाग में चार एडवांस एक्सरे मशीन हैं। इसमें दो अधिकांश समय खराब रहते हैं। वहीं बाकी दो 15-20 दिन के अंतराल में खराब हो जाती हैं। रिम्स की एक्सरे मशीन खराब है, इसकी जानकारी पर्ची काउंटर में ही कर्मी दे देते हैं। साथ ही पर्ची काटने से इनकार कर रहे हैं। रविवार को भी करीब 300 लोग पर्ची कटाने पहुंचे, लेकिन पोर्टेबल मशीन से जिन अंगों की एक्सरे होता है, सिर्फ उसकी ही पर्ची काटी गई, बाकी को वापस लौटा दिया गया।

BRIEF NEWS

विहिप के पदाधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

JAMSHEDPUR : विश्व हिंदू परिषद की प्रांतीय तीनदिवसीय बैठक देवघर में संपन्न हुई। अंतिम दिन रविवार को सिंहभूम विभाग और जमशेदपुर महानगर स्तर पर पदाधिकारियों का दायित्व बदला गया। इसके अंतर्गत सिंहभूम विभाग के सहमंत्री जनार्दन पांडेय, सेवा प्रमुख अरुण सिंह, विभाग संपर्क प्रमुख हरेराम ओझा, सिंहभूम संगठन मंत्री मिथिलेश महतो, जमशेदपुर महानगर के जिला सहमंत्री उतम कुमार दास, बजरंगदल सहसंयोजक चंदन दास, प्रचार-प्रसार प्रमुख प्रदीप सिंह, सामाजिक समरसता सह-प्रमुख आलोक कुमार सिंह, धर्म प्रसार प्रशासनिक संपर्क प्रमुख मनीष कुमार, धर्म प्रसार संत संपर्क प्रमुख राकेश गिरि जी महाराज, धर्म प्रसार निधि प्रमुख उमा महेश्वरी राव के नवीन दायित्व देने की घोषणा की गई। झारखंड प्रांत के विहिप अध्यक्ष चंद्रकांत राय को सिंहभूम विभाग और जमशेदपुर महानगर का पालक नियुक्त किया गया।

बाहा के दूसरे दिन संथाल आदिवासियों ने किया सेंदरा

JAMSHEDPUR : बालीगुमा (मानगो) के खीकड़ीघुटु में संथाल समाज आदिवासियों ने बाहा सेंदरा का आयोजन किया। दीपक रंजीत ने बताया कि बाहा सेंदरा यानि बाहा पर्व के अवसर पर संथाल समुदाय बाहा पर्व के दूसरे दिन शिकार करने के लिए जाने की परंपरा है। संथाल समुदाय ने इसे आज भी जारी रखा है। हालांकि जंगलों के घटने के कारण जंगली जानवर भी कम हो गए हैं। इसके लिए अभी शिकार पर्व या सेंदरा सिर्फ प्रतीकात्मक रूप से ही मनाया जाता है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को इस परंपरा की जानकारी देना भी है कि यह जंगल हमारा और जंगल से ही हमारी पहचान है। इसके लिए बाहा सेंदरा का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

राजकिशोर सामंत की 97वीं जयंती आयोजित, मजदूर सभा ने युवा जागरूकता दिवस मनाया

ROURKELA : राउरकेला के पूर्व प्रधान संपादक मजदुर समद एवं मजदूर आंदोलन के नेता स्वर्गीय राजकिशोर सामंत की 97वीं जयंती रविवार को आयोजित हुई। राउरकेला मजदुर सभा ने उनकी पुण्यतिथि पर युवा चेतना दिवस मनाया। राउरकेला मजदूर सभा शहरी कार्यालय में उन्हे श्रद्धांजलि दी गई। संगठन विकास के लिए युवा कार्यकताओं को प्राथमिकता देने की निरंतर प्रेरणा दी और राजू के सफल नेतृत्व और उपलब्धियों का स्मरण किया। इस्पात उद्योग में श्रमिक आंदोलन के क्षेत्र में बाबू की 7 तारीख को श्रद्धांजलि सभा हुई। उप संपादक खगेंद्र बेहरा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में युवा कार्यकर्ता प्रमोद कुमार दास, सत्यानंद बेहरा, फिलिप कुमार जेना, निरंजन सामल, किल्पवन जेना, नृपानंद नायक, केदारनाथ परीडा, सोमनाथ स्वाई,बिष्णु चरण प्रधान ने विचार रखें। युवा जागरूकता दिवस के मेजबान सोमनाथ ने युवा नेतृत्व विकसित करने में राजू बाबू के निरंतर प्रयासों की प्रशंसा की। आरंभ में मजदूर सभा के अध्यक्ष शशधर नाइक, कार्यवाहक अध्यक्ष असित दास, महासचिव अक्षय कुमार नाइक, हिंद मजदूर सभा (ओडिशा) के कार्यवाहक अध्यक्ष बैद्यनाथ दास, मजदूर सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रभाकर , वरिष्ठ पत्रकार शंकरन दास, गंगपुर मजदुर मंच के महासचिव गोपाल दास, वरिष्ठ श्रमिक नेता आनंद चंद्र मोहंती, हरेकृष्ण पाढ़ी, अरुण कुमार परीडा, शशधर पान, अन्य कार्यकर्ता मजदूर सभा, हिंद मजदूर सभा से संबद्ध विभिन्न श्रमिक संगठनों के कार्यकर्ताओं एवं कार्यकताओं ने नेताओं के माल्यार्पण किया।

आदित्यपुर की कंपनी में घुसा तेंदुआ एक युवक घायल, मची अफरातफरी

इस तरह की घटना से हर कोई हैरान, बांकुड़ा से भी आ रही वन विभाग की टीम

PHOTON NEWS CHAIBASA : झारखंड स्थित सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र (इंडस्ट्रियल एरिया) की कंपनी आरएसबी ट्रांसमिशन आइ लिमिटेड में रविवार को तेंदुआ घुस गया, जिससे कंपनी परिसर सहित पूरे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। यही नहीं, तेंदुए ने कंपनी के कर्मचारी सौरभ मिश्रा को घायल भी कर दिया है, जिसका इलाज आदित्यपुर स्थित एक नर्सिंग होम में चल रहा है। कंपनी के सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सबसे पहले कामगारों को वहां से बाहर निकाला गया. इसके बाद वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने में जुटी है. बताया जा रहा है कि अब तक तेंदुए को पकड़ने में वन विभाग की टीम को सफलता नहीं मिल सकी है। बताया जाता है कि अब तेंदुए का रेस्क्यू करने के लिए बांकुड़ा (पश्चिम बंगाल) से वन विभाग की टीम आ रही है। आदित्यपुर में तेंदुआ घुसने की खबर सुनकर हर कोई हैरान है, क्योंकि इससे पहले यहां कभी तेंदुआ नहीं देखा गया। इस खबर से आसपास के रहनेवाले लोगों में दहशत है।

कंपनी परिसर के अंदर सड़क पार करता तेंदुआ। ● फोटोन न्यूज

सतबहनी के जंगल से आने की आशंका

सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में तेंदुआ आने की खबर से हर कोई हैरान है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि यहां तेंदुआ सतबहनी (गम्हरिया) स्थित सतबहनी के जंगल से आया होगा। सतबहनी का इलाका आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र से सटा हुआ तो है ही, स्वर्णरेखा नदी का दूसरा छोर चांडिल और दलमा जंगल से भी सटा है। अनुमान लगाया जा रहा है कि तेंदुआ चांडिल वन क्षेत्र से होते हुए यहां आया होगा। फिलहाल, स्वर्णरेखा नदी में पानी कम है। कहीं-कहीं नदी सूखी भी है, इसलिए तेंदुआ नदी के रास्ते सतबहनी जंगल की ओर से रात में ही आया होगा। यह अलग बात है कि कंपनी के कर्मचारियों ने इसे सुबह में देखा। वैसे वन विभाग के अधिकारी इस संबंध में कुछ भी नहीं बता रहे हैं।

सीसीटीवी फुटेज का वीडियो हो रहा वायरल

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में तेंदुआ घुसने की खबर पर कोई यकीन नहीं कर रहा है, लेकिन जब उन्हें एक वीडियो दिखाया जा रहा है, तब लोग दांतों तले अंगुली दबा ले रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वीडियो कंपनी के सीसीटीवी से निकाला गया है। सीसीटीवी फुटेज में एक लड़का दौड़ कर भागता हुआ दिख रहा है, उसके थोड़ी देर बाद तेंदुआ सड़क पार करता नजर आता है। स्थानीय लोग बताते हैं कि वह बच्चा बाल-बाल बच गया। गनीमत है कि रविवार होने की वजह से कंपनी में उत्पादन बंद था। लगभग आधा दर्जन कर्मचारी व सुरक्षाकर्मी ही थे, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

लोकसभा चुनाव को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिले में धारा-144 लागू

JAMSHEDPUR : लोकसभा चुनाव की घोषणा के पश्चात जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल के निर्देश पर पूर्वी सिंहभूम जिले में धारा-144 लागू कर दी गई है। अनुमंडल पदाधिकारी घाटशिला एवं अनुमंडल पदाधिकारी धालभूम द्वारा जारी आदेश में कहा है कि लोकसभा निर्वाचन की घोषणा 16 मार्च को कर दी गई है। घोषणा की तिथि से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। निष्पक्ष चुनाव के लिए स्वस्थ और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति होने तक अथवा अधिकतम 80 दिनों तक जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी। इसके अंतर्गत किसी भी व्यक्ति द्वारा राजनैतिक प्रयोजन से संबंधित सभा, जुलूस, धरना या किसी भी प्रकार का प्रदर्शन बिना सक्षम पदाधिकारी के पुवार्नुमति के आयोजित नहीं किया जाएगा। जुलूस में किसी भी व्यक्ति के पास किसी भी प्रकार का धारदार हथियार (अस्त्र एवं शस्त्र) जो मानव शरीर के लिए घातक हो, को लेकर चलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है।

राउरकेला : जिला युवा बीजद कमेटी के सदस्यों की हुई घोषणा, विभूति बने अध्यक्ष

PHOTON NEWS ROURKELA : जिला युवा बीजद की अध्यक्ष विभूति को मनोनित किये जाने के महीने भर के भीतर 49 युवा सदस्य जिला टीम की घोषणा की गई, जिसमें 9 उपाध्यक्ष, 13 महासचिव, 22 सचिव व दो मिडिया सेल संयोजक बने है। इस टीम में राउरकेला, रघुनाथ पाली, बणई व बीरमित्रपुर विधानसभा क्षेत्र के बीजद के उन युवाओं को जगह दी गई, जो बीजद में सक्रिय होने के साथ साथ मंत्री शारदा नायक के खास है।

अल्पसंख्यक व महिला युवाओं को भी मौका मिला है। पहली बार जिला कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में राजीव प्रतिहारी को नियुक्त किया गया है। सूचना के अनुसार विभूति भूषण पुहान के नेतृत्व में जिला युवा बीजद की नई टीम में राजीव कुमार प्रतिहारी कार्यकारी अध्यक्ष, पंकज जयसवाल पिंकू, राजीव रतन जयसवाल पप्पू, राकेश पंडा, रोहितश्य मिश्रा, तारीक अजीज अंसारी, निवेदिता बागे, अशोक विश्वकर्मा, अनिल सिंह, पिरु मुर्मू उपाध्यक्ष, सुधांशु सामल, लकी सिंह, नील कंठ दाश, केवल लाल सेठी, प्रियव्रत भंज, मोतीलाल लकड़ा, शंकर तिर्की, आकाश शेखर देव, चंदन विश्वकर्मा, मुबारक अंसारी, कांडरा किसान, रजत महाकुड़, विश्वजीत जेना, भरत महानन्द, सत्य नारायण प्रधान महासचिव, जोगेंद्र शेरू शर्मा, नसीम अख्तर, आशुतोष जयसवाल, सन्यासी दास, प्रभाकर चौधरी, बाबू लाल रजक, पूर्ण चंद्र महनती, लक्ष्मी धर महंत, कृष्णा बेहरा, बंटी अंसारी, प्रकाश साहू, रोहितास मुंडारी, राजेश बड़ाईक, लाल जी सिंह, निलय साहू, गौरव साहू, मौसमी शतपथी, प्रियंका पानी, वीणा पानी महापात्र, प्रतिमा साहू, नमिता नायक सचिव बने है। जबकि सुजीत साहू व विशाल सोनू शर्मा को जिला युवा बीजद के मीडिया सेल संयोजक बनाया गया। इसके अलावा राउरकेला विधान सभा क्षेत्र के युवा अध्यक्ष का पद पर सुशांत राउत बुबुली को दोबारा मनोनित किया गया। सभी सदस्यों ने बीजेडी सुप्रीमो नवीन पटनायक और राउरकेला विधायक एवं श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक का धन्यवाद दिया।

विभूति भूषण पुहान। ● फोटोन न्यूज

आदिवासी कल्याण केंद्र में धूमधाम से मना मागे पर्व, सोमवार को तय होगी बाहा पर्व की तिथि

PHOTON NEWS KIRIBURU : मेघाहातुबुरु स्थित आदिवासी कल्याण केंद्र के तत्वाधान रविवार को मागे पर्व का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ सुबह जाते/ओतेईलि के बाद झंडोत्तोलन कर किया गया। दोपहर में दिऊरियों का स्नान एवं गृह पूजा के बाद शाम को समाज के लोगों ने दिऊरियों के साथ जाहेरा स्थान (देशाउली) जाकर पूजा-अर्चना की। देशाउली से सभी आदिवासी कल्याण केन्द्र पहुंचे, जहां पुनः दिऊरियों का पैर पूजन किया गया। इसके बाद सभी ने नगाड़ा, मांदर व अन्य पारम्परिक वाद्य यंत्र के साथ सामूहिक रूप से पारम्परिक नृत्य-गान किया।

अगले दिन सोमवार को सुबह 8:00 बजे केन्द्र के प्रांगण में दिऊरियों का सम्मान किया जायेगा। साथ ही बाहा पर्व की तिथि निर्धारण तथा दोपहर 12:00 से 2:30 तक लेटो/खिचड़ी वितरण तथा शाम 5:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक सामूहिक नृत्य-गान का कार्यक्रम होगा। इस दौरान महाप्रबंधक सुकरा हो, दिऊरी संजय हेस्सा, जयराम पाट पिंगुआ, सेलाय हेस्सा, धनुर्जय लागुरी, रोया राम चांपिया, बीरबल गुड़िया, निर्मल पूर्ति, जगन्नाथ चातर, संदीप तीयु, अमर सिंह सुंडी, आरके सिंकू, बिलायची सुंडी, पालो सोय, आसाई चांपिया, शशि सिंकू, सुशीला सिंकू, चन्द्रावती कालुंडिया, तुलसी चातर समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

रुक्मिणी विवाह के प्रसंग पर निकली झांकी देखकर मुग्ध हो गए श्रद्धालु

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मानगो के उलीडीह स्थित न्यू शर्मा लाइन में हनमुत सेवा दल द्वारा श्रीश्री 1008 श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ एवं भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के सप्तम दिवस पर वृंदावन से पधारे आचार्य योगेश प्रभाकर महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला के बाद उद्धव-गोपी संवाद का वर्णन किया। इसी क्रम में महाराज ने कहा कि उद्धव जी के लाख समझाने के बाद भी गोपियां भगवान के प्रेम से किंचित मात्र अडिग नहीं हुईं। रुक्मणी विवाह की कथा के साथ कृष्ण-रुक्मिणी की झांकी निकाली गई, जिसे देख श्रद्धालु मुग्ध हो गए। रुक्मिणी विवाह को उपस्थित भक्तों ने उत्सव की तरह मनाया। कथा के बाद सामूहिक आरती व प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित आचार्य व अन्य। ● फोटोन न्यूज

व्यापारियों की सुविधा के लिए बन रहा मार्केट भवन

ROURKELA : व्यापारियों और ग्राहकों की जरूरतों को देखते हुए, राउरकेला मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन स्थानीय एसटीआई चौक के गणेश मार्केट और बसंती मार्केट में शौचालय से लेकर पार्किंग तक कई सुविधाओं के साथ मार्केट भवन का निर्माण कर रहा है। इस मार्केट में ग्राहकों के सभी तरह के सुभिधा को ध्यान मे रखते हुए उन्नत निर्माण कार्य किया जा रहा है।

खाटू धाम रवाना हुए श्याम भक्त

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कुल देवता बाबा श्री श्याम प्रभु का दर्शन करने शहर के श्याम भक्त रविवार को खाटू धाम रवाना हुए। संस्था श्री श्याम जागरण मंच टाटानगर के 71 सदस्यों की टोली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस से खाटू धाम (राजस्थान) के लिए रवाना हुई। ट्रेन की बोगी में भगवान श्रीकृष्ण का फूलों से दरबार सजाया। सुसज्जित मनमोहक दरबार के समक्ष भजन करते हुए सफर कर रहे हैं। ये 19 मार्च को रिंगस से भव्य निशान यात्रा में शामिल होकर खाटू धाम पहुंचेंगे। खाटू धाम जाने वालों में श्याम जागरण मंच के अशोक अग्रवाल, गोपाल रिंगसिया, कमल सिंघल, प्रमोद अग्रवाल, चंदन चौधरी, बिमल रिगसिया, बजरंगलाल अग्रवाल आदि शामिल हैं। ज्ञात हो कि श्री श्याम जागरण मंच के सदस्य विगत 28 वर्षों से लगातार फागुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को खाटू धाम जाते हैं।

स्टेशन पर जुटे श्याम भक्त। ● फोटोन न्यूज

सेल में ऑक्सीजन प्लांट में उन्नत और एकीकृत अत्याधुनिक वितरण नियंत्रण प्रणाली का उद्घाटन

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के ऑक्सीजन प्लांट में इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग द्वारा रविवार को वितरित नियंत्रण प्रणाली का उद्घाटन हुआ। इसका उद्घाटन कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) एसआर सूर्यवंशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य महा प्रबंधक प्रभारी (इलैक्ट्रिक एवं पावर) बीएस. कार्था, मुख्य महा प्रबंधक (ईएमडीएवंयूटिलिटी) पीएस. कन्नन, मुख्य महा प्रबंधक (एसएमएस-2) टीपी. शिवशंकर, महा प्रबंधक प्रभारी (आईएंडए) एससी.पात्रा, महा प्रबंधक प्रभारी (ऑक्सीजन प्लांट), आरके. शाह, महा प्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा), आशा कर्था, महा प्रबंधक प्रभारी (इंस्ट्रूमेंटेशन), चैताली दास और आरएसपी. के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। महा प्रबंधक प्रभारी (आई. एवं ए.) ने डी.सी.एस. अपग्रेडेशन की आवश्यकता और नई प्रणाली के साथ उपलब्ध अतिरिक्त सुविधाओं सहित कुल प्रणाली का प्रदर्शन किया। कि मुख्य संयंत्र उपकरण के साथ आपूर्ति किए गए पुराने डीसीएस सिस्टम को अलग-अलग समय पर ऑक्सीजन संयंत्र की विभिन्न इकाइयों में चालू किया गया था। ये प्रणालियाँ संबंधित इकाइयों की पूर्ण स्वचालन प्रणाली के लिए जिम्मेदार थे जिसमें प्रक्रिया मापदंडों की निगरानी और नियंत्रण, इंटरलॉक और सुरक्षा शामिल है। इकाइयों की स्थापना के बाद से सिस्टम निरंतर संचालन में थे। पुरानी और अप्रचलित होने के कारण मौजूदा प्रणाली को बदलना एक तकनीकी आवश्यकता थी।

स्वदेशी मेला में भारतीय संस्कृति पर बच्चों ने उकेरे चित्र, आइडिया पिच प्रतियोगिता में आए कई स्टार्टअप

देश के नामचीन कवियों ने जमाया रंग, बटोरी तालियां

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में चल रहे 17वें स्वदेशी मेला में रविवार की शाम कवियों के नाम रही, जिसमें देश के नामचीन कवियों ने बारिश की फुहार के बावजूद अपना रंग जमा दिया। सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत हुए अखिल भारतीय कवि सम्मेलन के मुख्य आकर्षण छत्तीसगढ़ के रायपुर से आए पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे, दिल्ली की खुशबू शर्मा और बनारस के अनिल चौबे रहे।

डॉ सुरेंद्र दुबे ने अपने चिरपरिचित तकियाकलाम ह्यसांस लेना है...ह्ल, से तो श्रोताओं को हंसाया ही, ह्यनारी वंदन अभिनंदन, हर घर में पूजा की घंटी है, यह घंटी नहीं बाबू मोदी की गारंटी है...ह्ल, से चुनावी मौसम में खूब तालियां बटोरीं। इसी तरह अनिल चौबे ने ह्यऔषध ला हनुमान जहां रघुवीर की दूर व्यथा करते हैं, धन्य है भारत देश जहां काग भी राम कथा करते हैं...ह्ल के अलावा बनारस की खूबियों पर एक से बढ़ कर एक रचना सुनाई, जिस पर खूब ठहाके लगे। खुशबू शर्मा ने ह्यमैं कोई फूल नहीं हूं जो बिखर जाऊंगी, मैं वो खुशबू हूं जो सांसों में उतर जाऊंगी...ह्ल के अलावा प्रेम व श्रृंगार रस की रचनाएं तो सुनाई ही, लौहनगरी के श्रोताओं को हास्य की चाशनी से भी सराबोर किया।

कवियों का स्वागत मेला संयोजक अशोक गोयल, मंच के अखिल भारतीय सह संघर्षवाहिनी प्रमुख बंदेशंकर सिंह, खादी ग्रामोद्योग आयोग, पूर्वी भारत के सदस्य मनोज सिंह, मेला सह संयोजक अमित मिश्रा और सीबीएमडी की निदेशक मंजू ठाकुर ने किया।

इस कार्यक्रम में शामिल बच्चों को उत्साहित करने के लिए मनोज कुमार सिंह, सदस्य-खादी ग्रामोद्योग आयोग उपस्थित थे। और सभी चित्रों को जज करने के लिए तन्मय झा उपस्थित थे। चित्रांकन का परिणाम मेले के समापन पर 21 मार्च को शाम 6 बजे को घोषित किया जाएगा।

वहीं, आइडिया पिच प्रतियोगिता में कई नए स्टार्टअप आए। इन्होंने कई अच्छे बिजनेस के आइडियाज दिए जैसे एक्सीडेंट के केस में मूवेबल चेसिस से चालक की जान बचाने का आइडिया, पैदल चल कर रोज का 30 मेगावाट बिजली उत्पन्न करना और देश के सारे स्कूल की डायरी को एक प्लेटफॉर्म पर लाना जैसे आइडिया सामने आए। इस प्रतियोगिता के संयोजक वर्कर्स कॉलेज के प्रोफेसर अमर कुमार रहे।

मंच पर उपस्थित कवि व अतिथि। ● फोटोन न्यूज

लगभग 100 बच्चों ने उकेरे चित्र

स्वदेशी मेला के सभागार में रविवार को बच्चों के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इसमें लगभग 100 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों को चार ग्रुप में विभाजित किया गया था। पहले नर्सरी से क्लास 2 तक के बच्चों को उनकी इच्छा अनुसार चित्र बनाने को कहा गया था। दूसरे ग्रुप में क्लास 3 से 5 तक को ग्रामीण भारत या पर्यावरण पर आधारित चित्र बनाने को कहा गया था। ग्रुप सी में क्लास 6 से क्लास 8 तक के बच्चों को शामिल किया गया था, जिन्हें भारत के पारंपरिक उद्योग के बारे में चित्र बनाने को कहा गया था। क्लास 9 और उसके ऊपर को विकसित भारत के बारे में चित्रांकन करने को कहा गया था।

भोजपुरी नाटक लांस नायक खूब सिंह देख लोटपोट हुए दर्शक

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में चल रहे भोजपुरी नाट्य महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को दो नाटकों का मंचन हुआ, जिसका शहरवासियों ने खूब आनंद उठाया। नई दिल्ली की संस्था रंगश्री द्वारा सबसे पहले शहर के ही साहित्यकार स्वर्गीय डॉ रसिक बिहारी ओझा निर्भीक द्वारा लिखित हास्य नाटक लांस नायक खूब सिंह की प्रस्तुति हुई। नाटक में खूब सिंह की भूमिका में अनुज प्रसाद, खूब सिंह की पत्नी के रुप में श्वेता सिंह, ओझा बाबा के रुप में डॉ संजय पाठक, कुली के रूप में जितेश तिवारी, हवलदार उमराव सिंह के रुप में राहुल सिंह राजपुत एवं घुरवा की भूमिका में अनुष्का सिंह के अभिनय ने दर्शकों का मन मोह लिया। दुसरे नाटक रघुनाथ जी के गोवाही निष्काम भाव से कर्म करने वाले एक भक्त पर है, जो स्वयं भगवान की अदालत में गवाह बनकर जाते हैं। इसका नाट्य रूपांतरण लवकांत सिंह ने किया, जबकि नाट्य परिकल्पना, भोजपुरी अनुवाद एवं निर्देशन महेंद्र प्रसाद सिंह की है। सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, तुलसी भवन के सहयोग से मंचित इस नाटक में करीब 16 कलाकारों ने भाग लिया। इसमें भक्त भोला के रूप में अखिलेश कुमार पांडेय, जज व महात्मा के रूप में महेंद्र प्रसाद सिंह, पुजारी व महाजन के रूप में सौमित्र वर्मा, रघुनाथ जी की भूमिका में दीपक कुमार सिंह, भोला की पत्नी कल्पना मिश्रा, वकील के रूप में क्रमशः गौरव प्रकाश एवं विजय यादव, भुवन रूप में रुस्तम कुमार, भानु व चपरासी की भूमिका में प्रभात रंजन, दुल्हन व जज की बेटी के रूप में कीर्ति यादव, दूल्हा के रूप में गौरव प्रकाश, पेशकार की भूमिका में अशोक यादव, इंस्पेक्टर की भूमिका में रीतेश तिवारी दिखे।

संवाद करते अनुज प्रसाद व श्वेता सिंह।

17 लोकसभा चुनावों में सबसे ज्यादा 7 बार राजपूत दूसरे नंबर पर ब्राह्मण; तीसरे पर भूमिहार

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) लोकसभा सीट पर सवर्ण जातियों का वर्चस्व रहा है। 1952 से लेकर 2019 तक 17 बार लोकसभा चुनाव हुए। इसमें 15 बार सवर्ण जाति के नेता सांसद बने, जिसमें राजपूत जाति के नेता सात और ब्राह्मण उम्मीदवार पांच बार चुनाव जीते। वहीं, भूमिहार प्रत्याशी की जीत तीन बार हुई है। पूर्वी चंपारण सीट से सिर्फ प्रभावती गुप्ता 1984 में तो रमा देवी 1998 में गैर सवर्ण सांसद बनने वालों में शामिल हैं। प्रभावती गुप्ता और रमा देवी वैश्य समाज से हैं। पूर्वी चंपारण कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था। लेकिन बीजेपी की सीट बनाने में राधा मोहन सिंह की अहम भूमिका रही है। राजपूत जाति से आने वाले राधा मोहन सिंह छह बार यहां से सांसद रहे हैं। 2009 से 2019 तक

वो हैट्रिक लगा चुके हैं। हालांकि, उम्र का हवाला देते हुए इस बार उन्होंने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। पहली बार मोतिहारी लोकसभा सीट पर 1952 में चुनाव हुआ था। इसमें कांग्रेस की टिकट पर विभूति मिश्र चुनाव जीत कर संसद भवन पहुंचे थे। इसके बाद लगातार पांच बार सांसद का चुनाव जीते। 1952 से लेकर 1971 तक वे यहां से सांसद रहें। 1977 के चुनाव में जनता पार्टी ने कांग्रेस के विजयी रथ को रोक दिया। यहां से चुनाव लड़े ठाकुर रमापति सिंह ने जनता पार्टी से जीत दर्ज की। हालांकि, 1980 में हुए चुनाव में रमापति सिंह को सीपीआई के कमला मिश्र मधुकर ने हरा कर वाम दल का झंडा लहरा दिया। लेकिन, 1984 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर से कांग्रेस ने वापसी की। प्रभावती गुप्ता कमला मिश्र मधुकर को हराने में सफल रही। फिर से कांग्रेस के प्रत्याशी की जीत हुई। 1989 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के राधा मोहन सिंह की एंट्री हुई। लोकसभा चुनाव में राधा मोहन सिंह ने प्रभावती गुप्ता को हरा दिया। वे पहली बार सांसद बने। इसके बाद 1991 में मध्यावधि चुनाव हुआ। राधा मोहन सिंह फिर से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़े, लेकिन सीपीआई के कमला मिश्र मधुकर ने उन्हें हरा दिया। 1996 के चुनाव में फिर बीजेपी ने राधा मोहन सिंह को मैदान में उतारा। इस बार उन्हें जीत मिली। 1998 लोकसभा चुनाव काफी दिलचस्प था। एक तरफ दो बार के सांसद रहे राधा मोहन सिंह मैदान में थे। वहीं, उनके विरोध में उस समय के बाहुबली पूर्व विधायक देवेंद्र नाथ दुबे थे। वे समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे। इस बीच राजद के टिकट पर बाहुबली बृज बिहारी प्रसाद की पत्नी रमा देवी चुनाव लड़ रहीं थी। चुनाव के दौरान ही संग्रामपुर थाना क्षेत्र में बाहुबली देवेंद्र नाथ दुबे की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इसमें रमा देवी के हाथों राधा मोहन सिंह को हार का सामना करना पड़ा। फिर 1999 में मध्यावधि चुनाव हुआ। इसमें बीजेपी के टिकट पर एक बार फिर से राधा मोहन सिंह ही चुनाव लड़े और उनकी जीत हुई। 2004 में फिर चुनाव हुआ, इसमें राजद के टिकट पर भूमिहार जाति से आने वाले डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह चुनावी मैदान में उतरे। उन्होंने यहां बीजेपी के तीन बार के सांसद रहे राधा मोहन सिंह को हरा दिया। इसके बाद उन्हें केंद्र में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भी बनाया गया। 2008 में मोतिहारी लोकसभा का नाम बदल कर पूर्वी चंपारण लोकसभा हो गया। 2009 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के टिकट पर फिर राधा मोहन सिंह चुनावी मैदान में उतरे। उन्होंने हार का बदला लेते हुए अखिलेश सिंह को हराया।

संक्षिप्त डायरी

6 बार कांग्रेस के नाम रही वीर कुंवर सिंह की धरती, आरके सिंह ने पहली बार खिलाया

आरा(भोजपुर)। 1857 में बिहार से अंग्रेजों को टक्कर देने वाले योद्धा वीर कुंवर सिंह की ऐतिहासिक धरती आरा को राजनीतिक रूप से बेहद सक्रिय माना जाता है। वर्तमान में आरा लोकसभा सीट से बीजेपी के दिग्गज नेता आरके सिंह सांसद हैं। यहां से वे लगातार दो बार जीत दर्ज कर चुके हैं। आरा लोकसभा सीट पर आखिरी चरण में 1 जून को वोटिंग होगी। इस सीट पर वामपंथी पार्टियों की मदद से पहले कांग्रेस और फिर समाजवादी पार्टियों का कब्जा रहा। लेकिन, पिछले दो चुनावों से बीजेपी ने आरा लोकसभा को अपना गढ़ बना लिया है और इस बार पार्टी हैट्रिक लगाने की तैयारी में है। वर्तमान में आरके सिंह यहां से सांसद है और केंद्र में मंत्री भी। 2019 में भाकपा (माले) के उम्मीदवार राजू यादव ने बीजेपी प्रत्याशी आरके सिंह को टक्कर दी थी। इस बार लोकसभा चुनाव में बीजेपी फिर आरके सिंह को उम्मीदवार बना सकती है। आरा (भोजपुर) के इलाके में वाम दलों का काफी प्रभाव रहा है। 6 बार यह सीट कांग्रेस के नाम रही है, लेकिन इसमें वाम दलों का योगदान रहा है। इन्हीं के समर्थन से कांग्रेस उम्मीदवार जीत दर्ज करते रहे हैं। अब सवाल उठता है कि वामपंथ और समाजवाद के गढ़ में बीजेपी ने कैसे अपनी पैठ बनाई। विपक्ष के लिए आरके सिंह बड़ी चुनौती आरा लोकसभा सीट पर कांग्रेस पार्टी का दबदबा रहा है, लेकिन अब बीजेपी के आरके सिंह विपक्षी पार्टियों के लिए कड़े प्रतिद्वंदी बने हुए हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाकपा माले पार्टी के उम्मीदवार राजू यादव और भाजपा के आरके सिंह के बीच सीधा मुकाबला हुआ था। इसमें राजू यादव को 1 लाख 47 हजार 285 वोटों से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इसके पहले 2014 में राजद से उम्मीदवार रहे भगवान सिंह कुशवाहा को करीब 1 लाख 35 हजार 870 वोटों से हराकर भाजपा ने आरा लोकसभा सीट पर कब्जा जमाया था।

कार से भारी मात्रा में शराब बरामद, पुलिस के पहुंचते ही शराब माफिया फरार

पूर्णिया। पूर्णिया में राजद का झंडा लगाकर लग्जरी कर से शराब की तस्करी की जा रही थी। पुलिस की आंख में धूल झोंकने के लिए शराब माफिया ने शराब तस्करी का ये तरीका अपनाया था। पुलिस ने राजीव साह के भवानीपुर के धत्ताटोला स्थित घर में खड़ी टाटा हैरियर कार से विदेशी शराब की विभिन्न ब्रांडों की 42 बोतल बरामद की। भवानीपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर धंधेबाज के घर छापेमारी की। जिसके बाद राजद के झंडा लगे लग्जरी कार समेत शराब की खेप को जब्त कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए भवानीपुर थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष संजीव रंजन ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि राजीव साह अवैध शराब की खेप लेकर अपने घर आया हुआ है। सूचना मिलने के साथ धंधेबाज के घर छापेमारी की गई। हालांकि, छापेमारी के दौरान घर से सभी लोग भाग निकले थे। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि छापेमारी के क्रम में राजीव साह के घर में राजद का झंडा लगे बीआर 11एआर3025 नम्बर प्लेट वाली टाटा हैरियर कार से अवैध शराब बरामद की गई। कार में 42 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब की बोतलें रखी थी। प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि कार समेत शराब की खेप को जब्त कर थाना लाया गया है। इसके साथ ही पुलिस शराब माफिया की गिरफ्तारी में जुट गई है। शराब माफिया राजीव साह इससे पहले भी कई बार शराब की खेप के साथ पकड़ा जा चुका है। इसके बावजूद राजीव साह अवैध रूप से शराब का धंधा चला रहा है। इसके इस धंधे में उसके परिवार के सभी सदस्य भी संलिप्त हैं। कुछ दिनों पहले ही राजीव साह के दोनों बेटे सुजीत कुमार और अजित कुमार के घर से भवानीपुर पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध शराब की खेप पकड़ी थी।

सीवान, सीतामढ़ी और जहानाबाद भी चाहिए, फिर से एक बार होगी भाजपा से बातचीत

पटना। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान तो हो गया है। मगर, बिहार में ठऊअ के अंदर सीटों के बंटवारे को लेकर पेंच फंसा हुआ है। अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा खुश नहीं है। बिहार में भाजपा की तरफ से गठबंधन में शामिल पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा को एक ही सीट दिए जाने की बात सामने आई है। पार्टी सूत्रों की माने तो इससे उपेंद्र कुशवाहा संतुष्ट नहीं हैं। उन्हें इसके साथ ही तीन और सीटें चाहिए। जिसमें सिवान, सीतामढ़ी और जहानाबाद शामिल है। वो बहुत पहले ही कह चुके थे कि 2014 में उनकी पार्टी फ्छरढ को तीन सीटें ठऊअ गठबंधन में होने के कारण मिली थी। अब नई पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा को उससे कम सीट में बनेगी भी नहीं है। यही कारण है कि उपेंद्र कुशवाहा लगातार दिल्ली में बने हुए हैं। शनिवार को अपने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव माधव आनंद के साथ वो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने भी गए थे। जेपी नड्डा से मिलकर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपनी बातों को रखा। उनसे सीट बढ़ाने की मांग की।

मुजफ्फरपुर में गार्ड ने इलाज के लिए जमीन गिरवी रखी; सोनपुर में ऑन ड्यूटी 2 की हत्या, टूटा परिवार

पटना। 23 फरवरी 2024 को मुजफ्फरपुर की बैंक से एक वीडियो सामने आया। इसमें होमगार्ड जवान भोला राय अपनी रायफल के सहारे हथियारों से लैस 4 बदमाशों से भिड़ता दिखा। किसी फिल्मी सीन की तरह उसके सिर पर अपराधियों ने पिस्टल रख दी, लेकिन वो अपने फर्ज से डिगा नहीं। बदमाशों ने उसे गोली मार दी, उसके बाद भी वो उनसे लड़ता रहा। अपने साहस से उस गार्ड ने बैंक में रखे करीब एक करोड़ से ज्यादा रुपए बचा लिए। इसके बाद पुलिस ने उसे सम्मानित करने की बात कही तो बैंक ने इनाम देने की, लेकिन घटना के 23 दिन बाद भी उसकी मदद के लिए कोई आगे नहीं आया। हालात ये हैं कि आज भोला राय को इलाज के लिए जमीन गिरवी रखनी पड़ रही है। विभाग ने अलग से मदद करना तो दूर, रोज की मिलने वाली सैलरी 774 रुपए भी रोक ली। 24 घंटे ड्यूटी करने वाला भोला टूट गया है। ड्यूटी बंद होते ही पैसे आने भी बंद हो गए हैं। अब वह पुरस्कार नहीं सरकार से इलाज की मांग कर रहा है। घटना में शामिल एक बदमाश को पकड़ने वाले थानेदार को एसएसपी ने 21 हजार का पुरस्कार दिया, लेकिन जान पर खेलने वाले गार्ड को पूछा तक नहीं। सारण में 13 अप्रैल 2023 को पंजाब नेशनल बैंक में लूट के दौरान बदमाशों की गोली से जान गंवाने वाले होमगार्ड जवान मुकेश और रमेश का परिवार भी टूट गया है। होमगार्ड जवान भोला राय का हाल जानने दैनिक भास्कर की टीम पटना से 100 किलो मीटर दूर मुजफ्फरपुर के जामिन मठिया पंचायत के डुमरिया गांव पहुंची। यहां हमारी मुलाकात होमगार्ड जवान भोला राय से हुई।

बिहार में 3 महीने में 4 शिक्षा मंत्री बदले

पटना। बिहार में पिछले कुछ महीनों से राजनीतिक उठा-पटक देखने को मिल रही है। महागठबंधन की सरकार गिरने और एनडीए की नई सरकार बनने के 46 दिन बाद शुक्रवार को मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। बिहार में मंत्रियों के शपथ ग्रहण के 24 घंटे के अंदर ही सरकार ने विभागों का बंटवारा कर दिया है। सभी मंत्रियों को अपने-अपने विभागों की जिम्मेदारी दे दी गई है। बिहार सरकार के सभी विभागों में जो सबसे ज्यादा चचाओं का केंद्र बना रहा है, वह शिक्षा विभाग है। बिहार में पिछले 3 महीने में 4 शिक्षा मंत्री बदले हैं। महागठबंधन की सरकार में दो बार शिक्षा मंत्री बदले गए। अब एनडीए की सरकार में विजय चौधरी की जगह पूर्व आईपीएस सुनील कुमार को शिक्षा विभाग का जिम्मा दिया गया है। पूर्व शिक्षा मंत्री का विवादों से रहा नाता 2024 के शुरूआती महीने जनवरी में प्रो. चंद्रशेखर बिहार के शिक्षा मंत्री थे, लेकिन शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक से विवाद और रामचरितमानस पर बयान देने वाले चंद्रशेखर से शिक्षा विभाग छीन लिया गया। फिर बिहार के नए शिक्षा मंत्री राजद कोटे से ही आने वाले आलोक मेहता को बनाया गया। आलोक मेहता को शिक्षा मंत्री बने करीब एक हफ्ता ही हुआ था कि नीतीश कुमार ने पाला बदल लिया और महागठबंधन की सरकार गिर गई। 28 जनवरी को बिहार में एनडीए की सरकार बनी। फिर 6 दिन बाद 3 फरवरी को मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया गया है, जिसमें विजय कुमार चौधरी को नया शिक्षा मंत्री बनाया गया। अब मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी पूर्व आईपीएस सुनील कुमार को दे दी गई है। वह इस साल में बिहार का शिक्षा विभाग संभालने वाले चौथे शिक्षा मंत्री बन गए हैं। प्रो.चंद्रशेखर लगातार तीन बार मधेपुरा से जीत दर्ज कर चुके हैं। वह 2010 में पहली बार विधायक बने थे।

10 सॉल्वर गैंग के सदस्य से पूछताछ; पहले पटना में ही आंसर रटवाने की थी प्लानिंग

पटना। बिहार में पेपर सॉल्वर गैंग के अब तक के सबसे बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। आर्थिक अपराध इकाईबिहार पुलिस और झारखंड पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में 24 घंटे के भीतर सॉल्वर गैंग नेटवर्क के लगभग 300 अभ्यर्थियों और संगठित गिरोह को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इनसे लगभग 18 घंटे की कड़ी पूछताछ की गई। इनको शनिवार को देर रात पटना के सिविल कोर्ट में पेश किया गया। यहां से सभी को जेल भेज दिया गया। ये सभी कैंडिडेट इस ऑपरेशन में लगभग 10 सॉल्वर गैंग के सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। जिनसे पुलिस सख्ती से पूछताछ कर रही है। इस सॉल्वर गैंग का बिहार में बहुत बड़ा नेटवर्क है। लगभग हर जिले में इसके एजेंट घूम रहें है। जहानाबाद से आए एक अभ्यर्थी के चाचा ने बताया कि मेरी बात मोतिहारी के ही एक शख्स से होती थी। उसी से सब पैसा और कागजात लेने की बात हुई थी। उसी ने पहले बताया था कि परीक्षा के दो दिन पहले पटना में बुला कर सारे सवाल के जवाब रटवा दिया जाएगा। जब हम लोग पटना पहुंचे तो पता चला कि हजारीबाग जाना है। जैसे तैसे लोग हजारीबाग पहुंचे। तेजस्वी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि 'हमारे 17 महीनों का सुनहरा कार्यकाल जिसमें पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से युवाओं को 4 लाख से अधिक नौकरियां दी गयी। वह बिहार में प्रतियोगी परीक्षाओं का स्वर्णिम काल था। उन्होंने आगे कहा कि अब नीतीश-भाजपा सरकार ने डेढ़ महीने में ही 17 साल के पुराने कारनामों को दोहराते हुए नकल माफिया को इतना प्रोत्साहन दे दिया कि इढरउ शिक्षक भर्ती के तीसरे चरण में प्रतियोगी परीक्षाओं के विश्व इतिहास में प्रथम बार एडमिट में ही आंसर बताया जा रहा है। और तो और पेपर लीक कराने वाले नकल माफिया को बचाने के लिए इनके वरिष्ठ मंत्री प्रशासन पर दबाव बना रहे हैं।उन्होंने बताया कि मेरी बेटी को उसकी एक दोस्त ने बताया था। दो लोगों का एक साथ कराने में थोड़ा छुट भी मिलता। इसलिए इन दोनों लड़कियों का काम 16 लाख में हो जाता।

सीट शेयरिंग पर सीएम आवास में पार्टी की बैठक; नए चेहरों को मिल सकता है मौका

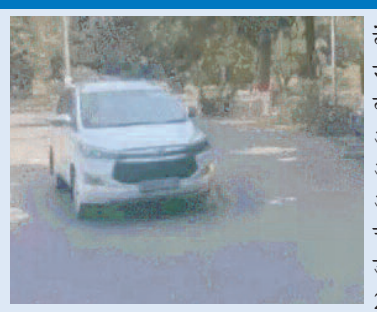

पटना। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है, लेकिन बिहार में न तो अब तक एनडीए में सीट बंटवारा हो पाया है और न ही महागठबंधन में। एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर अंतिम दौर की बातचीत चल रही है। जानकारी है कि बिहार में बीजेपी की लिस्ट फाइनल हो गई है। इस बीच जेडीयू ने भी अपने लोकसभा उम्मीदवारों को लेकर आज बैठक बुलाई है। यह बैठक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में एक अणे मार्ग में चल रही है। बैठक में राज्यसभा सांसद संजय झा और मुंगेर से सांसद ललन सिंह शामिल हैं। माना जा रहा है कि जेडीयू जल्द ही 16 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट आज तैयार कर बीजेपी को भेज देगी। नीतीश कुमार अपने आवास पर जदयू के उम्मीदवारों की सूची को फाइनल टच देने में लगे है। बदल सकते हैं जदयू के कई पुराने चेहरे बताया जा रहा है कि जदयू का फोकस एनडीए के साथ मिलकर बिहार की सभी 40 सीटों पर जीत दर्ज करने पर है। ऐसे में पार्टी अपने हर सीट पर मजबूत और कमजोर उम्मीदवार का आंकलन कर रही है। वैसे चेहरे जो जदयू के उम्मीदवार रहे हैं, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उनपर सवाल खड़े हो रहे, उन्हें बदले जाने की चर्चा है। माना जा रहा है कि जदयू वैसे छवि के लोगों को मैदान में उतारेगी, जो विवादों से दूर हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में कई लोगों ने जदयू के सिंबल पर चुनाव लड़ा था, लेकिन नीतीश कुमार के खिलाफ ही बोलना शुरू कर दिया था। ऐसे लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इनमें सीतामढ़ी सांसद सुनील कुमार पिंटू का नाम सबसे ऊपर है। सुनील कुमार पिंटू को जदयू ने रातों-रात टिकट दिया था। जिसके बाद जीत हुई थी, लेकिन जेडीयू के महागठबंधन के साथ जाने पर उनके बागी सुर उभर कर सामने आने लगे थे। कई मौकों पर वे बीजेपी का समर्थन करते हुए सीएम नीतीश कुमार पर भी निशाना साध चुके हैं। चर्चा है कि सुनील कुमार पिंटू की जगह पर सीतामढ़ी से विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर को टिकट दिया जा सकता है ।

मुजफ्फरपुर पहुंचे केदार गुप्ता, कहा- पार्टी ने बड़ी जिम्मेवारी दी है

मुजफ्फरपुर। बिहार मंत्रिमंडल में शामिल होने के बाद पहली बार शहर पहुंचे कुढ़नी के विधायक और नवनियुक्त पंचायती राज्य मंत्री केदार गुप्ता का बीजेपी कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर केदार गुप्ता ने कहा कि उन्हें पार्टी ने बड़ी जिम्मेवारी दी है। जिसके अपेक्षा और जनता की उम्मीदों पर वह खड़ा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। नीतीश सरकार के कैबिनेट विस्तार में मंत्री बनाए गए मुजफ्फरपुर के कुढ़नी से बीजेपी के विधायक केदार प्रसाद गुप्ता मंत्री बनने के बाद मुजफ्फरपुर पहुंचे। मुजफ्फरपुर पहुंचने के बाद केदार गुप्ता का उनके समर्थकों ने ढोल-नगाड़े बजाकर जोरदार स्वागत किया। शहर के कई मंदिरों में मत्था टेकने पहुंचे। इसके अलावे अपने घर के बगल में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर भी उन्होंने माल्यार्पण भी किया। केदार प्रसाद गुप्ता ने भाजपा आला कमान और नीतीश कुमार का आभार जताया है। सही मायने में यह सब का साथ सबका विकास है। अब वह जी जान से लोकसभा चुनाव में मुजफ्फरपुर संसदीय सीट पर एनडीए के प्रत्याशी को जिताने के लिए पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका पूरा समाज बीजेपी और एनडीए के साथ मजबूती के साथ खड़ा है।

एसकेएमसीएच में चल रहा इलाज, अब तक दो बच्चों में एईएस की हो चुकी पुष्टि

मुजफ्फरपुर। गर्मी तेज होने के साथ ही मुजफ्फरपुर और उसके आसपास जिलों में चमकी बुखार ने अपनी दस्तक दे दी है। अभी तक एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए लाए गए दो बच्चों में एईएस की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। मेडिकल कॉलेज में भर्ती सीतामढ़ी जिला के नानपुर से इलाज के लिए लाए गए तीन वर्षीय बच्चे में अएर की पुष्टि हो गई है। तेज फीवर और चमकी बुखार की शिकायत पर 14 मार्च को नानपुर के तीन वर्षीय बच्चे मो. वसैब को गंभीर हालत में एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस बच्चे में एईएस की पुष्टि नोडल अधिकारी डॉ. सतीश कुमार ने की है। मुजफ्फरपुर उससे सीमा से सटे कई जिलों में चमकी बुखार का कहर देखने को मिलता है। जिससे सबसे अधिक प्रभावित छोटे बच्चे होते हैं। पिछले एक दशक में इस बीमारी से हजारों बच्चों की मौत हो चुकी है। ऐसे में इस बीमारी पर नियंत्रण पाने और बच्चों को बचाने के लिए मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच मेडिकल कालेज में चमकी बुखार से पीड़ित बच्चों के इलाज के लिए 100 बेड वाले अत्याधुनिक पीकू वार्ड बनाया गया है। जिसके बाद चमकी बुखार से होने वाली मौत को काफी हद तक नियंत्रित करने में सफलता मिली है।

सीट शेयरिंग पर राहुल से हो सकती बात; कांग्रेस की 10-माले की 8 सीट की डिमांड

पटना। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज 63 दिन बाद महाराष्ट्र के मुंबई में समापन हो रहा है। न्याय यात्रा के समापन को लेकर शिवाजी पार्क में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया है। इस रैली में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी शामिल हो रहे हैं। साथ ही माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य शामिल हो रहे हैं। माना जा रहा है कि बिहार में सीट शेयरिंग को लेकर फंसा पेंच सुलझ सकता है। तेजस्वी और राहुल गांधी के बीच सीट शेयरिंग को लेकर बात हो सकती है। इंडी गठबंधन में शामिल माले ने जहां 8 सीटों की डिमांड की है। वहीं कांग्रेस 10 सीटों पर लड़ना चाहती है। बहुत संभव है महागठबंधन या गठबंधन इंडिया के शीर्ष नेता आपस में सीट शेयरिंग पर फंसे पेंच को भी खत्म करेंगे। समापन समारोह में तेजस्वी के अलावा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव शामिल होंगे। सहित ब्लॉक की अन्य पार्टियों के नेता भी पहुंचेंगे। इस रैली को विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है। कांग्रेस इलेक्शन कमेटी और स्क्रीनिंग कमेटी में यह बात उठी कि कांग्रेस के साथ सम्मानजनक समझौता हो। कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष शरबत जहां, मुन्ना तिवारी ने बैठक में यह सवाल उठाया। कांग्रेस 10 सीटों की मांग कर रही है। हालांकि, आरजेडी और लेफ्ट की मदद से फिर से राज्यसभा गए अखिलेश ने कहा कि इसमें कुछ आगे-पीछे हो सकता है। सीट शेयरिंग के लिए कांग्रेस की इलेक्शन कमेटी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे और सोनिया गांधी को अधिकृत कर दिया है। बिहार में खास तौर से माले ने अपनी मांग में पाटलिपुत्र सीट को सिर्फ शामिल ही नहीं किया है, बल्कि वहां से संदीप सौरभ के नाम का प्रस्ताव भी सामने कर दिया है। माले ने पांच सीट की बजाय आठ सीट मांग कर दी है। ये आठ सीटें हैं आरा, सीवान, काराकाट, कटिहार, पाटलिपुत्रा, जहानाबाद, नालंदा और वाल्मीकि नगर। माले ने रविवार को प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि सीट बंटवारे में देर ठीक नहीं। तेजस्वी यादव लगातार बिहार में जाति गणना कराने में का दावा कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में आरक्षण का दायरा 75 फीसदी तक नीतीश-तेजस्वी सरकार ने किया। वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी देश में जाति गणना की मांग कर रहे हैं। वे लगातार यह भी कह रहे हैं कि देश की 88 प्रतिशत आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग दलित, आदिवासी और पिछड़े समुदायों से है। इसके बावजूद प्रशासन, न्यायपालिका, पत्रकारिता सहित तमाम क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बहुत कम है। गांधी मैदान में हुई जन विश्वास रैली में शामिल होने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सपा नेता अखिलेश प्रसाद सिंह आदि आए थे। उसमें खासी भीड़ जुटी थी। उस बड़े आयोजन के बाद राहुल बड़ा आयोजन मुंबई में कर रहे हैं। चुनाव की घोषणा भी हो चुकी है। इसलिए इसकी उम्मीद है कि लोकसभा की सीटों का बंटवारा आपस में जल्द कर लिया जाएगा।

कश्मीर में अमन से गुलजार होता गोवा

अब गोवा के करीब आता जा रहा है कश्मीर। हो सकता है कि यह बात अविश्सनीय लगे, पर सच तो यही है। कश्मीर घाटी से हजारों लोगों का गोवा घूमने के लिए जाना बताता है कि दोनों राज्य करीब आ रहे हैं। ये दोनों राज्य न केवल भारत बल्कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों में शामिल हैं। गोवावासी तो लंबे समय से छुट्टियां बिताने कश्मीर जाते ही रहे हैं, लेकिन कुछ साल पहले तक कश्मीरियों के लिए ऐसा सपने में भी नहीं सोचा जा सकता था। हालात अब तेजी से बदल रहे हैं और घाटी के लोग बड़ी तादाद में छुट्टियां बिताने गोवा जा रहे हैं। दिल्ली-गोवा फ्लाइट में सफर करने वाले इसे आसानी से समझ सकते हैं। अगर आपने हाल के दौर में कभी राजधानी के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से गोवा का सफर किया है तो आपने कश्मीरियों को सपरिवार गोवा जाते देखा ही होगा। इससे इस बात की पुष्टि भी होती है कि कभी अशांत रहे कश्मीर की फिजा अब तेजी से बदल रही है। श्रीनगर की अपनी हालिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा भी था कि अब कश्मीर आर्थिक रूप से बदल रहा है। कश्मीर के लोगों ने जिस गर्मजोशी से उनका स्वागत किया, कुछ साल पहले तक यह अकल्पनीय था। प्रधानमंत्री ने श्रीनगर के बख्शी मैदान में आयोजित रैली में कहा, "मैं आपका दिल जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं।" कश्मीरियों के छुट्टियां मनाने गोवा जाने के पीछे बड़ी वजह कश्मीर घाटी में शांति और स्थिरता भी है। चूंकि श्रीनगर से गोवा के लिए सीधी उड़ान नहीं है, इसलिए कश्मीरियों को पहले दिल्ली जाना पड़ता है। दिल्ली से वह गोवा के लिए फ्लाइट पकड़ते हैं। जब कश्मीर में हाड़ कंपाने वाली ठंडी पड़ती है, तो वह गोवा का रुख करने लगे हैं। आप कह सकते हैं कि कश्मीरियों को गोवा घूमने और रहने के हिसाब से नवंबर से जनवरी तक का महीना मुफीद लगता है। अन्य पर्यटकों की तरह ही कश्मीरियों को भी गोवा का खुशनुमा और समावेशी समाज आकर्षित करता है। गोवा के कलंगुट, बागा, अंजुना और कैडोलिम सरीखे प्रसिद्ध समुद्र तटों पर कश्मीरियों की भीड़ को आसानी से देखा जा सकता है। यदि आप गोवा में कश्मीरी पर्यटकों से बात करेंगे तो वे निश्चित रूप से आपको दो बातें बताएंगे। पहला,वे घाटी की लंबे समय की अशांति से थके हुए थे। अब जैसे-जैसे उनके राज्य में चीजें बेहतर होती जा रही हैं, वे विकास के साथ-साथ शांति का भी अनुभव कर रहे हैं। वे गोवा को आराम करने के लिहाज से एक बेहतर जगह मानते हैं। दूसरा, कश्मीरी पर्यटक गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की जमकर तारीफ करते मिलेंगे। कश्मीरियों का कहना है कि गोवा सरकार के गंभीर प्रयासों से पर्यटकों के हितों का ख्याल रखा जा रहा है। सरकार की कार्यनीति के कारण गोवा आने वाले पर्यटक अपने को सुरक्षित महसूस करते हैं। यह गोवा सरकार की बहुत बड़ी प्रशंसा है। गोवा सरकार अब 'क्वालिटी टूरिस्ट्स' यानी ज्यादा से ज्यादा खर्च करने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। गोवा के ऊजार्वान मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने हाल ही में कहा भी था कि उनकी सरकार गोवा में क्वॉलिटी टूरिस्ट को आकर्षित करने के लिए कई कदम उठा रही है। ऐसे पर्यटकों से होटल मालिकों से लेकर टैक्सी आपरेटरों तक सबका लाभ होगा। उन्होंने कहा, ₹अगर हम क्वॉलिटी टूरिस्ट चाहते हैं तो हमें सुविधाएं भी वैसी ही प्रदान करनी होंगी। गोवा में वैसे तो पूरे साल भर पर्यटक आते ही रहते हैं, लेकिन,अक्टूबर के पहले सप्ताह से पर्यटकों की जो संख्या बढ़ती है वो क्रिसमस, नववर्ष तक पीक पर पहुंच जाती है। पर्यटकों का आना मई महीने तक लगातार जारी रहता है। गोवा में हर साल लगभग 80 लाख पर्यटक आते हैं, जिनमें बड़ी संख्या विदेशी सैलानियों की भी होती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि गोवा की विकास यात्रा में बीता साल यानी 2023 बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि तब जी-20 शिखर सम्मेलन के तहत गोवा में कई अहम बैठकें हुईं। यही नहीं गोवा ने पर्यटन पर केंद्रित जी-20 के मंत्रियों के एक अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम की भी मेजबानी की थी, जिसने पर्यटन सेक्टर के एक मंजे हुए खिलाड़ी के रूप में गोवा को ख्याति दिलाई। यह आयोजन वैश्विक आर्थिक मामलों के बारे में चर्चा में शामिल होने वाले अंतरराष्ट्रीय नेताओं और नीति निमार्ताओं के एकीकरण का प्रतीक बना। इस आयोजन ने न केवल क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता बल्कि वैश्विक पर्यटन को आकार देने में इसकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला। यह खरी बात है कि भारत की अध्यक्षता में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन का गोवा के पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव तो पड़ा ही। यह पिछले दो वर्षों में गोवा में विदेशी पर्यटकों की बढ़ोतरी के रूप में देखा जा सकता है। असल में जी20 शिखर सम्मेलन के बाद कई एयरलाइंस अब गोवा के लिए सीधी उड़ानों को शुरू करने पर विचार कर रही हैं। एक बार प्रसिद्ध क्रिकेट लेखक और कमेंटेटर स्वर्गीय टोनी कोजियर ने सही ही कहा था कि गोवा के लुभावने समुद्र तट और यहां का जीवन किसी को भी आकर्षित कर सकता है। अपने देश में पड़ने वाली कड़ाके की ठंड और बर्फीले वातावरण से इतर गोवा का खुला आसमान और तेज धूप की वजह से ही यहां बड़ी संख्या में विदेशी सैलानी आते हैं। गोवा आकर समुद्र तट के किनारे धूप सेंकना विदेशी सैलानियों को पसंद है। यह उनकी अत्यधिक दूधिया त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

नागरिकता संशोधन कानून पर चुप रहो यूएन-अमेरिका!

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लागू किया जाना जैसे उनकी वर्षों की तपस्या का परिणाम है। हालांकि इस कानून के लागू होने से यह तो पहले से तय था कि देश में कुछ विरोध के स्वर जरूर उठेंगे, किंतु विदेशों में भी इसके विरोध की होड़ लगेगी, इसका इतना अंदाजा किसी को नहीं था। कम से कम यूएन और अमेरिका से तो यह उम्मीद नहीं की जा सकती थी। आश्चर्य है, यह जानकर कि जिसे भारत और भारत में लागू इस कानून से दूर-दूर तक कोई मतलब नहीं, वह भी भारत की मोदी सरकार और उसके इस निर्णय की बिना गहराई में जाए आलोचना कर रहे हैं । सबसे ज्यादा संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अमेरिका से शासन स्तर पर आई प्रतिक्रिया परेशान करती हैं । क्यों कि अभी कुछ दिन पहले ही भारत और अमेरिका के बीच होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग (एचएसडी) को पूरा किया गया । इसमें अमेरिका ने भारत की भरपूर प्रशंसा की । यही स्थिति यूएन की है, जहां वह इस बात को कई अवसरों पर स्वीकार्य कर चुका है।

हजारों-लाखों लोगों का वह अह्लादित कर देनेवाला रुदन, जो वर्षों से अनवरत न्याय के लिए चीत्कार रहा था। पूछ रहा था कि हमें किस लिए सजा दी गई है? देश का विभाजन तुमने किया, इसमें हमारा क्या दोष था? कहना होगा कि उन सभी की हृदय वेदना को कई दशक बीत जाने के बाद अब जाकर न्याय मिला है। भारत में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लागू किया जाना जैसे उनकी वर्षों की तपस्या का परिणाम है। हालांकि इस कानून के लागू होने से यह तो पहले से तय था कि देश में कुछ विरोध के स्वर जरूर उठेंगे, किंतु विदेशों में भी इसके विरोध की होड़ लगेगी, इसका इतना अंदाजा किसी को नहीं था। कम से कम यूएन और अमेरिका से तो यह उम्मीद नहीं की जा सकती थी। आश्चर्य है, यह जानकर कि जिसे भारत और भारत में लागू इस कानून से दूर-दूर तक कोई मतलब नहीं, वह भी भारत की मोदी सरकार और उसके इस निर्णय की बिना गहराई में जाए आलोचना कर रहे हैं । सबसे ज्यादा संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अमेरिका से शासन स्तर पर आई प्रतिक्रिया परेशान करती हैं । क्यों कि अभी कुछ दिन पहले ही भारत और अमेरिका के बीच होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग (एचएसडी) को पूरा किया गया । इसमें अमेरिका ने भारत की भरपूर प्रशंसा की । यही स्थिति यूएन की है, जहां वह इस बात को कई अवसरों पर स्वीकार्य कर चुका है । भारत की आलोचना तो कर रहा, लेकिन नहीं बता रहा है, कैसे सीएए गलत है। वस्तुतः अब अचानक ऐसा क्या हो गया जो संयुक्त राष्ट्र को लगने लगा है कि भारत का सीएए कानून मौलिक रूप से भेदभावपूर्ण प्रकृति वाला है! आज संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की ओर से बोला गया है, हम भारत के नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 (सीएए) को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि यह मूल रूप से भेदभावपूर्ण प्रकृति का है। साथ ही यह भारत के अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का उल्लंघन करता है। अब देखिए , यूएन यहां भारत को इस कानून को लागू करने के लिए कठघरे में तो खड़ा कर रहा है, किंतु यह नहीं बता रहा है कि कैसे भारत का यह नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) किसी के मानवाधिकारों का उल्लंघन करता है? क्या संयुक्त राष्ट्र (यूएन) अन्तरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना 78 साल पहले 1945 में इसलिए ही की गई थी कि जो राष्ट्र नियमों का पालन करें, विश्वकल्याण में विश्वास करें, उन्हें दबाते रहना है। फिर वह वैचारिक रूप से हो या किसी अन्य प्रकार से । आज यूएन के कल्याणकारी उद्देश्यों को पढ़कर नहीं लगता है कि वह भारत के संदर्भ में इस तरह का वक्तव्य देगा। देखा जाए तो यूएन आज "सीएए" पर भारत को घेरने का जो आधार ले रहा है, वह पूरी तरह से अनुचित है। क्योंकि इस कानून को लाने के पीछे जो पृष्ठभूमि रही है, उस पर यूएन को पहले गहन चिंतन एवं शोध करना चाहिए था, फिर जाकर अपनी प्रतिक्रिया देता तो अच्छा रहता । यूएन भूल गया, भारत ने स्वैच्छा से चुनी है पंथ निरपेक्षता। यूएन को भारत के संदर्भ में यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि स्वाधीन भारत ने अपने लिए लोकतंत्र का रास्ता चुना, जिसमें सभी के लिए स्थान समान रूप से रहा। पंथ निरपेक्षता भारत की विशेषता बनी, लेकिन दूसरी ओर भारत से ही अलग हुए पाकिस्तान ने अपने लिए इस्लामिक गणराज्य बनने का रास्ता चुना, जिसमें जो अल्पसंख्यक रहे, वे आज भी रो रहे हैं । जो शरणार्थी भारत आए, वे क्या अभी अचानक से यहां आ गए हैं ? माना कि भारत सरकार यह "सीएए" उनके लिए लेकर आ गई? लेकिन क्या इससे पहले नियमानुसार अनुमति लेकर समय-समय पर मुसलमान एवं अन्य जो भी लोग एक बड़ी संख्या में दूसरे देशों से भारत आए और उन्होंने नागरिकता लेनी चाही तो क्या भारत सरकार ने उन्हें वह नागरिकता अभी तक प्रदान नहीं की है ? जो नियमों में चलता है, उसके लिए भारत में हमेशा खुले रहते हैं नागरिकता के द्वार। सोचिए, क्या इस इतिहास को यूएन नहीं जानता है। समझने के लिए यहां दो विषय हैं, एक-भारत विभाजन के समय से लगातार चलनेवाली पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति, उनके बीच व्याप्त भय, कन्वर्जन और मौतें । दूसरा - पिछले 78 साल में भारत में आए मुसलमान और उनको दी गई भारतीय नागरिकता। आप देखेंगे कि जिन्होंने भी भारत की नागरिकता के लिए नियमों का पालन किया, उन्हें सदैव भारत सरकार नागरिकता देती आई है। जिसमें कि पाकिस्तान समेत बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भी कई मुसलमान भारत आए हैं । ऐसे में यूएन को यह समझना चाहिए कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) किसी भी देश के द्वारा दी जानेवाली नियमित नागरिकता से पूरी तरह भिन्न है! यूएन देखे; पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में कौन अल्पसंख्यक सुखीः सांस्कृतिक, राजनीतिक और भौगोलिक रूप से भी कभी जो भारत (पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश) एक रहा। उस भारत के विभाजन के परिणाम स्वरूप अन्य इस्लामिक गणराज्यों में पिछले सात दशकों में उनके साथ जो अमानवीय व्यवहार किया गया और अब भी किया जा रहा है, यह उनमें से भारत में शरण लेने आए, पूर्व से रह रहे उन लाखों शरणार्थियों के लिए है, जिनके साथ उनके हिन्दू, बौद्ध, जैन, ईसाई, पारसी, सिख होने के कारण से अत्याचार किए जा रहे थे। वस्तुतः इस मुद्दे पर यूएन को भारत का विरोध करने के पूर्व यह जरूर बताना चाहिए था कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बाद में बने बांग्लादेश में इस्लामिक सत्ता में कौन अल्पसंख्यक सुखी हैं ? क्या आज यूएन को इन तीनों देशों में हो रहे अत्याचार दिखाई नहीं देते ? कश्मीर मुद्दे पर चुप रहता है यूएन, भारत को बदनाम करनेवाली झूठी रिपोर्ट्स पर भी चुप्पी ! वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र में 193 राष्ट्र सम्मिलित हैं। इसकी संरचना में महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक और सामाजिक परिषद, सचिवालय, अन्तरराष्ट्रीय न्यायालय और संयुक्त राष्ट्र न्यास परिषद सम्मिलित है। एक तरह से आप इसे वैश्विक न्याय संस्था भी कह सकते हैं। किंतु आप देखिए, यह दुनिया की न्याय बॉडी कैसे भारत को टॉर्गेट कर रही है? भारत में घटी छोटी-छोटी घटनाओं को यहां अनेकों बार बहुत बड़ा करके प्रस्तुत किया जाता रहा है। कश्मीर मुद्दे पर यह पाकिस्तान के सामने चुप नजर आती है। जबकि विश्व जानता है कि उसने भारत की 78 हजार वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा जमा रखा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स जैसी तमाम रिपोर्ट्स में जानबूझकर भारत को कमजोर, गलत और अत्याचार करनेवाला बताया जाता है, जबकि यह भारत की सच्चाई नहीं है, इस पर यूएन कभी इस प्रकार की झूठी रिपोर्ट तैयार करनेवाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और उन देशों को लताड़ नहीं लगाता, जहां भारत को कमजोर तरीके से प्रस्तुत करने का षड्यंत्र होता है। भारत को विश्व भर में बदनाम करने के प्रयास होते हैं। दुनिया के कई ईसाई और इस्लामिक देश खुल कर मानवाधिकारों का हनन कर रहे हैं, वह भी यूएन को आज दिखाई नहीं देता, उन पर यूएन की कोई एक टिप्पणी नहीं आती है । चीन की वुहान लैब में क्या हुआ, यह आज पूरा विश्व जानता है। पूरे विश्व ने एक भयंकर त्रासदी (कोविड-19) वायरस संक्रमण की कम से कम पांच वर्ष लगातार झेली। अनेकों ने अपने परिवार जनों को बिना किसी कारण के गंवाया है और आज भी दुनिया के तमाम देशों में कोरोना का प्रभाव बना हुआ है और मौतें अब भी हो रही हैं । किंतु यह जानते हुए भी यूएन आज तक यह हिम्मत नहीं दिखा पाया कि खुलकर एक बार कह दे कि इस सब के लिए चीन पूरी तरह से दोषी है। दुनिया के कई देशों में जो अब तक लाखों जानें गईं वह चीन के कारण से गई हैं! यह भी देखिए कि कैसे चीन में "उइगर मुसलमानों" की धीरे-धीरे पहचान तक समाप्त की जा रही है। चीन खुलकर दुनिया के सामने मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

बूढ़े बांध, बड़ी चिंता

एक साथ चुनाव पर विचार करने वाली समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक हो गई है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में इस मुद्दे पर अध्ययन करने के लिए एक समिति बनाई गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है। इस रिपोर्ट का विरोध भी प्रारम्भ भी हो गया है। एक साथ चुनाव का विषय देश के हित में है। लेकिन इस रिपोर्ट की सिफारिशों का विरोध भी हो रहा है। बताया जाता है कि यह रिपोर्ट 18000 पृष्ठ की है। इसे ठीक से पढ़े जाने और तथ्यों के विवेचन का काम बड़ा है। विरोध करने वाले भी संभवतः इस रिपोर्ट को पूरी तौर पर पढ़े बिना ही अपने निष्कर्ष निकाल रहे हैं। भारतीय जनतंत्र पूर्वजों के सचेत कर्मों का प्रसाद है। सभा समितियां ऋग्वैदिक काल में ही थीं। संविधान निमार्ताओं ने ब्रिटिश तर्ज का संसदीय जनतंत्र अपनाया। अनेक संवैधानिक संस्थाएं गढ़ी। केन्द्रीय स्तर पर संसद बनी। केन्द्र को संसद के प्रति जवाबदेह बनाया। राज्य सरकारें विधान मण्डलों के समक्ष जवाबदेह बनी। संसद व विधान मण्डल के चुनाव के लिए निष्पक्ष निर्वाचन आयोग (अनुच्छेद 324) बना। संविधान सभा में निर्वाचन आयोग के कृत्यों पर बहस हुई। आयोग को कर्मचारी अधिकारी देने का प्रश्न उठा। डॉ. आम्बेडकर ने कहा, "आयोग के पास कम काम होगा।" शिब्बन लाल सक्सेना ने कहा कि, "संविधान में निर्धारित नहीं है कि अमेरिकी तर्ज पर यहां 4 वर्ष में निर्वाचन अवश्य होगा। संभव है कि केन्द्र व राज्यों के निर्वाचन एक साथ न हों। तब हर समय कहीं न कहीं निर्वाचन होता रहेगा।" उनकी आशंका सच निकली। सम्प्रति भारत चुनाव व्यस्त देश है। कभी लोकसभा चुनाव तो बहुधा राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन। त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव व नगर निकाय निर्वाचन भी अकसर होते रहते हैं। नीति आयोग ने लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इसी विचार के हैं। 2014 के चुनाव में भाजपा ने भी घोषणा पत्र में यही विचार व्यक्त किया था। लगातार चुनाव व्यस्तता राष्ट्रीय विकास में बाधा है। अलग-अलग चुनाव से प्रशासनिक तंत्र की व्यस्तता बनी रहती है। चुनावी अचार संहिता के कारण विकास कार्य रुकते हैं। अरबों का खर्च भी होता है। साथ साथ चुनाव का विचार स्वागत योग्य है। प्रधानमंत्री ने सभी दलों से अपील की थी। कहा था, "एक साथ चुनाव से दलों का नुकसान होगा। हमें भी नुकसान होगा लेकिन इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए।" 1951-52 में पहली लोकसभा व राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। 1967 तक दोनों के चुनाव साथ-साथ हुए थे। 1968 से यह क्रम टूट गया। दरअसल संविधान निमार्ताओं ने सरकारों का कार्यकाल नहीं सुनिश्चित किया। यहां सरकारों का जीवन संसदीय बहुमत की डोर से बंधा हुआ है। डॉ. आम्बेडकर ने संविधान सभा में स्पष्ट किया था कि सरकारी जवाबदेही को स्थिरता (कार्यकाल) की तुलना में ऊपर रखा गया है। सदन में सरकारों की संवैधानिक जवाबदेही है। इस आधारभूत सिद्धांत में सरकारों का कार्यकाल अनिश्चित है। यहां बहुमत स्थाई नहीं होता। दल-बदल प्राविधान में भी छेद किए गए। थोक दल बदल को दल टूट कहा गया। तमाम सरकारें अल्प मृत्यु की शिकार हुईं। साथ-साथ चुनाव का क्रम भंग हो गया। साथ-साथ चुनाव से राष्ट्रीय दल क्षेत्रीय संदर्भों से जुड़ने की ओर बढ़ेंगे और क्षेत्रीय दलों की दृष्टि राष्ट्रीय होगी। लेकिन कुछ दलों की चिन्ता बड़ी है। बीते कुछेक वर्षों में राष्ट्रीयता का भाव देशव्यापी हुआ है। माकपा, भाकपा जैसे वामपंथी दल स्वयं को अंतरराष्ट्रीय विचारधारा का दल बताते हैं लेकिन उनका प्रभाव क्षेत्र राज्यस्तरीय भी नहीं बचा। चुनाव आयोग ने बेशक केन्द्रीय विधि मंत्रालय के एक संदर्भ के जवाब में दोनों चुनाव एक साथ कराने पर बहुत पहले ही सहमति व्यक्त की थी लेकिन सभी दलों की सहमति प्राप्त करना आसान नहीं। कुछेक दल वर्तमान स्थिति को ठीक मानते हैं और चुनाव अलग-अलग ही चाहते हैं। लोकसभा व विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का विचार आदर्श है। लोकसभा का चुनाव अलग व देश की सभी विधानसभाओं के चुनाव अलग से कराने का विचार भी आया था। कुछ दल इस विचार को उचित मान सकते हैं। लेकिन दोनों ही स्थितियों में संविधान संशोधन की आवश्यकता होगी। संशोधन में केन्द्र व राज्य सरकारों को सुनिश्चित कार्यकाल देना होगा। सदन में बहुमत खो जाने की स्थिति में सरकारी कार्यकाल की समस्या का निराकरण जरूरी होगा। दसवीं अनुसूची के अनुसार दल से भिन्न मतदान के कारण सदन की सदस्यता खो जाने की विधि प्रवर्तन में है। मूलभूत प्रश्न किसी भी कारण से सदन में बहुमत खो चुकी सरकार को पूरा कार्यकाल देने की नई व्यवस्था का है। क्या वैकल्पिक सरकार बनाने का अधिकार संसद या विधानसभा को दिया जा सकता है? क्या हमारा दलतंत्र स्थिर कार्यकाल और संवैधानिक जवाबदेही को एक साथ चला सकता है? क्या संवैधानिक जवाबदेही को छोड़कर स्थिरता को ही अपनाया जा सकता है? अमेरिका में ऐसा ही है। प्रश्न ढेर सारे हैं। ऐसे प्रश्नों का उत्तर संविधान संशोधन और वैधानिक नैतिकता से ही जुड़ा हुआ है। डॉ. आम्बेडकर ने संविधान सभा में इतिहासकार ग्रोट को उद्धृत किया था। "वैधानिक नैतिकता" का अर्थ संविधान और उसकी संस्थाओं के प्रति निष्ठाभाव है। ग्रोट ने लिखा है कि समाज की वैधानिक नैतिकता ही विधान की शक्ति है। भारत का जनसामान्य विधान का आदर करता है लेकिन दलतंत्र में वैधानिक नैतिकता का अभाव है। इसलिए सरकारें बहुधा अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पातीं। तब लोकसभा और विधानसभा के मध्यावधि चुनाव का कोई विकल्प नहीं होता।

Social Media Corner

सच के हक में...

आम नागरिकों के लिए 'जीवन की सुगमता' को बढ़ावा देना... हमने यह कैसे किया है। हमारे शासन का एक मजबूत स्तंभ भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस है। अग्रणी सुधार हमारे तीसरे कार्यकाल में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के भारत के संकल्प को मजबूत करेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पिछले दिनों जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा आयोजित की गई थी, उस समय पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द किया गया। जेपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा के दौरान जिस प्रकार से पेपर लीक हुआ उससे स्पष्ट है कि झारखंड सरकार ने जेएसएससी की तरह जेपीएससी को भी पैसा कमाने का जरिया बना दिया है। इसलिए झारखंड के नौजवानों से मेरी अपील है, अब इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने में आप सबका साथ चाहिए। मैं विश्वास दिलाता हूं, भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही ऐसे भ्रष्ट लोगों को चुन-चुनकर जेल भेजेंगे और झारखंड के नौजवानों का हक, झारखंड के नौजवानों को दिलाकर रहेंगे तथा कदाचार मुक्त परीक्षा सुनिश्चित करेंगे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

बैडमिंटन में सात्विक-चिराग की जोड़ी से बड़ी उम्मीदें

भारतीय शटलर्स ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को ढेरों सफलताएं दिलायी हैं, पर ओलिंपिक में पदक के नाम पर हमारे पास सिर्फ एक रजत और दो कांस्य पदक हैं। ये पदक पीवी सिंधु और सायना नेहवाल ने दिलाये हैं। पिछले कुछ समय में भारतीय डबल्स जोड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने जिस तरह का धमाल मचाया हुआ है, उससे लगता है कि इस बार सोने का तमगा भी आ जायेगा। यह जोड़ी आजकल विश्व की नंबर एक जोड़ी है और इसने पिछले दिनों फ्रेंच ओपन के रूप में सुपर 750 खिताब जीतकर यह उम्मीद बनायी है। सात्विक-चिराग के साथ-साथ दो ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन के रंगत में लौटने से भारतीय बैडमिंटन फिर से ट्रैक पर नजर आने लगा है। सात्विक और चिराग के लिए यह खिताब मनोबल बढ़ाने वाला है, क्योंकि इससे पहले वे लगातार तीन फाइनलों में हार गये थे। उन्हें पिछले साल नवंबर में चाइना मास्टर्स, इस साल मलेशिया ओपन और इंडियन ओपन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। अब ऑल इंग्लैंड सुपर 1000 टूर्नामेंट शुरू हो चुका है और ओलिंपिक में पदक की दावेदारी की सही तस्वीर इसमें प्रदर्शन से काफी हद तक पता चल जायेगी। इस टूर्नामेंट में आखिरी बार 2001 में पुलेला गोपीचंद ने सिंगल्स खिताब जीता था और इससे पहले 1980 में प्रकाश पादुकोण चैंपियन बने थे। भारतीय जोड़ी के लिए फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट पसंदीदा है क्योंकि इससे पहले भी वे इसे 2021 में जीत चुके हैं और 2019 में फाइनल तक चुनौती पेश कर चुके हैं। इस जोड़ी ने पिछले साल जुलाई में कोरियन ओपन में खिताब जीता था। पर दोनों खिताबों को जीतने के दौरान चिराग और सात्विक ने बिलकुल भिन्न खेल का प्रदर्शन किया। कोरिया में कोर्ट तेज था, तो उन्होंने आक्रामक खेल खेला था, पर फ्रेंच ओपन में भारतीय जोड़ी ने जरूरी होने पर ही स्मैश लगाये और शानदार डिफेंस का प्रदर्शन किया। इससे इनके खेल की गहराई का पता चलता है। सात्विक और चिराग दोनों करीब दर्जनभर तरीके से सर्विस करते हैं। पीवी सिंधु ओलिंपिक की सबसे सफल भारतीय शटलर हैं। वे रजत और कांस्य पदक जीत चुकी हैं और पेरिस में पदक का रंग बदलकर पीला करने की चाहत रखती हैं। सिंधु करीब तीन माह बाद इस साल फरवरी में एशियाई टीम चैंपियनशिप से लौटी थीं। इससे पहले भी काफी समय तक वे शुरूआती दौर में हारती रही थीं। इस कारण उन्होंने अपने खेल को पटरी पर लाने के लिए अपने कोच, फिजियो और मेंटर सभी को बदल दिया है। वे आजकल बेंगलुरु में प्रकाश पादुकोण अकादमी में इंडोनेशियाई कोच अगुस सांतोसो की देखरेख में तैयारी कर रही हैं। फ्रेंच ओपन में क्वार्टर फाइनल तक चुनौती पेश करने से वे काफी संतुष्ट नजर आयीं। अब ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन में प्रदर्शन से उनकी तैयारियों का सही जायजा मिलेगा। फिलहाल सिंधु के लिए अप्रैल आखिरी तक टॉप 16 रैंकिंग में बने रहना प्रमुख चुनौती होगी, पर वे जैसा खेल रहीं हैं, उससे उन्हें जल्द ही टॉप दस में देखा जा सकता है। सिंधु को हम हमेशा शानदार प्रदर्शन करते देखना चाहते हैं और उन्होंने कम ही निराश भी किया है। पर पिछले साल की शुरूआत में एक के बाद एक टूर्नामेंटों में पहले राउंड में हारने से उन्होंने कोरियाई कोच पार्क तेई सुंग से नाता तोड़ लिया था। शुरूआत में वे हाफिज हाशिम से ट्रेनिंग लेने लगीं, पर बाद में प्रकाश पादुकोण अकादमी में आने के बाद वह इंडोनेशियाई कोच अगुस सांतोसो से बारीकियां सीख रहीं हैं। अब फिर से उनके खेल में पुरानी रंगत दिखने लगी है। वैसे भी वे बड़े टूर्नामेंटों वाली खिलाड़ी हैं, इसलिए पेरिस में कुछ ना कुछ खास करेंगी जरूर।

पारदर्शिता जरूरी

इलेक्टोरल बॉन्ड की पूरे देश में चर्चा स्वाभाविक है और इसी कड़ी में देश के सर्वोच्च न्यायालय के प्रयासों और सबसे बड़े सरकारी बैंक-स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को फिर मिली फटकार कोदेखा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को एसबीआई को नोटिस जारी करके जवाब भी मांगा है। वास्तव में, चुनाव आयोग की वेबसाइट पर इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वालों की जो सूची पोस्ट हुई है, उसे अधूरा माना जा रहा है। इलेक्टोरल बॉन्ड किसने खरीदा, यह तो पता चल रहा है, लेकिन इससे किसे लाभ हुआ या उसका किस पार्टी ने लाभ लिया, इसकी जानकारी नहीं मिल रही है। कोई अल्फान्यूमेरिक नंबर है, जो सूची के साथ शामिल नहीं है। अब सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद एसबीआई को अपनी सूची को और स्पष्ट करना होगा। उसे सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुरूप पहले ही कार्रवाई करनी ही चाहिए थी, ताकि उस पर उंगली न उठती। इसमें कोई दोराय नहीं कि इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरूआत राजनीतिक चंदे के लेन-देन को पारदर्शी बनाने के लिए की गई थी। यहां पारदर्शिता का सीधा अर्थ है कि लोगों को चंदे के बारे में पूरी सूचना होनी चाहिए। किस व्यक्ति ने किस पार्टी को कितने पैसे दिए हैं? जब एक बार पैसे के लेन-देन के बारे में साफ तौर पर पता चल जाता है, तब लोग यह आकलन करने की स्थिति में होते हैं कि पैसा क्यों लिया गया होगा या चंदा क्यों दिया गया होगा? दरअसल, चंदे की पूरी व्यवस्था ही विवेक पर निर्भर करती है। देने वाला अपने विवेक से देता है और जाहिर है, जो करोड़ों रुपये देगा, वह कुछ फायदे लेने के बारे में भी जरूर सोचेगा। आज के महंगे और पूंजीवादी दौर में यह सोचना बहुत भोलापन होगा, अगर हम यह सोचें कि अब तक करोड़ों रुपये का चंदा स्वेच्छा से लिया और दिया जाता रहा है। बहरहाल, जहां तक एसबीआई या किसी अन्य संस्था का सवाल है, तो हर हाल में पारदर्शिता के पक्ष को ही मजबूत किया जाना चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप 2.23 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,23,660 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को उठाना पड़ा। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और आईटीसी की बाजार हैसियत बढ़ गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 81,763.35 करोड़ रुपये घटकर 19,19,595.15 करोड़ रुपये पर आ गया। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 63,629.48 करोड़ रुपये घटकर 5,84,967.41 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 50,111.7 करोड़ रुपये घटकर 6,53,281.59 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 21,792.46 करोड़ रुपये घटकर 5,46,961.35 करोड़ रुपये पर आ गई। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 6,363.11 करोड़ रुपये घटकर 7,57,218.19 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के` विपरीत टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 38,858.26 करोड़ रुपये बढ़कर 15,25,928.41 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,976.74 करोड़ रुपये बढ़कर 6,89,425.18 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 7,738.51 करोड़ रुपये बढ़कर 5,23,660.08 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस की 7,450.22 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,78,571.56 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 4,443.9 करोड़ रुपये बढ़कर 11,03,151.78 करोड़ रुपये हो गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एसबीआई, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

जोमेटो को मिला 8.57 करोड़ का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली ।

खाना डिलिवरी करने वाली ऐप जोमैटो को 8 करोड़ रुपये से ज्यादा का जीएसटी ऑर्डर मिला है। ये नोटिस डेप्युटी कमिश्नर ऑफ स्टेट टैक्स, गुजरात ने वित्त वर्ष 2018-19 से जुड़े टैक्स के बारे में जारी किया है। इस बारे में कंपनी मे शेयर बाजारों जानकारी देते हुए कहा कि इस जीएसटी ऑर्डर में कंपनी से 4 करोड़ से ज्यादा (4,11,68,604) रुपये के जीएसटी का भुगतान करने को कहा गया है। वहीं इस राशि पर ब्याज मिलाकर कुल अमाउंट 8,57,77,696 बनता है जो कि कंपनी को अदा करना है। इस नोटिस पर कंपनी ने कहा कि जोमैटो ने कारण बताओ नोटिस के जवाब में सभी जरूरी दस्तावेजों के साथ अपनी ओर से स्पष्टीकरण दिया था, लेकिन उन्हें ऐसा लगता है कि आदेश पारित करते समय अधिकारियों द्वारा पूरी तरह से विचार नहीं किया गया था। ज़ोमैटो ने अपने बयान में कहा, वह उचित अधिकारियों के समक्ष इस आदेश को चुनौती देगी। वहीं दूसरी तरफ, एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग ने 6 मार्च को ओपन मार्केट ट्रांसैक्शन के जरिए 2,827 करोड़ रुपये में ज़ोमैटो में अपनी दो प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी।एंटफिन सिंगापुर होल्डिंग पीटीई एंट फाइनेंशियल ग्रुप का सहयोगी है, जबकि एंट फाइनेंशियल ग्रुप चीनी ई-कॉमर्स दिग्गज अलीबाबा का हिस्सा है। इससे पहले ज़ोमैटो को 29 अक्टूबर 2019 से 31 मार्च 2022 की अवधि के दौरान अपने ग्राहकों से डिलीवरी शुल्क संग्रह पर ब्याज और जुर्माने के अलावा, दिसंबर 2023 में डिलीवरी शुल्क पर अवैतनिक जीएसटी के लिए ₹402 करोड़ का कारण बताओ नोटिस भी मिला था। कंपनी के शेयर की बात करें को शुक्रवार, 15 मार्च को बीएसई पर ज़ोमैटो के शेयर 4.68 प्रतिशत बढ़कर 9.90 पर बंद हुए।

चुनाव की घोषणा के साथ व्यापारियों को सताने लगा डर

कारोबारियों ने चुनाव आयोग से गुहार लगाई, आचार संहिता के नाम पर कारोबार का नुकसान न हो

नई दिल्ली ।

चुनाव आयोग द्वारा चुनावी महाकुंभ की तारीखों का ऐलान करते ही देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। आचार संहिता के नियम कायदों के चलते कई बार व्यापारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। जिसके वजह से कारोबारियों ने चुनाव आयोग से गुहार लगाई है कि चुनाव आचार संहिता के नाम पर व्यापार और व्यापारियों का नुकसान न हो इसका ध्यान रखा जाए ताकि स्वतंत्र और निपक्ष चुनाव के साथ अर्थव्यवस्था की गाड़ी भी चलती रहे। चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद कारोबारी संगठन कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (केट) की तरफ से बयान जारी करके कहा गया कि देश में आम चुनाव होना 5 साल की एक प्रक्रिया है। व्यापार दिन-रात बारह महीने चलते रहता है। चुनाव में आचार संहिता लगाना अच्छी बात है। उतना ही जरूरी है कि व्यापार जिस तरीके से चलता है वह प्रभावित ना हो, चलता रहे। व्यापार में शहर के व्यापारी विभिन्न गांवों में, देहातों में, आदिवासी इलाकों की दुकानों में माल भेजते रहते हैं। समय-समय पर दौरा लगाकर अपने पैसे की वसूली करते हैं। काफी बड़ी रकम उनके पास जमा रहती है। इसी प्रकार सोना- चांदी के व्यापारी व अन्य सामानों के व्यापारी अपनी गाड़ियों में माल भरकर गांव-गांव बेचते हैं। सामान के पैसे जमा करते हैं। इस तरह से व्यापारियों के पास बहुत सारा पैसा और सोना-चांदी आभूषण आदि व्यापार संबंधित रहते हैं। अर्थव्यवस्था को चलाए रखने के लिए यह सब अनिवार्य है।व्यापारियों का कहना है कि देश में शादियों का मौसम शुरु होने वाला है। ऐसे समय माल की खपत बढ़ जाती है। ग्रामीण क्षेत्र से बहुत से लोग नगद पैसे लेकर शहर में खरीदी करने आते हैं। पैसे का चुनाव में दुरुपयोग ना हो यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है लेकिन अर्थव्यवस्था चलाने के लिए व्यापारियों को नगद, सोने चांदी के आभूषण आदि लेकर यात्रा करना भी जरुरी होता है। इसलिए व्यापार और व्यापारी को प्रभावित न करते हुए आचार संहिता का पालन होना चाहिए।

अगले हफ्ते आएगा प्रोसेसेड फूड बनाने वाली कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते 19 मार्च को प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनी चडढा फूड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने जा रहा है। कंपनी का ये 34 करोड़ का आईपीओ बोली लगाने के लिए 21 मार्च तक खुला रहेगा। इस आईपीओ के तहत कंपनी के 59.62 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। 21 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए बंद होने के बाद इस कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 27 मार्च 2024 को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है। प्राइस बैंड की बात करें को इसके लिए 53 से 56 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड रखा गया है। लॉट साइज 2000 शेयरों का है। इश्यू के रिजर्व हिस्से की बात करें को इश्यू का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए, 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए और 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। आईपीओ के लिए इंडोरेंट फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर है। साल 1999 में शुरू हुई ये कंपनी फ्रोजन और रेडी टू ईट प्रोसेस्ड मीड प्रोडक्ट बनाती है। इस एरिया में ये कंपनी भारत की दिग्गज कंपनियों में से एक है। कंपनी की वित्तिय स्थिति पर नजर डालें तो कंपनी का रेवेन्यू वित्त वर्ष 2023 में 34.14 प्रतिशत बढ़कर 117.24 करोड़ रुपये और शुद्ध मुनाफा 264.66 प्रतिशत बढ़कर 2.45 करोड़ रुपये रहा।

कई राज्यों में और गिरे पेट्रोल-डीजल के भाव

- ब्रेंट क्रूड 85.34 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट देखी जा रही है। रविवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 81.04 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 85.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 66 पैसे और डीजल 64 पैसे सस्ता हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 30 और डीजल 34 पैसे सस्ता हो गया है। बिहार मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आई है। दूसरी और झारखण्ड और पश्चिम बंगाल समेत कुछ अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी दिख रही है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 94.34 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.71 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.24 रुपये और डीजल 92.10 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

अमेरिकी कोर्ट से लगा बायजू को झटका, पैरेंट कंपनी पैसे हुए फ्रीज

मुंबई । संकट में फंसी एडटेक कंपनी बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न को एक और झटका लगा। अमेरिकी कोर्ट ने कंपनी के 53.3 करोड़ डॉलर फ्रीज कर दिए हैं। अमेरिकी कोर्ट ने आदेश में कहा है कि यह पैसा कहीं इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इस फैसले को कंपनी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे कर्जदाताओं की जीत माना जा रहा है। थिंक एंड लर्न ने कानूनी विवादों में फंसने के बाद इस 53.3 करोड़ डॉलर को कथित तौर पर मॉर्टन हेज फंड में ट्रांसफर किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, कर्जदाताओं ने मांग की थी कि टेक फर्म द्वारा पैसे के इस्तेमाल को रोकने के लिए इस कोर्ट में जमा करवा दिया जाए। कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रविंद्रन के भाई और कंपनी के डायरेक्टर रिजू रविंद्रन को निशाना बनाकर कहा कि आप बताइए पैसा कहां है। जज ने सुनवाई में कहा, मैं उनका विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि उन्हें पैसे के बारे में पता नहीं है। थिंक एंड लर्न उन्हें यह जानकारी क्यों नहीं दे रही कि पैसा कहां है। रवींद्रन के वकील शेरोन कोर्पस ने सुनवाई के दौरान अमेरिका कोर्ट में तर्क दिया कि थिंक एंड लर्न में चल रहे संकट के लिए कर्जदाता ही जिम्मेदार हैं। कर्जदाता ही हमारे ऊपर लोन डिफॉल्ट का जरूरत से ज्यादा दबाव बना रहे थे।

एफपीआई ने मार्च के पहले पखवाड़े में शेयरों में 40,710 करोड़ निवेश किया

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने मार्च में के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों में 40,710 करोड़ रुपये का निवेश किया है। वृहद आर्थिक परिदृश्य में सुधार और घरेलू मोर्चे पर मजबूत आंकड़ों से एफपीआई का भारतीय शेयरों में आकर्षण बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपये डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। बाजार के जानकार ने कहा कि एफपीआई अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बदलाव की वजह से अपनी रणनीति बदल रहे हैं। चूंकि अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल फिर बढ़ गया है, ऐसे में आगामी दिनों में एफपीआई फिर बिकवाली कर सकते हैं। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सुधार की वजह से एफपीआई भारत जैसे बाजारों का रुख कर रहे हैं। इसके अलावा बाजार में हालिया करेक्शन से भी उन्हें निवेश का अवसर मिला है। शेयरों के अलावा एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड बाजार में 10,383 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ऋण या बॉन्ड बाजार की बात की जाए, तो ब्लूमबर्ग ने अगले साल 31 जनवरी से भारतीय बॉन्ड को इमर्जिंग मार्केट (ईएम) लोकल करेंसी गवर्नमेंट इंडेक्स में शामिल करने की घोषणा की है। इसके चलते एफपीआई बॉन्ड बाजार में पैसा लगा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने बॉन्ड बाजार में फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये, जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये, दिसंबर में 18,302 करोड़ रुपये डाले थे। कुल मिलाकर इस साल अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार में 16,505 करोड़ रुपये डाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ऋण बाजार में 52,639 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

अदाणी ग्रुप पर रिश्वतखोरी की आशंका में जांच जारी

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप को लेकर जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार अमेरिका अदाणी समूह के संस्थापक गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के रिश्वतखोरी में शामिल होने का आंशका पर जांच कर रही है। ब्लूमबर्ग ने मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाला से लिखा है कि जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या अदाणी समूह या गौतम अदाणी सहित कंपनी से जुड़े लोग, एक एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए अधिकारियों को रिश्वत देने में शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय और वाशिंगटन में न्याय विभाग की फ्रॉड यूनिट इस जांच का काम संभाल रही है, और इस मामले में रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी एज्योर पावर ग्लोबल पर भी नजर रख रही है। इस मामले में अदाणी ग्रुप ने ब्लूमबर्ग को बताया कि हमें अपने चेयरमैन के खिलाफ किसी जांच की जानकारी नहीं है। एक कारोबारी व्यावसायिक समूह के रूप में हम भारत और अन्य देशों में भ्रष्टाचार विरोधी और रिश्वत विरोधी कानूनों के अधीन हैं और उनका पूरी तरह से पालन करते हैं। बता दें कि अदाणी समूह और एज्योर ग्रीन एनर्जी एरिया में दो बड़े खिलाड़ी हैं। बीते कुछ समय में दोनों ने एक ही राज्य-संचालित सौर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में परियोजनाओं के लिए डील फाइनल की है। एज्योर, अवैध भुगतान की व्हिसलब्लोअर शिकायतों और देरी से की गई फाइलिंग के कारण पिछले साल के अंत में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज से हटा दिया गया था। एज्योर ने पिछले साल कहा था कि वह न्याय विभाग और एसईसी के साथ सहयोग कर रहा है।

केंद्रीय बैंकों के नीतिगत फैसले शेयर बाजार को प्रभावित करेंगे

- रुपए की चाल, अमेरिकी ड पर प्रतिफल और कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव पर भी नजर रहेगी

मुंबई ।

रूस की तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन के ड्रोन हमले के साथ ही अमेरिका में महंगाई की दर अनुमान से अधिक रहने के बाद फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती शुरू करने को लेकर बढ़ी चिंता के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई भारी बिकवाली से बीते सप्ताह दो प्रतिशत की गिरावट देख चुके घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह` विश्व के कई केंद्रीय बैंकों की नीतिगत दरों को लेकर होने वाली बैठकों के निर्णय का असर रहेगा। इसके अलावा वैश्विक बाजारों का रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट, विदेशी कोषों की निकासी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि सप्ताह के दौरान दुनिया के कई केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति पर अपने रुख की घोषणा करेंगे। ऐसे में निकट अवधि में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह मौद्रिक नीति पर सभी का ध्यान रहेगा। फेडरल रिजर्व की दो दिन की नीतिगत बैठक 19 मार्च को शुरू होने जा रही है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक 20 मार्च को ब्याज दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चीन एक साल और पांच साल के कर्ज पर प्रमुख दरों की घोषणा करेगा। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) 19 मार्च को ब्याज दर पर अपने निर्णय की घोषणा करेगा। जापान 22 मार्च को ही मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी करेगा। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर सभी की नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता के बीच निवेशक शेयरों में अपने निवेश के लिए वैश्विक बाजारों के रुख पर निगाह रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह सप्ताह आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहने वाला है। वैश्विक स्तर पर कई बड़े केंद्रीय बैंक अपनी नीतिगत रुख की घोषणा करेंगे। ऐसे में हमारा मानना है कि निकट अवधि में बाजार में अस्थिरता रहेगी। निवेशकों का ध्यान बड़े और सुरक्षित शेयरों पर रहेगा। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों का ध्यान अब आगामी लोकसभा चुनावों पर रहेगा। सात चरणों के लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होने जा रहे हैं। मतों की गिनती चार जून को होगी। आने वाले सप्ताह में वैश्विक केंद्रीय बैंकों के मौद्रिक नीति निर्णय पर निवेशकों का ध्यान रहेगा। फेडरल रिजर्व के साथ बैंक ऑफ जापान और बैंक ऑफ इंग्लैंड सप्ताह के दौरान ब्याज दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेंगे।

हिमालय क्षेत्र में विदेशी फसलों की खेती को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । विश्व सहकारी आर्थिक मंच हिमालय क्षेत्र में विदेशी बागवानी फसलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान सहित कई संगठनों के साथ मिलकर काम करेगा। इस मंच की स्थापना भारत में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए की गई है। विश्व सहकारी आर्थिक मंच ने एक बयान में कहा कि वह भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई), आईसीएआर-केंद्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईटीएच), कंफेडरेशन ऑफ एनजीओ ऑफ रूरल इंडिया (सीएनआरआई) और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) सहित विभिन्न संस्थानों के साथ सहयोग करेगा। बयान के मुताबिक शुरुआत में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में हेजलनट, अखरोट और अन्य विदेशी फसलों को बढ़ावा दिया जाएगा। ये संस्थान इन फसलों की खेती को बढ़ावा देने के अलावा कौशल प्रशिक्षण देंगे और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में युवाओं को बताएंगे।

सरसों तेल तिलहन की कीमतें गिरावट के साथ बंद

- मांग कमजोर रहने से बिनौला तेल की कीमतें भी पूर्ववत बंद हुई

नई दिल्ली ।

होली की छुट्टियों से पहले थोक मंडियों में रिकॉर्ड आवक होने से शनिवार को सरसों तेल तिलहन कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई। दूसरी ओर खाद्य तेलों की आपूर्ति कम रहने के बीच सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के दाम मजबूत रहे। मूंगफली तेल तिलहन और बिनौलातेल के भाव पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा` कि होली की लंबी छुट्टी से पहले विशेषकर छोटे किसान अपनी ऊपज बाजार में ला रहे हैं और इसकी आवक सवा चार लाख बोरी से बढ़कर लगभग 4.50 लाख बोरी हो गई। आवक बढ़ने के साथ साथ सरसों का दाम तोड़ने के लिए कुछ निहित स्वार्थी तत्व यह चर्चा भी फैलाने में लगे हैं कि अगले महीने सोयाबीन डीगम और सूरजमुखी तेल का आयात बढ़ने वाला है। सूत्रों ने कहा कि ऊंचे दाम पर मांग कमजोर रहने के बीच मूंगफली तेल तिलहन के पूर्वस्तर पर रहने के अलावा बिनौला तेल कीमतें भी पूर्ववत बंद हुई।तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन- 5,425-5,465 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 6,125-6,400 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,000 रुपये प्रति क्विंटल, गफली रिफाइंड तेल 2,250-2,525 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 10,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी- 1,750-1,850 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी- 1,750 -1,855 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 11,200 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 10,900 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला-9,650 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला- 9,225 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 9,600 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला-9,750 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना - 4,645-4,665 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,445-4,485 रुपये प्रति क्विंटल, मक्का खल (सरिस्का)- 4,075 रुपये प्रति क्विंटल।

ट्रेडिंग को बेहतर और आसान बनाने वाले उपायों को सेबी की मंजूरी

मुंबई ।

शेयर बाजार नियामक, सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग को और बेहतर व आसान बनाने के कई उपायों को मंजूरी दे दी है। इन उपायों में ऑप्शनल टी+0 सेटलमेंट के बीटा संस्करण के लांच को मंजूरी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और प्रारंभिक शेयर बिक्री के माध्यम से धन जुटाने की चाहत रखने वाली इकाइयों को छूट प्रदान करना शामिल है। सेबी बोर्ड ने बैठक के दौरान प्रस्तावों को मंजूरी दी। सेबी ने बयान में कहा कि इक्विटी शेयर के सार्वजनिक/राइट्स इश्यू में एक प्रतिशत 'सिक्योरिटी डिपॉजिट' की आवश्यकता को खत्म करने और अप्रत्याशित घटना के कारण ऑफर समापन तिथि के विस्तार को लचीलापन बनाने का निर्णय हुआ है। सेबी ने कहा, हितधारकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड ने 25 शेयरों के सीमित सेट और दलालों के सीमित सेट के साथ वैकल्पिक टी+0 निपटान के बीटा संस्करण को लांच करने की मंजूरी दे दी। सिक्योरिटी मार्केट में अब तक टी+1 सेटलमेंट साइकल पर काम होता आया है। टी+1 सेटलमेंट को 2021 में पेश किया गया था और चरणों में लागू किया गया, अंतिम चरण जनवरी 2023 में पूरा हुआ। अब टी+0 के आने से शेयर की खरीदारी और बिक्री का सेटलमेंट एक ही दिन में होगा।

पिछले एक साल में भारतीय पेटेंट कार्यालय ने एक लाख पेटेंट दिए

नई दिल्ली । भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पिछले एक साल में एक लाख से अधिक पेटेंट दिए हैं। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए सरकार के उपायों के चलते ये नतीजे आए। बयान के मुताबिक इस दौरान भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो इससे पिछले साल की तुलना में तीन गुना है। इस समय भारत में 573 जीआई पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में 98 नए जीआई पंजीकृत किए गए और 31 मार्च तक 62 अन्य को पंजीकृत किए जाने की उम्मीद है। इसी तरह चालू वित्त वर्ष में अब तक कॉपीराइट और डिजाइन पंजीकरण के आंकड़े क्रमश- 36,378 और 27,819 हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा` कि पेटेंट कार्यालय ने पिछले एक साल (15 मार्च 2023 से 14 मार्च 2024) में एक लाख से अधिक पेटेंट दिए हैं। प्रत्येक कार्य दिवस में करीब 250 पेटेंट दिए गए। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने पेटेंट हासिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए पेटेंट नियम, 2024 में कई प्रावधान किए हैं।

कहां हो पूजा का स्थान

घर में पूजा के कमरे का स्थान सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह वह जगह होती हैं, जहां से हम परमात्मा से सीधा संवाद कर सकते हैं। ऐसी जगह जहां मन को सर्वाधिक शांति और सुकून मिलता है। प्राचीन समय में अधिकांशतः पूजा का कमरा घर के अंदर नहीं बनाया जाता था।

घर के बाहर एक अलग स्थान देवता के लिए रखा जाता था जिसे परिवार का मंदिर कहा जाता था। दौर बदला और एकल परिवार का चलन बढ़ा, इसलिए पूजा का कमरा घर के भीतर ही बनाया जाने लगा है। अतएव वास्तु अनुसार पूजा घर का स्थान नियोजन और सजावट की जाए तो सकारात्मक ऊर्जा अवश्य प्रवाहित होती है।

स्थान पूजा का कमरा घर के उत्तर पूर्व कोने में बनाने से शांति सुकून, स्वास्थ्य, धन और प्रसन्नता मिलती है। पूर्व या उत्तर दिशा में भी पूजा स्थल बना सकते हैं। पूजाघर के ऊपर या नीचे की मंजिल पर शौचालय या रसोई घर नहीं होना चाहिए, न ही इनसे सटा हुआ । सीढ़ियों के नीचे पूजा का कमरा कदाचित नहीं बनवाना चाहिए। यह हमेशा ग्राउंड फ्लोर पर होना चाहिए, तहखाने में नहीं। पूजा का कमरा खुला और बड़ा बनवाना चाहिए।

मूर्तियां- कम वजन की तस्वीरें और मूर्तियां ही पूजाघर में रखनी चाहिए। इनकी दिशा पूर्व, पश्चिम, उत्तरमुखी हो सकती है, दक्षिण मुखी नहीं। भगवान का चेहरा किसी भी वस्तु से ढंका नहीं होना चाहिए, फूल और माला से भी नहीं ढका होना चाहिए। इन्हें दीवार से एक इंच दूर रखना चाहिए, एक दूसरे के सम्मुख नहीं। इनके साथ अपने पूर्वजों की तस्वीर नहीं रखनी चाहिए। खंडित मूर्तियां पूजाघर के अंदर कभी नहीं रखना चाहिए। अगर कोई मूर्ति खंडित हो जाए तो उसे तुरन्त प्रवाहित करा देना चाहिए।

दीपक- दीया पूजा की थाली में, भगवान के सामने रखा होना चाहिए। यह दरवाजे में रखा होना चाहिए, ऊँची जगह या प्लेटफार्म पर नहीं। दीपक में दो जली हुई बत्तियां होनी चाहिए। एक पूर्व और दूसरी पश्चिम मुखी।

दरवाजा- दरवाजा या खिड़की उत्तर या पूर्व में होना चाहिए। यह टीन या लौहे का नहीं होना चाहिए। यह दीवार के बीचोबीच स्थित होना चाहिए। अलमारी, टांड या कैबिनेट की ऊँचाई मूर्तियों के स्थान की ऊँचाई से अधिक नहीं होना चाहिए।

अन्य- धूप, अगरबत्ती या हवन कुंड पूजाघर के दक्षिण-पूर्व कोण में रखने चाहिए। सौंदर्य प्रसाधन की या कोई भी अन्य वस्तु यहां नहीं रखनी चाहिए। पूर्व दिशा की और मुख करके पूजा करनी चाहिए, दक्षिण दिशा की और मुख करके पूजा नहीं करनी चाहिए। पूजा स्थल के ऊपर भारी सामान नहीं रखना चाहिए। धन या गहने पूजाघर में नहीं रखना चाहिए।

यज्ञ-देवताओं को दी जाती है आहुति

हवन यज्ञ का छोटा रूप है। किसी भी पूजा अथवा जप आदि के बाद अग्नि में दी जाने वाली आहुति की प्रयिा हवन के रूप में प्रचलित है। यज्ञ किसी खास उद्देश्य से देवता विशेष को दी जाने वाली आहुति है। इसमें देवता, आहुति, वेदमंत्र, ऋत्विक, दक्षिणा अनिवार्य रूप से होते हैं।

प्रमुख यज्ञ-

पुत्रेष्ठि- पुत्र प्राप्ति की कामना से। महाराज दशरथ ने यही यज्ञ किया था, परिणामस्वरूप श्रीराम सहित चार पुत्र जन्मे।

अश्वमेघ- जो सौ बार यह यज्ञ कर लेता है उसे इंद्र पद की प्राप्ति हो जाती है।

राजसूर्य- राजा द्वारा किया जाता है। अपनी कीर्ति और राय की सीमाएं बढ़ाने के लिए। युधिष्ठिर ने यह यज्ञ किया था।

विश्वजीत- विश्व को जीतने के उद्देश्य से विश्वजीत यज्ञा किया जाता है। साथ ही इस यज्ञ से सभी कामनाएं पूरी करता है। राम के पूर्वज महाराज रघु ने विश्वजीत यज्ञ किया था।

सोमयज्ञ- सभी के कल्याण की कामना से सोमयज्ञ किया जाता है। आज के युग में सोमयज्ञ सर्वाधिक किए जाते हैं। इनके अलावा आजकल विष्णु यज्ञ, शतचंडी यज्ञ, रूद्र यज्ञ, गणेश यज्ञ आदि किए जाते हैं। ये सभी परंपरा में हैं।

ऐसी देव पूजा में जरूरी नहीं मंत्र या मंदिर, फिर भी मिलती है सिद्धि!

ईश्वर में विश्वास करने वाले देव पूजा के लिये देवालय जाते हैं। वहां देव उपासना के लिये मंत्र स्मरण या स्तुति पाठ भी करते हैं। अनेक लोग ऐसे हैं जो ईश्वर में विश्वास नहीं करते, जिनको नास्तिक भी कहा जाता है। वहीं, ईश्वर में विश्वास करने वाले कुछ लोग व्यस्तता के चलते देव आराधना का समय निकाल नहीं पाते।

ईश्वर उपासना से दूर रहने वाले ऐसे लोगों के लिये ही यहां बताया जा रहा है एक ऐसा व्यावहारिक सूत्र, जिसके लिये अगर आप देव उपासना के लिये कोई मंत्र न बोलें या मंदिर न भी जा पाएं, फिर भी देव पूजा का सुख और फल पाया जा सकता है।

हिन्दू धर्मग्रंथ गीता में लिखा है कि -

स्वकर्मणा तमभ्यर्च्य सिद्धिं विन्दति मानवः

जिसका सरल अर्थ है यही है कि स्वाभाविक कामों के रूप में भगवान की उपासना करते हुए मनुष्य सिद्ध बन सकता है।

संकेत यही है कि व्यावहारिक जीवन में अहं या मोह के कारण इंसान अनेक गलतियां करते हुए गलत बातों और व्यवहार के कारण दोष का भागी ही नहीं बनता, बल्कि अच्छे संग और देव स्मरण से भी दूर होता है। इसलिए इंसान सुख पाने के लिये अगर देव स्मरण न भी करें, पर अहंकार और मोह को छोड़कर अपने कर्तव्यों को पूरा करता चले तो यह भी भगवान की पूजा ही मानी गई है। दायित्वों को पूरा करना ही सफलता, तरक्की और प्रतिष्ठा देने वाला साबित होता है। सार यही है कि कर्म को ही पूजा मानकर चलने वाले व्यक्ति पर भगवान भी मेहरबान रहते हैं।

कैसे रखें बृहस्पतिवार व्रत

बृहस्पतिवार का व्रत करना गुरु को बढ़ाने का सर्वोत्तम उपाय है, इस दिन व्रत करने के बाद बृहस्पति-भगवान की पूजा पाठ और केले के पेड़ में चने की दाल और गुड़ चढाना चाहिए, इस प्रकार का व्रत करने से महिला जातक को मनवांछित वर प्राप्त करने और पुत्र के प्राप्त करने में गुरु दोषों का अन्त हो जाता है, केवल एक बार ही खाना खाया जाता है और खाने में पीला भोजन बिना नमक के सूर्यास्त से पहले लिया जाता है, पीली रोटी बनाकर उसे घी से चुपड़ कर खाना चाहिए, भूल कर भी चन्द्र के रूप में दूध और शुक्र के रूप में शर्बत या जूस या दही आदि का प्रयोग नही करना चाहिए, केले भी नहां खाने चाहिए।

अच्छी बुरी शक्तियों के बाद में पता चलते हैं परिणाम

मनुष्य के अंदर अच्छे-बुरे प्रभाव करवाने वाली शक्तियां, उस समय करवा जाती है और उसके परिणाम बाद में पता लगता है। यदि किसी मनुष्य को यह पता लग जाए कि बीमारी की अवस्था में यह भोजन नुकसान करता है तो चाहे वह भोजन कितना ही अच्छा, स्वादिष्ट एवं उसकी रुचि का हो, फिर भी बीमारी से बचने के लिए वह उस मनपसंद भोजन को त्याग ही देगा यदि। पता लगने के बाद भी वह छोड़ने की हिम्मत करेगा। तभी उस स्वादिष्ट भोजन को त्याग सकेगा। जैसे किसी ने आपको बता दिया कि आपको मधुमेह का रोग है इसमें मीठा खाना हानिकारक है अर्थात उचित नहीं है। ऐसा बीमारी का पता लगने के बाद भी यदि आपने मीठा खा ही लिया। ऐसी अवस्था में वह मीठा खाने की सुख की आदत आपको विवश करके मीठा खिला ही गयी तो खाने के बाद आपको दुखी भी होना ही पड़ेगा। इसी तरह मनुष्य अपने मन अहंकार में आकर जैसा नहीं बोलना चाहिए वैसा दूसरों से बोल जाता है। ऐसा बोलने से दूसरे वैरी बनते हैं और उस वैरी से उसको अपने अंदर शंका तथा भय बना रहता है कि कहीं वह मेरा ज्यादा नुकसान तो नहीं कर देगा आदि। ऐसा होने पर उसको रात्रि के समय नींद भी सुखपूर्वक नहीं आएगी और उसी वैरी की सोच में पड़ा-पड़ा दुखी होता रहेगा। ऐसी बंधन की अवस्था में उसको आत्मा या परमात्मा की कोई समझ नहीं पड़ती कि आत्मा तथा परमात्मा क्या है? सबके अंदर वहीं ज्ञानरूप चेतन परमात्मा चला रहा है। शरीर के कार्य भी वहीं कर रहा है अर्थात पशु, पक्षी, पेड़, पौधे और जितने भी मनुष्य हैं सबके अंदर देह के कार्य वहीं कर रहा है। नींद में भी वही श्वास को खींचता तथा छोड़ता है और हमारे अंदर अन्न को हजम करता है। यह व्यापक चेतन शक्ति सबमें समानरूप से है। परंतु समानरूप से होती हुई ऐसी छिपी हुई बैठी है कि किसी को इसका अनुभव नहीं होता। इसका अपना अनुभव आनंद रूप है। इस चेतन शक्ति का पता नहीं लगने का नाम ही अविद्या है। इस अविद्या का ही उसके ऊपर पर्दा पड़ा हुआ है जो उस ज्ञानरूप चेतन शक्ति का बोध नहीं होने देता।

प्रभु सर्वसमर्थ एवं सर्वान्तर्यामी है

कभी कभी व्यक्ति से जाने अनजाने कुत्सित कर्म भी हो जाते है, जिसका अनुभव उसे बाद में होता है। पापकर्म का सर्वप्रथम प्रायश्चित पश्चाताप है,कारण पश्चाताप होने पर वह व्यक्ति उन पापों के निराकरण करनें के लिये प्रयासरत हो जाता है । वैसे भी हमारे शास्त्रों में लिखा है कि अपने किये हुए अच्छे तथा बूरे सभी कर्मो का फल किसी न किसी रूप में जीव को भोगना ही पडता है,परंतु पश्चाताप होने पर उसके द्वारा प्रायश्चितरूप में भगवद्भजन,आराधना और प्रार्थना करने पर वे कर्मो के फल बहुत हलके हो जाते है। भगवान उसे भुगता भी देते है और भोगनेवाले को विशेष कष्ट ाी अनुभूति भी नहीं होती । भजन का यह भी प्रभाव हैकि वह भवितव्यता को भी शिथिल कर देंता है। बिषयरूपी सांप का जहर उतारने के लिये भगवन्नाम मंत्र और महामणि है । ये ललाट पर लिखे हुए कठिनता से मिटानेवाले बुरे लेखों को मिटा देनेवाले है । परमात्मप्रभु सर्वसमर्थ एवं सर्वान्तर्यामी है। इसके साथ ही करूणानिधान भी है। इसलिये भगवान के भजन तथा प्रार्थना से पूर्व में किये गये पापों का निवारण भी संभव है । इसकी विशेष चिंता न करके अनन्य भाव से भगवान के भजन में सलंग्न हो जाना चाहिये तथा प्रतिदिन कुछ क्षणों का समय निकालकर एकान्त में आर्तभाव से प्रार्थना के रूप में प्रभु से अपने मन की बात कहनी चाहिए । प्रभु कहते है कि यदि कोई अतिशय दुराचारी भी अनन्यभाव से मेंरा भक्त होकर मुझे भजता है तो वह साधु ही मानने योग्य है क्योकि वह यथार्थ निश्चयवाला है अर्थात उसने भलीभांति निश्चय कर लिया है कि परमेश्वर के भजन के समान अन्य कुछ भी नही है।

मन अनमोल है, ऐसे रखें इसका खयाल...

हमारे मन में हर पल सैंकड़ों विचार चलते रहते हैं। कारण मन अस्थिर है। इसकी गति ध्वनि व प्रकाश से भी तेज है। मन में जो अच्छे विचार होते हैं वे मानसिक पर्यावरण को सकारात्मक (पॉजीटिव) करते हैं तो बुरे विचार नकारात्मक (निगेटिव) बनाते हैं। ये ही बुरे विचार मानसिक प्रदूषण भी बढ़ाते हैं। आपने बुरा करने का सोचा तभी आपके मन में प्रदूषण आ गया। आप प्रदूषित हो गए। जब मन प्रदूषित होता है तो जीवन की पूरी व्यवस्था चरमरा जाती है।

किनसे है खतरा-साधारण रूप से यदि हम मानसिक प्रदूषण के बारे में सोचें तो व्यसन यानि बुरी आदतें, मोह तथा अधर्म मानसिक प्रदूषण के कारण हैं। लोभ और अहंकार भी मानसिक प्रदूषण फैलाते हैं। इस प्रदूषण से हमारे विचार और व्यवहार प्रभावित होते हैं और इसका असर हमारे सामाजिक व्यक्तित्व पर दिखाई देता है।

कैसा असर-मानसिक प्रदूषण के कारण बदले की भावना, घृणा, क्रूरता, हिंसा, व्याभिचार पैदा होता है। आज के दौर में पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव टीवी और फिल्मों के माध्यम से आम जनजीवन में फैल रहा है। इस कारण समाज में कई बुराइयां आ रही हैं। धर्म, संस्कृति और सभ्यता के प्रति हमारा नजरिया बदल रहा है। भौतिक सुख, संपन्नता के लिए नैतिकता, मानवता और चरित्र को गिराने से भी मनुष्य नहीं चूक रहा। नतीजा है कि आज चारों तरफ बदहवासी, भय, आतंक और अराजकता का माहौल है। जीवन गहरे तक नकारात्मकता (निगेटिवनेस) से भर गया है। आधुनिक समाज लगातार अहंकार और आपसी खींचतान के कारण मेल-मिलाप से दूर हो रहा है। एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भाव और संवेदनशीलता घटती जा रही है। इसका खामियाजा समाज से पहले व्यक्ति भुगतता है क्योंकि समाज तो व्यक्तियों का ही समूह है।

कैसे बचें-कहते हैं हम सुधरेंगे, जग सुधरेगा। हम बदलेंगे, जग बदलेगा। हम समाज की बुराइयों और सामाजिक प्रदूषण पर बात करते हैं लेकिन अपने मानसिक प्रदूषण को दूर करने में चूक जाते हैं। सच तो यह है हमें ख्याल भी नहीं आता कि हमारे बुरे विचारों से हमारा मन प्रदूषित हो रहा है। सबसे पहले इसका एहसास करें फिर अच्छे, सकारात्मक विचारों को आमंत्रित करें और सबसे बड़ा नकारात्मक विचारों को अपने मन से दूर करें।

भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा माने

साधक के मन में इस बात का भारी उत्साह एवं चाव होना चाहिए कि हम केवल भगवान की अनन्य शरण में ही रहे। इससे ज्यादा हमारा सौभाग्य और क्या हो सकता है कि हमारे जीवन में वही हो जो भगवान चाहते है। इससे हमारा परम कल्याण निश्चित है। यहां पर एक बात और ध्यान देने की है कि अगर हम न चाहे तो भी होगा वहीं जो भगवान चाहते है। हम अपनी पूरी क्षमता, साधन, योग्यता की उपयोग करके भी भगवान के इच्छा अनुरूप होने वाली घटना, परिस्थिति को रोक नहीं सकते, उसमें परिवर्तन नहीं कर सकते। भगवान की इच्छा एवं विधान में बाधा उत्पन्न करने से हमारा कल्याण नहीं होगा अपितु पतन ही होगा। अतः हमरा परम कल्याण इसी में है कि हम भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा मिलाकर उनके विधान के अनुसार होने वाले को निर्बाध होने दे, उसको बदलने की मांग भगवान से न करें। सांसारिक परिस्थितियों का तो महत्व ही क्या है? पल-पल में परिवर्तन होने वाली इन परिस्थितियों की कामना में फँसकर हम अपने अनंत जन्म बिगाड़ते आये है। अतः कम से कम इस जन्म में तो भगवान की इच्छा में अपनी इच्छा मिलाकर इसका परम प्रभाव देख ले। दृढ़ निश्चिय कर लेना चाहिए कि मारजाना स्वीकार है किंतु कोई कामना कर अपनी भक्ति में कलंक नहीं लगायेंगे। अपने आपको भगवान के श्रीचरणों में पूरी तरह समर्पित कर देना चाहिए। हम केवल भगवान के ही है, अतः अपने ऊपर केवल भगवान का ही निरंकुश अधिकार मानना चाहिए। अपनी वस्तु को भगवान चाहे जैसे रखे इसमें हमें क्यों आपत्ति होनी चाहिए? निश्चय ही ये भावोर्मियां साधना की बहुत उंची स्थिति की सूचक है, किंतु इनको आदर्श मानकर तद्नुसार जीवन बनाने की चेष्टा करने से साधक भगवान की कृपा से बहुत शीघ्र भारी आध्यात्मिक लाभ उठा सकते है और भगवान का प्रेम प्राप्त कर सकता है। भगवान का आश्रय लेकर प्रयत्न करने से कुछ भी कठिन या असंभव नहीं है।

मशहूर यूट्यूबर एल्विश गिरफ्तार, नोएडा पुलिस ने सांपों के जहर की तस्करी मामले में की कार्रवाई

नोएडा। मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के संबंध में बड़ी खबर आ रही है कि उसे नोएडा पुलिस ने कोबरा कांड मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सांपों के जहर की तस्करी मामले में पुलिस लगातार एल्विश से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि बीते दिनों नोएडा पुलिस ने सांपों के जहर के साथ 5 संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ किया था। ऐसे में एक बार फिर एल्विश मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। सांपों के जहर की तस्करी मामले में नोएडा पुलिस ने कारर्वाई करते हुए एल्विश को गिरफ्तार किया है। यहां बतलाते चलें कि मशहूर यूट्यूबर एल्विश पर पार्टी में सांपों के जहर के इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगा है। 8 नवंबर को नोएडा पुलिस ने रेव पार्टी में सांप के जहर का इस्तेमाल किए जाने संबंधी मामले में एफआईआर की थी। इसमें यूट्यूबर एल्विश को भी आरोपी बनाया गया है। तब पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की थी। गिरफ्तार किए गए लोगों में राहुल, टीटूनाथ, जयकरन, नारायण और रविनाथ के नाम शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक राहुल नाम के आरोपी से 20एमएल जहर जब्त किया गया था। इस पूरे मामले में एल्विश ने सफाई देते हुए कहा था कि उनके खिलाफ फेक मामले चल रहे हैं और उनका इन सब से कोई लेना देना नहीं है। तब एल्विश ने इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग करने की भी बात कही थी। अब खबर यह है कि एल्विश को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी अनुसार एल्विश को आज 17 मार्च रविवार के दिन नोएडा के सेक्टर-49 से गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात यूनिवर्सिटी में अफगानी छात्रों से मारपीट, हॉस्टल में नमाज पढ़ने पर हुआ विवाद

अहमदाबाद। अहमदाबाद की गुजरात यूनिवर्सिटी में देर रात हॉस्टल में रहने वाले अफगानी और अन्य छात्रों पर भीड़ ने हमला कर दिया। गमछा पहने और जयश्रीराम का नारा लगाती भीड़ हॉस्टल में घुसी और छात्रों को पीटा। हॉस्टल में पथराव और तोडफ़ोड़ भी की गई। इसमें 5 लोगों के घायल होने की खबर है। पिटाई का मामला यूनिवर्सिटी हॉस्टल के ए ब्लॉक में 16 मार्च की रात का है। अफगानी छात्रों ने आरोप लगाया कि रमजान की रात वे ए ब्लॉक में तरावीह (नमाज) पढ़ रहे थे। इस दौरान बी ब्लॉक से आए तीन छात्रों ने आकर इसका विरोध किया। उन्होंने बताया कि उनके जाने के बाद करीब 200 लोगों की भीड़ पहुंच गई और जय श्रीराम का नारा लगाते हुए हमला शुरू कर दिया। इनमें से कुछ ने हॉस्टल के कमरों में पथराव किया। कुछ हॉस्टल में घुस आए और लैपटॉप, एसी, अलमारी, टेबल, दरवाजे, म्यूजिक सिस्टम तोड़ दीं। बाहर खड़े टू-व्हीलर्स में भी तोडफ़ोड़ की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने घटना के बाद पुलिस और यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। इससे पहले उन्होंने डीजी और सीपी को तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

कांकेर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में आठ लाख का इनामी नक्सली ढेर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक इनामी नक्सली ढेर हो गया। मुठभेड़ में मारे गए नक्सली पर आठ लाख का इनाम घोषित है। नक्सली के शव की पहचान नव ?सली कमांडर मनकेर के रूप में हुई है। इसके अलावा मौके से एलएमजी रायफल के साथ ग्रेनेड व विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि सर्चिंग के दौरान नक्सलियों से जवानों का आमना-सामना हो गया। लगातार दो घंटे चली मुठभेड़ के बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग निकले। इसके बाद जवानों को मुठभेड़स्थल से वर्दीधारी नक्सली का शव मिला।

कांकेर में जवानों से मुठभेड़ में नक्सली ढेर

इधर, बीजापुर जिले में थाना बेदरे क्षेत्रान्तर्गत हिंगमेंटा-लंका के जंगलों में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में मारे गए दो नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। सुरेश मुहंदा निवासी हिंगमेंटा 10 वर्षो से सक्रिय था। सन्नु मुहंदा हिंगमेटा बाल संघम के रूप में भर्ती होकर पांच वर्षों से संगठन में सक्रिय था। वर्तमान में संगठन में मिलिशिया सदस्य के रूप में तैनात था।

मुस्लिम संगठनों की चुनाव आयोग से मांग, जुमे के दिन नहीं हो मतदान, तारीख बदलने की मांग की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनावों की तारीख की घोषणा कर दी गई। कुल सात चरणों में चुनाव होने हैं। चुनाव की एक तारीख 26 अप्रैल भी है, जो कि शुक्रवार है। यह देखकर मुस्लिम संगठनों ने चुनाव आयोग से तारीख बदलने की मांग की है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और केरल के एक मुस्लिम संगठन ने मुस्लिम समुदाय के लिए जुमे की महत्व का हवाला देकर 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को स्थगित करने की अपील की है। आईयूएमएल के प्रदेश महासचिव पीएमए सलाम ने कहा कि केरल में शुक्रवार यानी 26 अप्रैल को चुनाव कराने से मतदाताओं, चुनाव अधिकारियों और मतदान एजेंटों को असुविधा होगी। उन्होंने कहा, शुक्रवार को जुमा है। इस दिन मुसलमान मस्जिदों में इकट्ठा होते हैं। इस दिन केरल और तमिलनाडु में मतदान करना मुश्किल होगा। आईयूएमएल के अलावा, केरल के प्रमुख मुस्लिम संगठन समस्त केरल जमीयथुल उलमा ने चिंता व्यक्त की कि शुक्रवार के चुनाव मतदाताओं और ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के लिए चुनौतियां पैदा करेंगे और मतदान प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं।

गुजरात में 18 पाकिस्तानियों को मिली भारतीय नागरिकता

अहमदाबाद। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने 18 पाकिस्तानियों को नागरिकता प्रदान की है। अहमदाबाद जिला कलेक्टर के कार्यालय में उन पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की, जो अहमदाबाद में आकर बस गए थे। इसके साथ ही गुजरात में रह रहे 1,167 शरणार्थी हिंदुओं को अब तक अहमदाबाद जिला कलेक्टरेट द्वारा नागरिकता प्रदान की जा चुकी है। बता दें कि इन पाकिस्तानी शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने का नए लागू नागरिकता संशोधन कानून से संबंध नहीं। इस बारे में जारी आधिकारिक रिलीज के मुताबिक, वर्ष 2016 और 2018 के गजट नोटिफिकेशंस के आधार पर इन्हें नागरिकता प्रदान की गई है। ये दोनों नोटिफिकेशंस राज्य में अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टर को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार देती हैं। इन दोनों नोटिफिकेशन ने अहमदाबाद, गांधीनगर और कच्छ के जिला कलेक्टरों को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाइयों के अल्पसंख्यक समुदायों के व्यक्तियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है। बाद में, आनंद और मेहसाणा जिलों के कलेक्टरों को भी इस सूची में जोड़ा गया। वहीं कैंप में सांघवी ने शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की और उनसे नए भारत के सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आज का दिन आपके जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन है। आज से आप इस महान देश भारत के नागरिक हैं। सांघवी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले सभी लोगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के पीड़ित अल्पसंख्यकों को आसानी से और जल्दी भारतीय नागरिकता दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

चुनौतियां चीरने में कामयाब हुए तो कई तरह के रिकॉर्ड बना लेंगे पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ही नहीं पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपनी लोकप्रियता का गुणगान भाजपा करती है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि उनके सामने चुनौतियां नहीं हैं। जब चुनावी संग्राम होता है तो प्रतिद्वंदि भी होता है और दांव पेंच भी होते है। इसके बाद भी जो जनता का दिल जीतने में सफल हो जाता है सत्ता उसी की हो जाती है। पीएम मोदी बीते एक दशक से प्रधानमंत्री की पद पर है। मोदी सरकार ने देश के विकास के ढांचे को मजबूत करने का प्रयास किया था। अब पीएम मोदी का कहना है कि तीसरे कार्यकाल में वह देश को 2024 तक विकसित बनाने के लिए काम करेंगे। यह चुनाव सिर्फ देश के लिए अगली सरकार बनाने वाला नहीं होगा बल्कि पीएम नरेंद्र मोदी यदि फिर से सत्ता में लौटे तो वह देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक शासन में रहने वाले प्रधानमंत्री होंगे। उनसे पहले सिर्फ जवाहरलाल नेहरू ही लगातार तीन कार्यकाल तक पीएम रहे थे। लेकिन कई

मायनों में उनकी यह सफलता जवाहरलाल नेहरू से भी बड़ी होगी। इसके तीन कारण हैं- जवाहरलाल नेहरू एक एलीट बैकग्राउंड के नेता था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू अपने दौर के देश के सबसे नामी वकीलों में से एक थे और कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे थे। उन्हें महात्मा गांधी का भी भरोसा हासिल था। तीसरी और सबसे अहम बात यह है कि आजादी के बाद करीब दो दशकों तक कांग्रेस की ही देश में धाक रही थी। इसकी वजह यह थी कि लोग उसे आजादी के आंदोलन का पर्याय मानते थे। नरेंद्र मोदी के साथ ऐसी कोई विरासत नहीं थी। उनका कोई मौजूदा गॉडफादर भी था, जिसने उन्हें पीएम बनाने के लिए समर्थन किया हो, जैसे महात्मा गांधी ने नेहरू का किया था। एक गरीब परिवार में जन्मे पीएम नरेंद्र मोदी ने दशकों तक संघर्ष किया था। उनकी पार्टी की विचारधारा को लंबे समय तक मुख्यधारा की राजनीति में जगह नहीं मिल सकी थी। ऐसे में 2014 के बाद से पीएम मोदी ने जिस तरह पूर्ण बहुमत की सरकार लगातार दो बार बनाई है, वह उन्हें अलग लीग में खड़ा करती है। तीसरे कार्यकाल में भी उनकी संभावनाएं मजबूत लग रही हैं। वह भाजपा के लिए भी स्वर्णिम काल सरीखा है। इस बार तो पीएम मोदी लगातार एनडीए के 400 पार पहुंचने का नारा दे रहे हैं।

राहुल गांधी को राहत, मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक स्थगित

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई दो मई तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील ने इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी के वकील नारायण अय्यर ने कहा कि उन्होंने इस आधार पर स्थगन का अनुरोध करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया कि मामले के संबंध में वायनाड सांसद द्वारा बंबई उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका लंबित है। दरअसल छह मार्च 2014 को भिवंडी के पास चुनावी रैली में कांग्रेस नेता के उस कथित बयान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय सदस्य राजेश कुंटे ने आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था, आरएसएस के लोगों ने (महात्मा) गांधी की हत्या की। वहीं सुनवाई के दौरान कुंटे के वकील प्रबोध जयवंत ने राहुल गांधी के आवेदन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि अदालत ने पूर्व में स्थगन का अनुरोध करने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ जुर्माना लगाया था और यही नियम आरोपी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी लागू किया जाना चाहिए।

मैसेजिंग' मंच और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स का सहारा ले रही राजनैतिक पार्टियां

2019 में भाजपा ने 325 और कांग्रेस ने 356 करोड़ रुपये खर्च किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दुनिया के सबसे बड़े चुनावी उत्सव की तैयारियां शुरू होने के साथ ही पार्टियां मतदाताओं के मनोविज्ञान पर असर डालने के लिए व्हाट्एप जैसे 'मैसेजिंग' मंच और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स का सहारा ले रही हैं। राजनीतिक दल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने तथा मतदाताओं से समर्थन मांगने के लिए व्यापक पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व्हाट्सएप पर ''प्रधानमंत्री की ओर से पत्र' भेजकर मतदाताओं से जुड़ने का प्रयास कर रही है और मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मतदाताओं से 'फीडबैक' ले रही है। व्हाट्सएप के भारत में हर महीने 50 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता होते हैं। इतना ही नहीं भाजपा ने 'माय फर्स्ट वोट फॉर मोदी' वेबसाइट शुरू की है जिसमें मतदाता मोदी के लिए वोट करने का संकल्प ले सकते हैं और अपनी पसंद की वजह बताकर एक वीडियो अपलोड कर सकते हैं।

वेबसाइट पर मोदी सरकार में किए गए विकास कार्यों को दिखाते कई लघु वीडियो भी हैं। वहीं, कांग्रेस 'राहुल गांधी व्हाट्सएप समूह' चलाती है जिसमें राहुल लोगों से संवाद करते हैं और उनके सवालों का जवाब देते हैं। व्हाट्सएप पर सूचनाओं के प्रसार की निगरानी जिला स्तर पर की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह जनता तक पहुंचे और पार्टी के मतदाता आधार को मजबूत करे। चुनावी विश्लेषक और समीक्षक ने कहा, ''जिस भी राजनीतिक दल के अधिक व्हाट्सएप समूह हैं, वह मतदाताओं से तेजी से और बेहतर तरीके से संवाद कर सकता है। इससे उन्हें तेजी से अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने और मतदाताओं को प्रभावित करने में मदद मिलती है।''

एक समय सोशल मीडिया पर प्रचार के लिए सबसे पसंदीदा मंच रहा फेसबुक अब राजनीतिक पेज पर विज्ञापनों संबंधी कई पाबंदियों के कारण राजनीतिक दलों को पसंद नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ''पार्टियां उस सोशल मीडिया मंच को चुनती है जो उन्हें बगैर ज्यादा पाबंदियों के और बड़े उपयोगकर्ता आधार के साथ तेजी से जनता से जोड़ने में मदद करते हैं। इंस्टाग्राम और ट्विटर (अब एक्स) जैसे कई अन्य मंच हैं जो जनता के एक खास वर्ग की आवश्यकताओं को पूरी करते हैं और उनके अलग-अलग प्रारूप हैं।''

आयोग के आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मीडिया विज्ञापनों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, 'बल्क' एसएमएस, केबल वेबसाइट, टीवी चैनल आदि) पर 325 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि कांग्रेस ने 356 करोड़ रुपये खर्च किए।

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स एक और महत्वपूर्ण माध्यम बन गए हैं जिनके जरिए पार्टियां उन लोगों का प्रभावित करने की कोशिश करती हैं जो वोट नहीं करते लेकिन धारणा बनाने में भूमिका निभाते हैं। पिछले कुछ महीनों में कई नेता युवा दर्शकों से जुड़ने के लिए मशहूर सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर्स' (सोशल मीडिया पर लोगों पर प्रभाव डालने वाले लोग) के यूट्यूब चैनलों पर दिखाई दिए हैं। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, केंद्रीय पीयूष गोयल और राजीव चंद्रशेखर जैसे भाजपा नेताओं ने साक्षात्कार दिए हैं, जिनके यूट्यूब पर 70 लाख से अधिक फॉलोअर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी यात्रा और भोजन के वीडियो पॉडकास्ट 'कर्ली टेल्स' की संस्थापक कामिया जानी से भोजन पर बातचीत की थी।

चुनावी नतीजों पर सोशल मीडिया प्रचार की महत्ता बताकर जानकार ने कहा, ''औसतन दो लाख की आबादी वाले किसी विधानसभा क्षेत्र में 40 फीसदी तक इंटरनेट पहुंच के साथ डिजिटल माध्यमों के जरिए 75,000 से 80,000 लोगों को प्रभावित करना संभव है। किसी भी विधानसभा चुनाव में 5,000 वोटों का अंतर भी किसी भी जीत-हार का अच्छा अंतर होता है। इस बीच, राजनीतिक दलों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रचार को विनियमित करने की आवश्यकता पर जोर देकर पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को प्रौद्योगिकी कंपनियों से चुनावी निकाय के नियमों का उल्लंघन करने वाले पोस्ट हटाने के लिए उनके तंत्र को मजबूत करने पर बात करनी चाहिए।

केजरीवाल के लिए चुनौती- चुनावी संग्राम में सीटें भी जीतना है और चेहरा भी बचाना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने जिस कांग्रेस सरकार के खिलाफ आंदोलन कर राजनीति की सीढ़ियां चढ़ी, आज उसी कांग्रेस के साथ चार राज्यों में गठबंधन कर आप लोकसभा चुनाव लड़ रही है। इन सबके बीच अरविंद केजरीवाल की चुनौती अपनी ईमानदार छवि को बरकरार रखने की है। जिस भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़कर वह राजनीति में आए, आज खुद वह उन्हीं आरोपों में घिरे हैं। उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में करीब एक वर्ष से जेल में है। कहा जा सकता है कि अब आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने सियासी चढ़ाव पर हैं। उन्होंने बीते 12 वर्षों में बगैर किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि या परिवार के नई पार्टी आप को राष्ट्रीय पटल पर लाकर खड़ा कर दिया है।

संगठन मजबूत करने से लेकर प्रचार और इंडिया गठबंधन के साथ चलना भी उनके सामने एक बड़ी चुनौती है। यह लोकसभा चुनाव उनके लिए सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं है बल्कि जीत के साथ जनता के बीच अपनी छवि को सही साबित करने की चुनौती है। दिल्ली में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। केजरीवाल लगातार तीन बार 2013, 2015 फिर 2020 में प्रचंड बहुमत लाकर दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज हैं। केजरीवाल ने 2 अक्तूबर 2012 को राजनीतिक दल बनाने की घोषणा की थी। नवंबर 2012 में आम आदमी पार्टी के नाम से दल की घोषणा की। 2013 में कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। हालांकि 49 दिन में यह सरकार गिर गई। वर्ष 2015 में दिल्ली में 70 में से 67 सीट जीतकर सरकार बनाई। 2020 में 62 सीट जीतकर दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। 2022 में पंजाब में 92 सीट जीतकर आप की सरकार बनी। गुजरात में पार्टी ने पांच विधानसभा और गोवा में 2 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। 2023 में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला।

एनडीए व इंडिया अलायंस में सीट बंटवारे को लेकर नाराजगी बरकरार

पटना (एजेंसी)। बिहार में अभी तक एनडीए और इंडिया अलायंस में सीट बंटवारे की घोषणा नहीं हो पाई है। दोनों ओर खींचतान के हालात हैं। एनडीए में अभी 6 दल शामिल हैं तो इंडी अलायंस में 5 दल हैं। पशुपति पारस के नेतृत्व वाली आरएलजेपी और उपेंद्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोक मोर्चा अभी तो हैं लेकिन सीटें मन माफिक नहीं मिलने की आशंका से दोनों की नाराजगी बनी हुई है।

माना जा रहा है कि बात नहीं बन पाने की स्थिति में दोनों बिहार में आरजेडी के नेतृत्व वाले इंडिया अलायंस में शामिल हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि इंडी अलायंस ने भी अपने साथी दलों के बीच सीटों का बंटवारा रोक रखा है। एनडीए ने सभी साथी दलों से बातचीत कर यह तो संकेत दे ही दिया है कि किसे कितनी सीटें दी जा सकती हैं। कम सीटों के अंदेशे से एनडीए के साथ अब तक रहे आरएलजेपी, आरएलएम और हम के नेता परेशान हैं। आरएलजेपी के अध्यक्ष पशुपति पारस ने तो साफ कह दिया है कि वे सीटों के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं। अगर एनडीए ने उन्हें सम्मानजनक सीटें नहीं दी तो वे नए रास्ते तलाशने के लिए स्वतंत्र होंगे। आरएलएम के उपेंद्र कुशवाहा कुछ बोल तो नहीं रहे लेकिन उनके मन में भी नाराजगी है। हम के नेता जीतन राम मांझी को संतुष्ट करने की भाजपा ने पूरी कोशिश की है। उनके बेटे संतोष सुमन को भाजपा ने एमएलसी-मंत्री बना कर उन्हें बिहार में 3 महत्वपूर्ण विभाग देकर संभालने की पूरी कोशिश की है। लेकिन बारगेनिंग के लिए वे कब किस बात पर बिदक जाएं कहना मुश्किल है। इंडी अलायंस में अभी आरजेडी, कांग्रेस के अलावा तीन वामपंथी दल शामिल हैं। उसे उम्मीद है कि पशुपति पारस भी उसके समूह में आ सकते हैं।

जल संकट- नहाना तो दूर खाना बनाने तक के लिए नहीं मिल रहा पानी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में इस बार पानी का घोर संकट है। यहां तमाम तरह के प्रतिबंध लगाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं निकल रहा है। लोगों को नहाने के लिए पानी मिलना तो दूर की बात है खाना बनाने तक के लिए पानी नहीं है। उन्हे बाहर से ऑर्डर करके खाना मंगाना पड़ रहा है। दो से तीन दिनों में नहाना और रेस्तरां से खाना ऑर्डर करना आम बात हो गई है। यहां तक कि ऊंचे अपार्टमेंट में रहने वाले लोग भी पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं। पानी की कमी बेंगलुरु में एक गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर अब रेस्तरां और एजुकेशनल इंस्टीट्यूट पर भी पड़ रहा है। रेस्तरां पानी के अधिक उपयोग से बचने के लिए डिस्पोजेबल कप, गिलास और प्लेटों का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट भी पानी की कमी से परेशान हैं।

हाल ही में, शहर के एक कोचिंग सेंटर ने अपने छात्रों को एक सप्ताह के लिए 'इमरजेंसी' के कारण

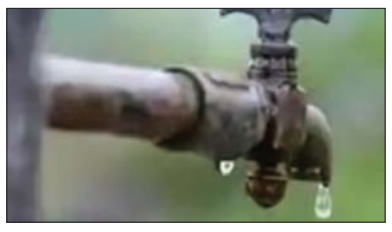

क्लासेस ऑनलाइन लेने को कहा। इसी तरह, बन्नेरघट्टा रोड पर एक स्कूल भी बंद कर दिया गया, और स्टूडेंट्स को कोविड के समय की तरह की ऑनलाइन क्लास लेने को कहा गया। यह स्पष्ट है कि पानी की कमी बेंगलुरु के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है। इस संकट से निपटने के लिए, शहर के लोग पानी बचाने के लिए नए तरीके अपना रहे हैं। केआर पुरम की निवासी सुजाता ने कहा, "गर्मी बढ़ने के साथ, रोजाना नहाए बगैर नहीं रहा जाता, लेकिन उनके पास एक दिन छोड़कर एक दिन नहाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोग पानी की कमी से इतने परेशान हैं कि कुछ लोगों को नहाने या टॉयलेट का उपयोग करने के लिए मॉल जाना पड़ रहा है। सिंगसंद्रा में रहने वाली एक आईटी प्रोफेशनल लक्ष्मी वी ने कहा कि वह अपनी कंपनी से ऑप्शन की अनुमति देने का अनुरोध कर रही हैं ताकि वह और उसका परिवार स्थिति बेहतर होने तक कुछ समय के लिए तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली रहने को जा सके। बेंगलुरु मुख्य रूप से कावेरी नदी के पानी और ग्राउंड वॉटर पर निर्भर है। सीवेज उपचार प्लांट से रीसाइकल्ड पानी का उपयोग पीने के अलावा कई चीजों के लिए किया जाता है। बारिश की कमी के कारण मुख्य जलस्रोतों पर दबाव ज्यादा है। बेंगलुरु को प्रतिदिन 2,600-2,800 मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है, लेकिन वर्तमान में इसका केवल आधा ही उपलब्ध है।

ईडी ने कविता को बताया दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले की मुख्य साजिशकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को राउज एवेन्यू अदालत ने 23 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। अदालत के समक्ष पेश ईडी की अर्जी में कहा गया, के कविता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तत्कालीन उपमुख्यमंत्री व तत्कालीन उत्पाद शुल्क मंत्री मनीष सिसौदिया के साथ सौदा किया, जिसमें उन्होंने साउथ ग्रुप के अन्य सदस्यों के साथ बिचौलियों के जरिए उन्हें रिश्वत का भुगतान किया। आप के नेताओं को दी गई रिश्वत के बदले में उन्हें नीति बनाने में शामिल किया गया। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें अपने डमी अरुण पिल्लई के जरिए पेरनोड रिकार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक फर्म और वितरण व्यवसाय में पर्याप्त निवेश के बिना इंडो स्पिरिट्स की साझेदारी में हिस्सेदारी मिली, जो देश के सबसे बड़े शराब निर्माताओं में से एक है।

इस तरह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 की अवधि में इंडो स्पिरिट्स को सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ। आवेदन में दावा किया गया है, नीति में थोक व्यापारी का लाभ मार्जिन बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया, ताकि इस मार्जिन में से इसका एक हिस्सा रिश्वत के रूप में वापस लिया जा सके। ऐसा अवैध धन का प्रवाह लागातार बनाए रखने के लिए किया गया था। ईडी ने दावा किया कि कविता और अन्य ने आप के शीर्ष नेताओं को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी, जो कि पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज श्रीनिवासुलु रेड्डी के 14 जुलाई 2023 को दर्ज बयान और 17 जुलाई 2023 को सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज उनके बयान से स्पष्ट है। अदालत में सौंपे गए बयान के अनुसार, श्रीनिवासुलु रेड्डी ने कहा कि मार्च 2021 में उन्होंने दिल्ली के एक अखबार में पढ़ा कि सरकार शराब व्यापार का निजीकरण कर रही है। चूंकि वह पिछले 71 वर्षों से दक्षिण भारत में शराब के कारोबार से जुड़े हैं, उन्होंने दिल्ली में अपने करोबार के विस्तार पर विचार किया और सीएम केजरीवाल से मिलने की मांग की थी। वह अगले दिन मिले। उन्होंने उन्हें बताया कि केजरीवाल ने उनसे बात की थी। बयान में कहा गया है, कविता ने उनसे कहा कि उनके सीए बुची बाबू इस समन्वय के लिए उनसे और उनके बेटे राघव मगुंटा से मिलने आएंगे। बुची बाबू अगले दिन उनसे मिलने गए और राघव मगुंटा ने उनसे कहा कि वह 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर सकते हैं और आखिरकार 25 करोड़ रुपये नकद में दिए गए

कविता की गिरफ्तारी को चुनावी स्टंट बताया

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को दिल्ली शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बीआरएस एमएलसी के कविता की गिरफ्तारी को चुनावी स्टंट बताया। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से एक दिन पहले कविता की गिरफ्तारी भाजपा द्वारा खुद को भ्रष्टाचार के खिलाफ चैंपियन के रूप में प्रदर्शित करने और साथ ही अपने सहयोगी बीआरएस के लिए कुछ सहानुभूति हासिल करने का एक प्रयास था। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा दोनों कांग्रेस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए सस्ती राजनीतिक

रणनीति का सहारा ले रहे हैं, क्योंकि सर्वेक्षणों का अनुमान है कि कांग्रेस तेलंगाना में 17 लोकसभा सीटों में से 12 सीटें जीतेगी। रेवंत रेड्डी ने कविता की गिरफ्तारी पर बीआरएस अध्यक्ष और कविता के पिता के। चंद्रशेखर राव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, 'केसीआर ने गिरफ्तारी की निंदा नहीं की है, जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे उचित नहीं ठहराया है।

आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट

आइसलैंड । आइसलैंड के रेक्जेन्स में शनिवार देर रात ज्वालामुखी विस्फोट हुआ। पिछले 4 महीने में आइसलैंड पर होने वाला यह चौथा ज्वालामुखी विस्फोट है। विस्फोट के बाद ज्वालामुखी का लावा ग्रिंडाविक शहर के पास पहुंच गया। अधिकारियों ने पहले ही ग्रिंडाविक शहर को खाली करवा दिया था। एक्सपर्ट ने इस विस्फोट को अब तक का सबसे खतरनाक ज्वालामुखी विस्फोट बता रहे हैं। इस विस्फोट के बाद आइसलैंड में इमरजेंसी का ऐलान कर दिया गया है।

भारतीय नौसेना ने बचाया हाइजैक जहाज

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने 3 महीने पहले अदन की खाड़ी में हाईजैक हुए जहाज एमवी रुएन को बचाने का ऑपरेशन पूरा कर लिया है। ऑपरेशन भारत के समुद्री तट से 2800 किलोमीटर दूर चलाया गया। नौसेना ने बताया कि उनकी कार्रवाई के बाद 35 समुद्री लुटेरों ने सरेंडर किया और 17 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित निकाला गया। जहाज का क्रू 110 से ज्यादा दिनों से लुटेरों के कब्जे में था। रेस्क्यू ऑपरेशन 40 घंटे तक चला। इसे पूरा करने के लिए युद्धपोत आईएनएस सुभद्रा, ज्यादा ऊंचाई तक उडऩे वाले ड्रोन, पी8आई पैट्रोलिंग एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल हुआ। अब हाईजैक हुआ जहाज एमवी रुएन पूरी तरह भारतीय नौसेना के कब्जे में है। सेना ने इसकी तलाशी ली है।

केनबरा में आतिशबाजी के एक समारोह से आसमान जगमगा उठा।

रुस में बंपर वोटिंग पुतिन के राहत या आफत...?

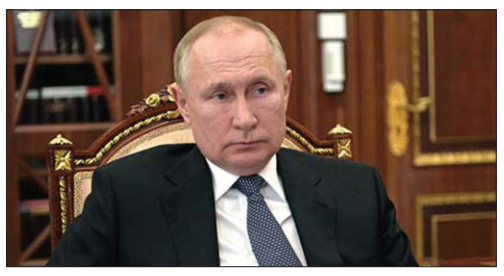

मॉस्को। रुस में राष्ट्रपति का चुनाव चल रहा है। यहां आज मतदान का अंतिम दिन है। वोटिंग बंपर हो रही है। ऐसे में सवाल उठने लगा कि यह बंपर वोटिंग राष्ट्रपति पुतिन के लिए राहत है या आफत? चुनाव आयोग के उपाध्यक्ष निकोले बुलाएव ने मीडिया को बताया कि देशभर में अब तक 51.77 फीसदी मतदान हो चुका है। इस बार मतदान 15 मार्च से 17 मार्च तक तीन दिनों तक चलेगा, उम्मीद की जा रही है कि मतदान के आकड़ों में और बढ़ोत्तरी हो सकती है। 2020 में रूसी सरकार द्वारा लाए गए संवैधानिक रिफोर्म को बाद ये पहला चुनाव है। रिफोर्म के बाद व्लादिमीर पुतिन का 2036 तक राष्ट्रपति बने रहने का रास्ता साफ हो गया था। इस चुनाव में चार उम्मीदवार पुतिन के सामने चुनाव लड़ रहे हैं, जिसमें लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के लियोनिद स्लटस्की, कम्युनिस्ट पार्टी के निकोले खारिटोनोव और न्यू पीपल पार्टी की ओर सेव्लादिस्लाव दावानकोव शामिल है। ओल्गा किरिलोवा के मुताबिक दौपहर 3 बजे तक मतदान प्रक्रिया प्रबावित होने की कोई खबर नहीं मिली है, पूरे देश में शांतिपूर्वक मतदान हो रहा है। उन्होंने ये भी बताया कि देश में 39 लाख से ज्यादा लोगों ने मतदान किया है। बता दें इस बार उन इलाकों में वोटिंग हो रही है जिन्हे रूस ने 2022 के बाद यूक्रेन से हासिल किया हैं, जिसकों लेकर यूक्रेन और पश्चिमी देश विरोध भी कर रहे हैं।

ट्रंप ने दी धमकी बोले-चुनाव नहीं जीता तो खून खराबा होगा

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुले मंच से धमकी दी है कि वे चुनाव हार गए तो देश में खुन खराबा होगा। ओहायो में एक जनसभा में ट्रंप ने कहा कि इस बार चुनाव की तारीख अमेरिका के इतिहास में सबसे अहम होने जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीनी चाहते हैं कि वे मैक्सिको में कार बनाएं और फिर अमेरिका में बेचें। अगर मैं राष्ट्रपति चुना जाता हूं तो ऐसा नहीं होने दूंगा। और अगर मैं नहीं जीतता हूं तो पूरे देश में खून-खराबा शुरू हो जाएगा। वह डायटन में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप को प्रिजम्टिव नॉमिनी बनाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की ऑटो इंडस्ट्री के बारे में बात कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने खून खराबे वाला भी बयान दे डाला। उन्होंने कहा, आप 5 नवंबर की तारीख नोट कर लीजिए। यह बहुत ही अहम तारीख होने जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी इतिहास में अब तक के सबसे बुरे राष्ट्रपति जो बाइडेन हैं।

नासा का देखा सपना पूरा कर पाएगा ड्रैगन?

बीजिंग। चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन में वैज्ञानिक ली शाओवेई के नेतृत्व वाली टीम ने एक पेपर लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च टेक्नोलॉजी वर्तमान की चुनौतियों से निपटने में मदद देती है। इस थ्योरी की टेस्टिंग के लिए सीएएसआईसी ने शांक्सी प्रांत के दातोंग के इंडस्ट्रियल एरिया में 2 किमी कम-वैक्यूम ट्रैक हाई-स्पीड मैग्लेव टेस्ट फैसिलिटी का निर्माण किया है। यह फैसिलिटी किसी भारी वस्तु को ध्वनि की गति के करीब 1000 किमी प्रति घंटे तक ले जा सकती है। आने वाले वर्षों में टेस्ट लाइन की लंबाई 5000 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के लिए बनाई जाएगी। चीन पहला देश नहीं है जिसने इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेस लॉन्च का प्रस्ताव दिया है। इस तरह के कॉन्सेप्ट शीत युद्ध के समय से ही हैं। 1990 के दशक में नासा ने इस विचार को कागज से वास्तविकता में लाने की कोशिश की, जिसमें पहला कदम एक 15 मीटर की मिनी टेस्ट लाइन का निर्माण था। हालांकि तब इस प्रोजेक्ट के लिए धन की कमी के कारण पूरे ट्रैक की लंबाई 10 मीटर से कम थी। बाद में इस परियोजना को रद्द कर दिया गया। अब चीन इसमें कामयाबी पाएगा या नहीं यह आने वाला वक्त बताएगा।

पेंसिल्वेनिया में गोलीबारी, 3 की मौत

न्यू जर्सी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया स्थित फिलाडेल्फिया के फॉल्स टाउनशिप में शनिवार को गोलीबारी में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी न्यू जर्सी के ट्रेंटन भाग गया। वहां उसने एक घर में खुद को कैद कर लिया। पुलिस ने वहां आकर हमलावर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 26 साल के आंद्रे गॉर्डन के रूप में हुई है। मृतकों में गॉर्डन की सौतेली मां, 13 साल की बहन और उसके दो बच्चों की मां थीं। पेंसिल्वेनिया की फॉल्स टाउनशिप पुलिस ने बताया कि युवक ने एआर-15 स्टाइल असॉल्ट राइफल से घटना को अंजाम दिया है।

अमेरिकी स्पेस ट्रैवल कंपनी अंतरिक्ष में कराएगी डिनर

-6 लोगों को पृथ्वी के वायुमंडल के ऊपर परोसा जाएगा खाना, 4.10 करोड़ का एक टिकट

फ्लोरिडा। अमेरिका की स्पेस ट्रैवल कंपनी स्पेस वीआईपी जल्द ही अंतरिक्ष में डिनर का अनुभव देने वाली है। कंपनी ने छह घंटे की हाई-टेक स्पेस बैलून यात्रा के लिए एक मिशेलिन स्टार रेस्तरां से नीदरलैंड के शेफ रसमस मंक को हायर किया है। इस यात्रा के लिए 6 लोगों का चुनाव होगा, जिन्हें पृथ्वी के वायुमंडल के 99 प्रतिशत ऊपर डिनर कराया जाएगा। इसके लिए एक टिकट की कीमत करीब 4.10 करोड़ होगी। 6 घंटे की यह यात्रा अगले साल शुरू होगी। इस यात्रा के लिए स्पेस वीआईपी कंपनी स्पेस पर्सपेक्टिव कंपनी के स्पेसशिप नेपच्यून का इस्तेमाल करेगी। यह फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से अपनी पहली उड़ान भरेगा। स्पेस वीआईपी अंतरिक्ष में भोजन का मौका देने वाली पहली कंपनी नहीं है। पिछले साल फ्रांस की कंपनी जेफाल्टो ने घोषणा की थी कि वो 2025 से लोगों को करीब 1.09 करोड़ रुपए में स्ट्रैटोसफेयर में एक बैलून में भोजन करने का मौका देंगे।

यात्री स्पेस से दोस्तों-परिजनों से जुड़ सकेंगे- स्पेस बैलून जैसे ही समुद्री स्तर से 1 लाख फीट ऊपर पहुंचेगा, स्पेस बैलून में मौजूद यात्रियों को वाईफाई की सुविधा मिलेगी। इसके जरिए वो अपनी यात्रा को सोशल मीडिया पर लाइवस्ट्रीम कर सकेंगे। इसके अलावा वो अपने दोस्तों और घरवालों से भी जुड़ सकेंगे। यात्रियों को पृथ्वी की कर्वेचर (वक्रता) पर सूर्योदय को भी देखने का मौका भी मिलेगा। इसके अलावा यात्रियों को स्पेस बैलून में खास डिनर परोसा जाएगा। इसके लिए शेफ रसमस मंक स्पेशल मेन्यू तैयार कर रहे हैं। यह अंतरिक्ष की थीम पर आधारित होगा। हालांकि, फिलहाल मेन्यू फाइनल नहीं किया गया है। शेफ रसमस कोपेनहेगन के रेस्तरां एल्केमिस्ट में काम करते हैं। इसे पिछले 4 साल के अंदर बेहतरीन खाने और सुविधा के लिए 2 बार मिशेलिन स्टार मिल चुका है।

अगले महीने से शुरू होगी टेस्ट ड्राइव- इसके अलावा यह रेस्चरां दुनिया के 50 सबसे अच्छे रेस्तरां की सूची में 5वें नंबर पर आता है। महंगी टिकट होने के बावजूद यात्रा की घोषणा होने के 24 घंटे के अंदर ही लोग इसके लिए रेजिस्टर कराने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

बलूचिस्तान पर उठाई आवाज, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मानवाधिकार उल्लंघन का संज्ञान लेने की अपील

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलोच यकजहती कमेटी प्रतिनिधि डॉ. महरंग बलोच ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बलूचिस्तान में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों का संज्ञान लेकर उसे खत्म करने की दिशा में हस्तक्षेप करने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार परिषद् के 55वें सत्र के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बलूचिस्तान के लिए स्टैंड लेने की अपील की।

डॉ. महरंग बलूच ने एक्स पर साझा की गई पोस्ट में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बलोच यकजहती कमेटी एक समूह है जो बलोच लोगों के अधिकारों की हिमायत करता है। यूएनएचआरसी में डॉ. महरंग ने सिलसिलेवार तरीके से बताया कि उनके पिता को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने गायब कर दिया और हिरासत में मार डाला। उनका छोटा भाई भी गायब कर दिया गया और महीनों तक यातनाएं झेलता रहा। हालांकि उन्होंने कहा कि वे अपने परिजनों के लिए नहीं बल्कि बलोच लोगों के प्रतिनिधि के रूप में उस व्यथा को रख रही हैं जिन्होंने लंबे समय तक अकल्पनीय पीड़ा सही है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बलूचिस्तान में हस्तक्षेप का अनुरोध किया। डॉ. महरंग बलूच ने कहा कि बलूचिस्तान के लोगों के साथ अमानवीयता, रातोंरात गायब किए जाने, न्याय प्रणाली को दरकिनार कर हत्या, फर्जी मुठभेड़ जैसे मामले हो रहे हैं। उनका आरोप है कि सत्ता प्रतिष्ठान की तरफ से बलूचिस्तान में धीमी गति से नरसंहार चल रहा है जिससे उनका पूरे समुदाय खतरे में है। उनका कहना है कि बलोच लोगों ने दशकों से पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान के उनके इलाके में किए गए मानवाधिकार उल्लंघन का लगातार विरोध किया है। इसलिए अब संयुक्त राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी बलूचिस्तान के लिए स्टैंड लेना चाहिए। उल्लेखनीय है डॉ. महरंग बलोच बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों के खिलाफ लगातार आवाज उठाती रही हैं। 1993 में बलूच परिवार में जन्मी महरंग ने एमबीबीएस की पढ़ाई की है। उनके पिता का नाम अब्दुल गफ्फार था जो की एक मजदूर थे। फरवरी 2009 उनके पिता को अस्पताल जाते वक्त किडनैप कर लिया गया था। इसके करीब दो साल उनकी लाश मिली। जब उसका पोस्टमार्टम कराया गया तब पता चला कि उन पर काफी अत्याचार किया गया था, जिस वजह से उनकी मौत हुई। डॉ. महरंग के परिवार पर अत्याचारों का सिलसिला खत्म नहीं हुआ था। पिता की मौत के 8 साल बाद यानी 2017 में उनके भाई को भी अगवा कर लिया गया और करीब 3 महीने तक हिरासत में रखा। डॉ. महरंग ने छोटी उम्र से ही पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के खिलाफ आवाज उठाना शुरू कर दिया था। आगे चलकर वे बलूचिस्तान में विरोध का बड़ा चेहरा बन गईं।

भारत से तनाव के बीच बोले राष्ट्रपति मुइज्जू बाहरी लोग न करें चिंता

माले (एजेंसी)। मालदीव से भारतीय सैनिकों का एक जत्था रवाना होने के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हुआ है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने धमकी भरे अंदाज में कहा है कि हमने जो भी किया है भारत की सुरक्षा के लिए किया है। इससे बाहरी पार्टियों को समस्या नहीं होनी चाहिए। चीन समर्थित राष्ट्रपति मुइज्जू का बयान ऐसे समय में आया है, जब भारतीय सेना का एक हेलीकॉप्टर जवानों के एक जत्थे को लेकर भारत लौटा है। यह हेलीकॉप्टर भारत ने ही मालदीव को गिफ्ट के तौर पर दिया था लेकिन चुनाव जीतने के बाद से ही मुइज्जू अपने भारत विरोधी अभियानों में जुटे हैं। मोहम्मद मुइज्जू ने कहा, मालदीव एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र है और मालदीव के अधिकार क्षेत्र की निगरानी से किसी भी बाहरी पक्ष को चिंता नहीं होनी चाहिए।

मुइज्जू के कार्यालय की तरफ से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया है कि, मालदीव की स्वतंत्रता और संप्रभुता अलग-अलग विचारधाराओं के बावजूद, पूरी आबादी के साझा हित में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे मालदीव के सभी देशों के साथ घनिष्ठ संबंधों में बाधा नहीं आएगी। भारत मालदीव में सैन्य मौजूदगी वाला एकमात्र देश है। मालदीव की ताजा राजनीतिक परिस्थितियां मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद बदली है, जो कि एक चीन समर्थक हैं। अपने चीन समर्थक अभियानों की वजह से माना जाता है कि मुइज्जू को 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। मालदीव करीब होने के चलते भारत के लिए काफी अहम हो जाता है लेकिन यहां चीन का साया मंडरा रहा है। वहीं दूसरी तरफ विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया था कि मालदीव में तैनात भारतीय सेना का पहला जत्था स्वदेश लौट आया है। मालदीव सरकार ने भारतीय सेना के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की तारीख तय की थी। हालांकि, 26 फरवरी को एक सिविलियन टेक्निकल टीम मालदीव पहुंची थी, जो भारतीय सैन्यकर्मियों की जगह लेंगे और वहां तैनाती भारतीय इक्वीपमेंट्स का संचालन करेंगे। मई महीने तक तमाम सैनिक भारत लौट आएंगे।

चीन की मदद से पाकिस्तान को मिला पहला जासूसी जहाज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान से कभी लड़ाकू जहाज बिकने की खबर आती है तो कभी जासूसी जहाज मिलने की खबरें चलती है। अब पाकिस्तान की खुशी का कारण बना है पाकिस्तान की नौसेना को अपना पहला जासूसी जहाज पीएनएस रिजवान मिल गया है। इस काम में पाकिस्तान की चीन ने जमकर मदद की है। इस जासूसी पोत का निर्माण चीन में ही किया गया है। हालांकि इस जासूसी जहाज के बारे में पाकिस्तान ने अब तक कोई जानकारी नहीं दी है। बता दें कि इस तरह के जासूसी जहाज दुनिया के गिने चुने देशों के ही पास हैं। इनमें अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और भारत शामिल हैं। चीन आए दिन अपने जासूसी जहाज को हिंद महासागरम में उतारेदता है। वह भारत के मिसाइल लॉन्च सिस्टम पर नजर रहने के फिराक में रहता है। चीन के साथ चल रही तनातनी के बीच वह भारत की ताकत के बारे में हर खबर रखना चाहता है। भारत चीन की इन हरकतों का जवाब भी देता रहा है। हालांकि श्रीलंका और मालदीव जैसे देशों की वजह से चीन को हिंद महासागर में जहाज उतारने का मौका मिल जाता है।

माना जा रहा है कि पाकिस्तान ने जासूसी जहाज को अपने बेड़े में शामिल करके भारत के आईएनएस ध्रुव का जवाब दिया है। पाकिस्तानी जासूसी जहाज के पास भी न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल को ट्रैक करने और अन्य खुफिया जानकारियां जुटाने की क्षमता है। भारत के आईएनएस ध्रुव से मिलती जुलती क्षमता इसकी भी है। भारत में निर्मित आईएनएस ध्रुव 175 मीटर लंबी मिसाइल रेंज इन्स्ट्रुमेंटेशन शिप है। यह लॉन्ग रेंज रडार, डोम शेप ट्रैकिंग एंटीना और एडवांस सिस्टम से लैस है। पाकिस्तान का पीएनएस रिजवान आईएनएस ध्रुव की तुलना में छोटा है। बता दें कि आईएनएस ध्रुव को 2021 में भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। बता दें कि आईएनएस ध्रुव का निर्माण विशाखापत्तनम के हिंदुस्तान शिपयार्ड पर हुआ था। इसे नौसेना, डीआरडीओ और एनटीआरओ ने मिलकर बनाया था। भारत ने अपने शिप का निर्माण खुद किया है।

कंगाल पाकिस्तान के नहीं बदले हाल... गैस की कीमत 500 पार

-नई सरकार आने के बाद भी जनता मंहगाई से हुई परेशान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में नई सरकार आने के बाद भी जनता को राहत नहीं मिली है। रमजान के पवित्र महीने में गैस की कमी पाकिस्तान में एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। जबकि शाहबाज सरकार ने आश्वासन दिया था कि गैस सप्लाई रमजान के दौरान बाधित नहीं होगी। अब लोगों को एलपीजी सिलिंडर पर निर्भर होना पड़ रहा है, इसकारण इनके दाम आसमान छू रहे हैं। एलपीजी सिलेंडर बेचने वाले डीलर इस समय मुंहमांगा दाम वसूल रहे हैं। इनकी कीमत दोगुनी बढ़ गई है, जिससे पाकिस्तान की जनता परेशान है।

कराची के रहने वाले शान ने दुख जताकर कहा, कुछ दिन पहले एक सिलेंडर की कीमत 200 रुपए थी। लेकिन जब से रमजान शुरू हुआ है कीमतें 500 रुपए तक बढ़ गई हैं। उन्होंने शिकायत की कि इस मंहगाई के कारण उनका बजट बिगड़ गया है। आसिफ अब्बासी नाम के शख्स ने कहा कि सरकार ने गैस की कीमतें कई गुना बढ़ा दी हैं। उन्होंने बताया कि सिलेंडर की एलपीजी माफिया कालाबाजारी कर रहे हैं, लेकिन सरकार आंखें मूंदे हुए है। पेशावर की रहने वाली सकीना ने कहा, एलपीजी के सिलेंडर विकल्प हैं, लेकिन अब वह भी महंगे हो गए हैं। गैस की कमी ने जिंदगी मुश्किल बना दी है। यहां की रहने वाली जहरा ने कहा, गैस कभी-कभी शाम 4 से शाम 7 बजे तक मिलता है। और अगर भाग्य ने साथ दिया, तब सुबह 4 से 7 बजे तक भी मिलता है। लेकिन इतने कम समय में न ठीक से खाना बना सकते हैं और न ही बच्चों के लिए नाश्ता बना सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान में एलपीजी की कीमतें 300-500 रूपए प्रति किग्रा तक पहुंच गई हैं।

अलबर्टा में भारतीय उच्चायुक्त वर्मा का स्वागत देख चिढ़े खालिस्तानी

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा के अलबर्टा में भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा के स्वागत को लेकर खालिस्तानी इतना चिढ़े कि वे वेन्यू के बाहर हंगामा करने पहुंच गए। एक खालिस्तानी हवा में तलवार लहराता भी नजर आया। इसी बीच भारत समर्थकों के साथ झड़प हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा की पुलिस ने स्थिति को संभाला और दोनों गुटों को समझा-बुझाकर शांत किया। बता दें कि खालिस्तानियों की धमकी को देखते हुए कालगरी में होने वाले कार्यक्रम को कैंसल कर दिया गया था। वहीं किसी दूसरी जगह पर उच्चायुक्त के स्वागत के रुप में केवल लंच का इंतजाम किया गया था। बता दें कि पीएम जस्टिन ट्रूडो द्वारा भारत पर खालिस्तानी निज्जर की हत्या का आरोप लगाने के बाद वर्मा पहली बार वेस्टर्न कनाडा के दौरे पर पहुंचे थे। खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने पहले ही वर्मा पर हमला करने की धमकी दी थी। जिसके बाद कनाडा के विदेश मंत्रालय ने भी इसका संज्ञान लेकर उनकी सुरक्षा में इजाफा कर दिया था। वहीं खालिस्तान समर्थकों पर कड़ी नजर रखी जा रही थी। भारतीय उच्चायुक्त वर्मा ने कहा था कि, खालिस्तान समर्थकों ने कार्यक्रम को बाधित करने की पूरी कोशिश की थी लेकिन वे सफल नहीं हो सके। उन्होंने बताया था कि 80 के करीब खालिस्तान समर्थक वहां पहुंचे थे।

अमेरिका के लिए जासूसी सैटेलाइट का नेटवर्क बना रही एलन मस्क की कंपनी

-दुनिया के हर कोने पर नजर रखेगी अमेरिकी सेना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन के लिए जासूसी सैटेलाइट का नेटवर्क विकसित कर रही है। गोपनीय जानकारी के अनुसार, एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका की खुफिया एजेंसी यूएस राष्ट्रीय टोही कार्यालय के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। यह प्रोजेक्ट 1.8 अरब डॉलर का है, जिसके तहत मस्क की कंपनी कई जासूसी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजेगी, जिनकी मदद से पूरी दुनिया के कोने-कोने पर नजर रखी जाएगी।

स्पेसएक्स और एनआरओ के बीच 2021 में यह समझौता हुआ था। अमेरिका की एनआरओ एजेंसी ही अमेरिका की विभिन्न सैटेलाइट्स का संचालन करती है। एनआरओ और स्पेसएक्स के बीच हुआ समझौता अगर सफल रहता है तो इससे अमेरिकी सेना की निगरानी क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी और अमेरिका आसानी से पूरी दुनिया पर खुफिया तौर पर निगाह रख सकेगा। फरवरी में भी मीडिया रिपोर्ट्स में इस डील की खबरें प्रकाशित हुईं थी, लेकिन उस वक्त यह पता नहीं चला था कि 1.8 अरब डॉलर की यह बड़ी डील किस कंपनी को मिली है।

सैंकड़ों सैटेलाइट लॉन्च करेगी स्पेसएक्स

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेसएक्स डील के तहत सैंकड़ों सैटेलाइट आसमान में लॉन्च करेगी। ये सैटेलाइट पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित की जाएंगी और ये सैटेलाइट दुनिया के कोने-कोने पर नजर रखेंगी। हालांकि यह प्रोजेक्ट कब तक पूरा होगा, इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। स्पेसएक्स दुनिया की सबसे बड़ी सैटेलाइट ऑपरेटर कंपनी है। हालांकि अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर न तो स्पेसएक्स और न ही एनआरओ ऑफिस की तरफ से कोई बयान नहीं दिया गया है।

दीक्षा ने अमेरिका में 71 का कार्ड खेलकर कट पार किया

लॉन्गवुड, फ्लोरिडा, भारत की स्टार महिला गोल्फर दीक्षा डागर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में एप्सन टूर पर आईओए गोल्फ क्लासिक के अंतिम दौर में जगह बना ली है। लेडीज़ यूरोपियन टूर पर दो बार की विजेता, जो अपने घरेलू कार्यक्रम, महिला इंडियन ओपन को जीतने के करीब पहुंची थी, ने 3-ओवर तक पहुंचने और कट बनाने के लिए पार 71 का कार्ड खेला। तीन राउंड की स्पर्धा में दीक्षा संयुक्त-58वें स्थान पर हैं। तीन खिलाड़ी लिंडसे मैक्कर्डी (66), डेवी वेबर (66) और चीनी ताइपे के विवियन होउ (63) शीर्ष तीन स्थानों पर काबिज हैं। लॉन्गवुड कोर्स में मैक्कर्डी 11-अंडर के साथ पहले, वेबर (66-66) 10-अंडर के साथ दूसरे और विवियन 8-अंडर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मारिया गाल्डियानो (70-65) और जेसिका पेंग (66-69) 7-अंडर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। दीक्षा (74-71) 3-ओवर हैं क्योंकि कट समान नंबर पर लगाया गया। दीक्षा अगले सप्ताह एप्सन टूर इवेंट में भी खेलेंगी। दीक्षा ने पहले और तीसरे होल में बर्डी लगाई और चौथे होल में बोगी मारी। फिर सातवें होल पर बैक-टू-बैक बोगी और आठवें पर बर्डी का मतलब पार स्कोर किया। बैक नौ में, उसने 10वें और 11वें होल में बर्डी खेली, 13वें और 14वें होल पर बोगी मारी और 16वें होल में एक बर्डी के बाद 17वें होल में एक बोगी मारी । उन्होंने इस राउंड में छह बर्डी और छह बोगी खेलीं।

ओलंपिक में जीत के लिए प्रदर्शन में निरंतरता जरुरी : श्रीजेश

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने कहा है कि ओलंपिक में भारतीय टीम पदक जीतने के इरादे से उतरेगी। श्रीजेश के अनुसार टीम से सभी को काफी उम्मीदें हैं पर इसे दबाव मानने की जगह पर हम उर्जा स्रोत मानकर चल रहे हैं। उनका कहना है कि टीम का ध्यान प्रदर्शन में निरंतरता पर रहेगा क्योंकि इसी से सफलता मिलेगी। श्रीजेश ने कहा कि पिछली बार तक सभी बोलते थे कि हमारा हॉकी में गौरवशाली इतिहास है और हमें ओलंपिक में पदक जीतना है।

इस बार हमारे पास कांस्य पदक है और अब हमसे स्वर्ण की अपेक्षाएं हैं। टोक्यो ओलंपिक के बाद से ही हमने लगातार अच्छा खेला है और कई टूर्नामेंट जीते हैं जिससे टीम का मनोबल बढ़ा है। टीम पर दबाव से इंकार नहीं किया जा सकता पर ये सकारात्क है। इससे पता चलता है कि हम पदक जीतने में सक्षम हैं।

हमारी टीम का मूल मंत्र है कि मैदान के बाहर के दबाव को बाहर ही रखो, उसे अंदर लेकर मत आओ। दबाव हम स्वयं बनाते हैं, परिवार का, महासंघ का, दर्शकों का, मीडिया का या फिर सोशल मीडिया का पर हम उसे टीम में नहीं लाते और अपने खेल पर ध्यान देते हैं। अपनी ताकत, कमजोरियों की जगह लक्ष्य पर

विचार करते हैं। बस इस बारे में ही सोचते हैं।

श्रीजेश ने कहा कि ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट में दबाव होना तय है लेकिन हम उसे सकारात्मक रुप से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 4 साल में टीम में और कोचिंग स्टाफ में बदलाव हुआ और माहौल भी बदला है पर लक्ष्य एक ही है कि हमें ओलंपिक पदक जीतना है और वही सभी के दिमाग है। कई बार निचली रैंकिंग की टीम से हमें कड़ी चुनौती मिली है, इसलिए हम निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं। ओलंपिक में पहले दिन से अंत तक हॉकी के मैच होते हैं, इसलिए हमें अपनी निरंतरता पर ध्यान देना होगा।

स्लोवेनिया की डालीला बनी चैंपियन

भारत की श्रीवल्ली को दूसरा खिताब जीतने से रोका -

आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर महिला डब्ल्यू-35 टेनिस टूर्नामेंट

इन्दौर ।

स्लोवेनिया की डालीला जुकुपोविक ने भारत की श्रीवल्ली रश्मीका को भारतीय टेनिस महासंघ के तत्वावधान में मध्यप्रदेश टेनिस संघ व इंदौर टेनिस क्लब द्वारा प्रायोजित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर डब्ल्यू-35 डॉलर 25000 इनामी राशि महिला टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में सीधे सेटों में पराजित कर चैंपियन होने का गौरव हासिल किया। डालीला गत माह इन्दौर में ही हुए डब्ल्यू-50 टेनिस टूर्नामेंट में डालीला उपविजेता रही थी। इन्दौर टेनिस क्लब में खेली गई इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय टेनिस स्पर्धा का फाइनल भारत की गैरवरीयता प्राप्त श्रीवल्ली रश्मीका और स्लोवेनिया की डालीला जुकुपोविक के मध्य हुआ। अपने दमदार खेल की बदौलत कई उलटफेर करते हुए श्रीवल्ली ने फाइनल में स्थान बनाया था और युगल खिताब के बाद एकल में भी जीत की उम्मीद उनसे लगाई जा रही थी, लेकिन 32 वर्षिय डालीला ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए श्रीवल्ली को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से पराजित कर आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर डब्ल्यू-35 का खिताब अपने नाम किया। पहले गेम से ही डालीला ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे और श्रीवल्ली पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। उम्दा ग्राउंड स्ट्रोक और पूरे कोर्ट पर श्रीवल्ली को दौड़ाते हुए डालीला ने 33 मिनट में ही पहला सेट अपने नाम कर लिया। पहले सेट में डालीली ने श्रीवल्ली की दो सर्विस ब्रेक कर पाइंट अर्जित किए। दूसरे सेट के चौथे गेम में डालीला ने श्रीवल्ली की सर्विस ब्रेक कर 3-1 की बढ़त बना ली और छठे गेम तक बढ़त 5-1 कर ली थी, लेकिन फिर श्रीवल्ली ने वापसी की कोशिश की और डालीला की सर्विस ब्रेक करते हुए स्कोर 2-5 किया, लेकिन डालीला ने आठवें गेम में उम्दा खेल दिखाते हुए श्रीवल्ली की सर्विस तोड़ते हुए सेट और मैच अपने नाम कर लिया। कुल 1 घंटा 7 मिनट तक चले

इस मुकाबले में डालीला के आगे 22 वर्षिय यह भारतीय युवा खिलाड़ी संघर्ष करती नजर आई। हालांकि उन्होंने फाइनल तक का सफर काफी शानदार अंदाज में तय किया और कई वरीयता प्राप्त और अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाडियों को पराजित किया। विजेता खिलाड़ी डालीला जुकुपोविक को 3935 डॉलर (लगभग तीन लाख 30 हजार रु.) की राशि के साथ 35 आईटीएफ अंक भी हासिल हुए। वहीं उपविजेता श्रीवल्ली को 2107 डॉलर (लगभग एक लाख चैहत्तर हजार रु.) की राशि के साथ 23 आईटीएफ अंक हासिल हुए। टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण दीपक सिंह, कमिश्नर इन्दौर संभाग के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षता अनुराग, आईजी ग्रामीण ने की। इस अवसर पर भारतीय टेनिस महासंघ के सचिव अनिल धूपर, आईटीसी ट्रस्टी बी.एस. छाबड़ा, हेमंत पटवा, टूर्नामेंट डायरेक्टर अर्जुन धूपर उपस्थित थे। संचालन साजिद लोदी ने किया।

डब्ल्यूपीएल के कारण अमेलिया और सोफी इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 से बाहर हुईं

वेलिंग्टन ।

न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर अमेलिया केर और सोफी डिवाइन महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में व्यस्त होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ 19 मार्च से डुनेडिन में शुरु हो रही पांच टी-20 सीरीज के शुरुआती मैच में नहीं खेलेंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने अपने एक बयान में कहा, भारत में जारी महिला प्रीमियर लीग के कारण ये इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले मैच तक नहीं लौट पायेंगी।।

एनजेडसी ने कहा कि 22 मार्च को नेल्सन में होने वाले दूसरे टी-20 के लिए केर उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि डिवाइन रविवार को डब्ल्युपीएल फाइनल के तुरंत बाद अपनी जोड़ीदार सोफी के साथ टीम के लिए उपलब्ध रहेंगी। न्यूजीलैंड ने विकल्प के रूप में बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर को टीम में बुलाया है और क्रीन्सटाउन में इंग्लैंड ए के खिलाफ दूसरे मैच के बाद न्यूजीलैंड ए टीम से एक दूसरे खिलाड़ी का भी चयन किया जाएगा। डिवाइन और केर के अनुपलब्ध होने पर सुजी बेट्स शुरुआती टी-20 मैच में न्यूजीलैंड की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, 'सीरीज की शुरुआत के लिए हमारे साथ केर और सोफी का न होना स्पष्ट रूप से निराशाजनक है। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि पिछले कुछ समय से ऐसा हो रहा है इसलिए हमने सभी परिदृश्यों के लिए योजना बनाई है और सकारात्मक बात यह है कि इससे अन्य खिलाड़ियों को इंग्लैंड की मजबूत टीम के खिलाफ अपने को आंकने का अवसर मिलेगा। वहीं इंग्लैंड के भी चार खिलाड़ी अपनी डब्ल्यूपीएल में खेलने के कारण पांच में से पहले तीन टी-20 के लिए अनुपलब्ध हैं।

रोहित के पास इस बार खुलकर बल्लेबाजी का मौका : फिंच

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच ने कहा है कि इस बार आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के पास खुलकर खेलने का अवसर है जिसका उन्हें लाभ उठाना चाहिये। फिंच के अनुसार इस बार रोहित कप्तान नहीं बल्कि एक बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे जिसका लाभ मुम्बई को होगा क्योंकि वह कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं होने से आधिक आजादी से खेल सकेंगे। इससे पहले के सत्र तक वह कप्तान थे जिसके कारण उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना पड़ता था। रोहित की कप्तानी में मुम्बई ने पांच बार आईपीएल खिताब जीता है पर इस बार उनकी जगह हार्दिक पंड्या को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। फिंच ने कहा कि रोहित के लिए अब एकमात्र चुनौती मैदान पर उतरकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देना है। भारतीय टीम के साथ ही वह मुम्बई के लिए पहले भी ऐसा करते रहे हैं। इसलिए इसमें उन्हें समस्या नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जब आप टीम की कप्तानी कर रहे होते हो तो आप

जहां भी जाते हो टीम के कप्तान होते हो। आप इसके बारे में बहुत अधिक सोच सकते हो पर अब वह अपने तरीके से खुलकर खेल सकते हैं जिसका सीधा लाभ उन्हें और मुंबई इंडियंस को होगा। वहीं फिंच ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम भी बेहतर प्रदर्शन करेगी क्योंकि उसके पास ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस बार केकेआर की टीम पिछली बार की तुलना में अच्छा प्रदर्शन करेगी। इसका कारण ये है कि स्टार्क जैसे गेंदबाज के होने से किसी भी टीम की गेंदबाजी बेहतर हो जाती है। स्टार्क की गेंदबाजी का सामना करना किसी भी विरोध टीम के लिए आसान नहीं रहता। वह पारी की शुरुआत में ही विकेट निकालकर विरोधी टीम पर दबाव बना सकते हैं।

ट्रॉलर्स पर भड़की धनश्री, कहा उनकी आधारहीन टिप्पणी से प्रभावित हो रहा मेरा परिवार

नई दिल्ली ।

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की पत्नी धनश्री वर्मा ने सोशल मीडिया पर इन लोगों को करारा जवाब दिया है। जो उनके और कोरियोग्राफर प्रतीक उटेकर की एक तस्वीर के कारण उनपर टिप्पणी कर रहे थे। इसी को लेकर धनश्री ने एक वीडियो जारी कर कहा कि ऐसे लोगों को समझना चाहिये की किसी की निजी जिंदगी पर उन्हें बिना जाने इस प्रकार की बातें नहीं कहनी चाहिये। साथ ही कहा कि इससे मेरे परिवार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इससे पहले प्रतीक और धनश्री की तस्वीर वायरल होने पर सोशल मीडिया पर खूब कमेंट आए थे। यह तस्वीर डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा के सीजन 11 की थी। इस दौरान वहां चहल भी मौजूद थे। धनश्री ने इसके बाद सोशल मीडिया छोड़ दिया था पर अब वह वापस लौट गयी हैं। उन्होंने कहा कि अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को फिर से शुरू करने से पहले, मुझे लगा कि मुझे कुछ चीजें साझा करने की ज़रूरत है, इसलिए मैं ये बातें कह रही हूं। किसी के बारे में अपने मन से राय नहीं बनानी चाहिये। मैं अपने जीवन में कभी भी ट्रोल या मीम्स से प्रभावित नहीं हुई पर हाल के ट्रोल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था क्योंकि इस बार मेरे परिवार पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा था। धनश्री ने कहा कि मंच से दूर रहना शांतिपूर्ण है। आप सभी को सोशल मीडिया पर अपने दिल और चरित्र को व्यक्त करने की आजादी है, इसलिए आप हमारी और हमारे परिवारों की भावनाओं को नजरअंदाज करना भूल जाते हैं। अगर हम सोशल मीडिया को इतना नकारात्मक बना देते हैं, तो हम केवल बड़े पैमाने पर नफरत फैला रहे हैं। अपने पेशे को देखते हुए मैं सोशल

मीडिया से ज्यादा समय तक दूर नहीं रह सकतीं, लेकिन उन्होंने कुछ भी अपमानजनक या आहत करने वाला पोस्ट करने से पहले संवेदनशीलता बरतने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया मेरे काम का एक प्रमुख हिस्सा है और मैं इसे छोड़ नहीं सकती। यही कारण है कि मैंने आज साहस जुटाया है और अपना रचनात्मक पक्ष आज यहां रखा है। बस आप लोगों से अनुरोध है कि थोड़ा और संवेदनशील बनें और हमारी प्रतिभा और कौशल पर ध्यान केंद्रित करें। साथ ही ट्रोलर्स को कहा कि मत भूलो कि मैं भी तुम्हारी बहन, मां, दोस्त की पत्नी की तरह ही एक महिला हूं।

राजस्थान रॉयल्स के कैंप पहुंचने पर जुरेल का हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। जुरेल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के कारण सबकी नजरों में आये हैं। अब आईपीएल में उनके प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। वह भी आईपीएल के लिए तैयार हैं। इसके लिए वह राजस्थान रॉयल्स के कैंप भी पहुंच गए हैं। यहां पहुंचने पर उनका शानदार स्वागत हुआ। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसे राजस्थान रॉयल्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया है। इस वीडियो में पहले जुरेल महंगी गाड़ी से उतरते हुए नजर आए। होटल में प्रवेश करने ही उन्हें तिलक लगाया गया। इसके बाद रॉयल्स टीम के एक प्रशंसक ने उन्हें सैल्यूट भी किया। इस क्रिकेटर को पहली बार राजस्थान रॉयल्स की ओर से 20 लाख रुपए में खरीदा गया था। तब से ही वह राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे हैं। इस क्रिकेटर ने अपने पदार्पण टेस्ट के साथ ही तीनों मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था। जुरैल का इस सीरीज में सबसे अधिक स्कोर 90 रन रहा था।

केकेआर के अभ्यास सत्र से जुड़े श्रेयस अय्यर

कोलकाता । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ गये हैं। श्रेयस टीम के कप्तान हैं। ऐसे में उनके अभ्यास सत्र से जुड़ने से टीम का मनोबल बढ़ा है। फिटनेस के कारण अब तक उनकी वापसी में देर हो रही थी। पीठ से जुड़ी परेशानियों के कारण अय्यर का टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में खेलना संदिग्ध लग रहा था। वहीं केकेआर ने अय्यर के शहर में पहुंचने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी की हैं। वह पीठ की सर्जरी के कारण पिछले साल आईपीएल में नहीं खेल पाये थे। उन्होंने सितंबर में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की थी पर पीठ दर्द उन्हें परेशान करता रहा। वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच में खेले थे पर इसके बाद उनकी पीठ में दर्द होने लग गया था। उन्हें बाकी बचे तीन टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। अय्यर मुंबई की तरफ से रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाए थे पर सेमीफाइनल और फाइनल में उन्होने खेला था। वहीं विदर्भ के खिलाफ फाइनल में वह पीठ दर्द से परेशान रहे। इस कारण वह मैच के अंतिम दो दिन मैदान पर नहीं उतरे। केकेआर अपने अभियान की शुरुआत ता में 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करेगी।

संक्षिप्त समाचार

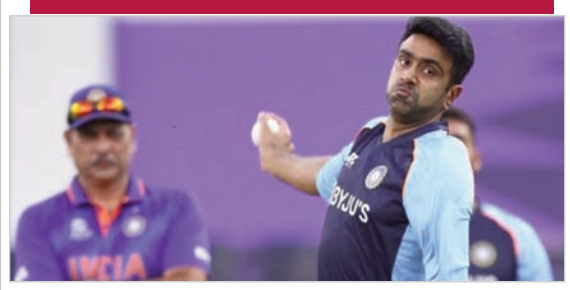

अश्विन अभी संन्यास के बारे में न सोचें : शास्त्री

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचना चाहिये। शास्त्री के अनुसार अश्विन अभी दो साल और खेल सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उन्होंने अपना 100वां टेस्ट मैच खेलते हुए अपने 500 विकेट भी परे किये हैं। जिससे पता चलता है कि अभी वह पूरी तरह से लय में हैं। इसलिए उन्हें अभी संन्यास का न सोचकर खेलते रहना चाहिये। शास्त्री ने कहा, ''इतनी बड़ी उपलब्धियां हासिल करना आसान नहीं होता। इसके लिए मेरी ओर से आपको ढ़ेर सारी शुभकामनायें। मेरा मानना है कि आपमें अभी काफी क्रिकेट बचा है क्योंकि स्पिनर उम्र बढ़ने के साथ ही परिपक्वता हासिल करते हैं। मुझे आप पर गर्व है। अपने खेल का आनंद लेते रहिये और कम से कम दो और साल तक बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी करते रहें।'' शास्त्री का मानना है कि अश्विन जिस तेजी से विकट ले रहे हैं। ऐसे में वह दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकते हैं। कुंबले के नाम 619 विकेट हैं। वहीं अगर अश्विन को दो साल और मिले तो वह इस आंकड़े को पार कर लेंगे। उन्होंने पिछले एक दशक में भारत की सफलता में अश्विन के योगदान की सराहना करते हुए कहा, ''मेरा मानना है कि वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह कभी भी संतुष्ट नहीं होते।''

पहले आईपीएल से मिली रकम से मैंने कर्ज लौटाया था : जुरेल

नई दिल्ली। भारतीय टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार पदार्पण से सभी का ध्यान खींचा है। जुरेल अभी 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इस युवा क्रिकेटर ने कठिन हालातों से निकलकर राष्ट्रीय टीम तक जगह बनाने में सफलता हासिल की है। जुरेल का क्रिकेट सफर बेहद कठिन रहा है। उनके पिता सेना से रिटायर हो गये थे। इस क्रिकेटर ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल के पहले सत्र सत्र से मिले पैसों से उन्होंने कर्ज की रकम लौटाने के साथ ही अपनी मां के लिए कुछ गहने भी खरीदे थे। जुरेल ने कहा, जब मेरे पिताजी किसी से उधार मांगते थे तो मुझे उतना अच्छा नहीं लगता था। मेरे पिता ने हमें कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि हम गरीब हैं। मेरे पिता चाहते थे कि मैं सेना में जाउं क्योंकि वह सेना में रहे थे। मुझे शुरु से ही क्रिकेट खेलने का काफी शौक था इसलिए मैंने बाद में क्रिकेट में ही करियर बनाने का सोचा था। जुरेल ने साथ ही कहा, मेरे परिवार पर बहुत कर्ज था। जब मुझे आईपीएल का पहला अनुबंध मिला तो मैंने अपने पहले वेतन से उधार वापस किया। इसके अलावा मैंने अपनी मां के लिए कुछ गहने भी खरीदे थे। जुरेल को पहली बार राजस्थान रॉयल्स की तरफ से 20 लाख रुपए में खरीदा गया था। वह तभी से ही राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हैं। इस बार भी वह राजस्थान की ओर से ही खेलते हुए दिखेंगे।

बेटे के जन्म के बाद स्वदेश लौटे विराट, पहली बार मुंबई हवाईअड्डे पर देखे गये

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली लंदन में बेटे अकाय के जन्म के बाद स्वदेश पहुंच गये हैं। विराट पिछले कुछ सप्ताह से अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका के साथ लंदन में ही थे। बच्चे के जन्म के कारण ही वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भी बाहर थे। उन्हें बेटे अकाय के जन्म के बाद पहली बार मुंबई हवाईअड्डे पर देखा गया। वह 22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के प्रशिक्षण शिविर में भी शामिल होंगे। विराट दूसरी बार पिता बने हैं। उन्होंने 20 फरवरी को अपने नवजात बेटे की खबर की घोषणा की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, अत्यधिक खुशी और प्यार से भरे दिलों के साथ हम सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 15 फरवरी को, हमने अपने बच्चे अकाय और वामिका के छोटे भाई का इस दुनिया में स्वागत किया! हम इस खूबसूरत समय में आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहते हैं। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि इस समय कृपया हमारी निजता का सम्मान करें। प्यार और आभार। विराट और अनुष्का। उन्हें शुरुआत में पहले दो टेस्ट के लिए भारत की टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने शुरुआती मैच से कुछ दिन पहले ही अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद पूरी सीरीज से ही वह बाहर हो गये थे। कोहली ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से जनवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेली थी। उनके आरसीबी के वार्षिक अनबॉक्स प्रमोशनल कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है जो 19 मार्च को बेंगलुरु में होने वाला है।

अंदाज अपना अपना के सीक्वल पर आमिर ने दिया बड़ा अपडेट

आमिर खान अपना जन्मदिन मना रहे हैं। उनके बर्थडे पर फैंस उन्हें जमकर बधाइयां दे रहे हैं। इस मौके पर अभिनेता पैपराजी के साथ जश्न मनाते नजर आए। पैपराजी के साथ केक काटने के दौरान उनकी पूर्व पत्नी किरण राव भी अभिनेता के साथ मौजूद थीं।

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक बातचीत के दौरान उन्होंने कल्ट क्लासिक कॉमेडी अंदाज अपना अपना के सीक्वल पर हिंट देते हुए फैंस का उत्साह बढ़ा दिया। बातचीत के दौरान आमिर खान ने खुलासा किया कि निर्देशक राजकुमार संतोषी सक्रिय रूप से सीक्वल पर काम कर रहे हैं। लाइव सेशन के दौरान आमिर खान ने फैन्स और दर्शकों से बातचीत की और एक बड़ा खुलासा करते हुए साझा किया कि संतोषी अंदाज अपना अपना 2 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि यह अभी शुरुआती चरण में है और इसे लेकर उत्साहित होना जल्दबाजी होगी। साल 1994 में आई फिल्म अंदाज अपना अपना ने अपनी कॉमेडी से लोगों के लिए में खास जगह बनाई है। संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आमिर खान, सलमान खान, रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर जैसे कलाकार शामिल थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो आमिर को आखिरी बार लाल सिंह चड्ढा नाम की फिल्म में देखा गया था। इस फिल्म से उन्होंने चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की थी। हालांकि, टिकट खिड़की पर यह फिल्म सफल नहीं हो सकी थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने अभिनय से ब्रेक ले लिया था। अब वे जल्द ही सितारे जमीन पर नाम की फिल्म के साथ वापसी करने जा रहे हैं। फिल्म को इस साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज करने की तैयारी चल रही है। वहीं, वे सनी देओल स्टारर लाहौर 1947 का निर्माण भी कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं। इस फिल्म से प्रीति जिंटा लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं।

100 करोड़ी फिल्में देने में सबसे आगे हैं ये अभिनेत्रियां

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के बहुत से अभिनेताओं की फिल्में 100 करोड़ क्लब में शामिल हैं, लेकिन क्या आपने उन अभिनेत्रियों के बारे में सुना हैं, जो बड़ी संख्या में 100 करोड़ी फिल्म का हिस्सा रह चुकी हैं। आइए उन अदाकाराओं के बारे में जानते हैं, जिनकी कई फिल्में इस क्लब में शामिल हैं।

कैटरीना कैफ

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक कैटरीना कैफ का नाम इस लिस्ट में सबसे ऊपर है। फिल्म बूम से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ने अब तक एक से बढ़कर एक हिट फिल्मों में काम किया है। उनकी अब तक कुल नौ फिल्में 100 करोड़ी क्लब में शामिल हो चुकी हैं। टाइगर 3 उनकी आखिरी फिल्म थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर यह कारनामा किया था।

दीपिका पादुकोण

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे शानदार अभिनेत्रियों में दीपिका का नाम भी जरूर शामिल किया जाता है। उनकी फिल्में फैंस को खूब पसंद आती हैं। दीपिका अब तक कुल दस 100 करोड़ी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। उनकी आखिरी फिल्म फाइटर ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ से अधिक की कमाई की थी।

करीना कपूर खान

करीना कपूर खान की गिनती बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। वे अब तक कई हिट फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। करीना अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करती हैं। उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करती हैं। करीना की सात फिल्में 100 करोड़ी क्लब का हिस्सा रही हैं।

आलिया भट्ट

बॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक आलिया भट्ट भी कई 100 करोड़ी फिल्मों में बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आ चुकी हैं। स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री की आठ फिल्में 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी हैं। उनकी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने 150 करोड़ से अधिक की कमाई की थी।

न्यूयॉर्क के संयुक्त राष्ट्र पैनल का हिस्सा बनीं मृणाल ठाकुर

छोटे पर्दे से अभिनय करियर की शुरुआत करने वालीं अभिनेत्री मृणाल ठाकुर बॉलीवुड के साथ-साथ टॉलीवुड इंडस्ट्री में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। अभिनेत्री ने शाहिद कपूर और ऋतिक रोशन जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया है। वहीं, अब अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और गर्व की बात है। मृणाल ठाकुर आज यानी 14 मार्च को यौन हिंसा की मानवीय लागत नामक एक आगामी पैनल चर्चा में भाग लेने वाली हैं। अभिनेत्री, पैनल में विषय पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के साथ शामिल होंगी। मृणाल ठाकुर इस महीने के अंत में न्यूयॉर्क के संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा की मानवीय लागत नामक एक आगामी पैनल चर्चा में भाग लेने के लिए तैयार हैं। मानव तस्करी की गंभीर वास्तविकता पर प्रकाश डालने वाली लव सोनिया जैसी फिल्मों में अपनी प्रभावशाली भूमिकाओं के लिए जानी जाने वालीं मृणाल ठाकुर पैनल में शामिल होंगी। अभिनेत्री फिलहाल भारत में अपनी आगामी फिल्म द फैमिली स्टार के प्रचार अभियान में व्यस्त हैं। पैनल का उद्देश्य संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा के वैश्विक संदर्भ और प्रभाव का पता लगाना है, जिसमें मानव तस्करी के साथ इसके संबंध भी शामिल हैं। लव सोनिया में तस्करी के पीड़ितों द्वारा सामना किए गए कष्टदायक अनुभवों के चित्रण को देखते हुए, अभिनेत्री की उपस्थिति चर्चा में महत्वपूर्ण वजन जोड़ती है। पैनल में मृणाल के साथ माशा एफ्रोसिनिना, फौजिया कूफी, कोहव एल्कायम लेवी, मीजा गेब्रेमेधिन और एरीग एलहागविल जैसी नामचीन हस्तियां शामिल होंगी। यह आयोजन वैश्विक स्तर पर मजबूत बातचीत और वकालत के लिए एक मंच बनने का वादा करता है। कार्यक्रम के लिए अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, मृणाल ठाकुर ने कहा, इस पैनल चर्चा का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। लव सोनिया सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। यह मानवता के सबसे अंधेरे कोनों में एक यात्रा थी, जो अकल्पनीय घटनाओं पर प्रकाश डालती है। अपनी भूमिका के माध्यम से, मुझे इस मुद्दे की जटिलताओं को गहराई से समझने का अवसर मिला, और तब से यह एक ऐसा मुद्दा बन गया है जो अविश्वसनीय रूप से मेरे दिल के करीब है।

प्यार के मामले में ओल्ड-स्कूल हैं कृति

नेहा धूपिया इन दिनों अपने शो नो फिल्टर नेहा की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। यह शो अपने पिछले सीजन से काफी अलग और बेहतर है। नो फिल्टर नेहा के इस सीजन में अभी तक शाहिद कपूर, टाइगर श्रॉफ और करीना कपूर खान बतौर मेहमान आ चुके हैं। वहीं शो के आगामी एपिसोड में कृति सेनन अपनी निजी जिंदगी के बारे में से नेहा बातें करती नजर आएंगी। सोशल मीडिया पर नेहा और कृति के इस एपिसोड का प्रोमो काफी वायरल हो रहा है। बॉलीवुड में नेहा धूपिया अपनी बेबाकी के लिए मशहूर हैं। नेहा का वही बेबाक अंदाज उनके चैट शो में भी देखने मिलता है। नो फिल्टर नेहा के अगले एपिसोड में बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री कृति सेनन बतौर मेहमान दिखाई देने वाली हैं। यूट्यूब पर जारी किए गए शो के प्रोमो में नेहा कृति से पूछती हैं कि उन्हें कैसे जीवनसाथी की तलाश है। इस सवाल के जवाब में कृति कहती हैं, सच कहूं तो मुझे डेटिंग ऐप्स पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। मैंने अपने आस-पास के लोगों को बता रखा है कि मुझे एक जीवन साथी की तलाश है और उसे ढूंढने में वे मेरी मदद करें। कृति सेनन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं प्यार को लेकर एकदम पुरानी सोच रखती हूं। मुझे एक ऐसा जीवनसाथी चाहिए जो मेरे साथ बिल्कुल ईमानदार हो और मुझ से बहुत प्यार करे। मेरे लिए वफादार होना बहुत मायने रखता है।

24 मई को रिलीज होगी मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी

मनोज बाजपेयी इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म भैया जी रिलीज के लिए तैयार है। आज अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से फिल्म के पोस्टर को साझा किया है। साथ ही साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है। अभिनेता मनोज बाजपेयी बॉलीवुड में अलग किरदार निभाने के लिए मशहूर हैं। उनकी हर फिल्म उनकी पिछली फिल्म से अलग होती है। आज अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म भैया जी के पोस्टर को साझा किया है। पोस्टर में मनोज ठेठ गांव वाले अंदाज में नजर आ रहे हैं। मनोज धोती-कुरता और कोट पहन सड़क पर बैठे दिख रहे हैं। भैया जी के लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने होंठों के बीच बीड़ी दबा रखा है। मनोज बाजपेयी ने अपनी आगामी फिल्म भैया जी के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, आ रहे हैं वो। इस पोस्टर को देखकर ही मनोज के फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने पोस्टर के साथ-साथ फिल्म की टीजर के रिलीज डेट का भी खुलासा किया है। 20 मार्च 2024 को भैया जी फिल्म के टीजर को रिलीज किया जाएगा। भैया जी साल 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक फिल्म है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी भैया जी के किरदार में नजर आने वाले हैं। दर्शक अभी से जानने को बेताब हैं कि यह फिल्म किस दिन सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। तो आइए आपको बता देते हैं भैया जी 24 मई 2024 को आपके नजदीकी सिनेमा घरों में रिलीज होगी।

स्कूप ने दिलाई अभिनय की दुनिया में नई पहचान

2001 में एक टीवी शो से अभिनय में कदम रखने वाली एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने कहा कि 2023 में रिलीज हुई सीरीज स्कूप ने उन्हें अभिनय की दुनिया में नई पहचान दिलाई। एक्ट्रेस ने बताया कि इसके बाद ही लोगों ने उन्हें गंभीरता से लेना शुरू किया। लैक्मे फैशन वीक के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, सीरीज स्कूप से पहले भी लोग मुझे इस इंडस्ट्री में जानते थे। मगर स्कूप ने मुझे अभिनय की दुनिया में नई पहचान दिलाई है। इसके बाद ही इंडस्ट्री ने मुझे गंभीरता से लेना शुरू किया। मेरे काम के बाद लोगों में मेरे प्रति बदलाव आया। एक्ट्रेस ने महत्वाकांक्षी डिजाइनरों के सपनों और जुनून को रैंप पर उतारा। यह पूछे जाने पर कि जब वह इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं तो क्या उन्हें सपोर्ट मिला, करिश्मा ने कहा, नहीं, मुझे कोई सपोर्ट नहीं मिला। मैं इस इंडस्ट्री से नहीं आई थी। मेरा कोई कनेक्शन नहीं था। एक्ट्रेस आज जहां हैं उसके लिए वह अपनी किस्मत और अपनी मां को श्रेय देती हैं। करिश्मा ने आगे कहा, मेरे करियर में भाग्य ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही मेरी कड़ी मेहनत, मेरे सपने और मेरे जुनून ने मेरे सपने सच किए। मैं एक बात को लेकर साफ थी कि मैं कुछ बनना चाहती हूं, जिससे मुझे अलग पहचान मिले। उन्होंने कहा, मैंने बस उस जुनून और अपने सपने को जीया और मैंने इसे भगवान और अपनी मां पर छोड़ दिया। मैंने कड़ी मेहनत की और सब कुछ वैसा ही हुआ, जैसा मैं चाहती थी।

सोनू सूद ने साझा किया फतेह का पहला पोस्टर, इस दिन जारी होगा फिल्म का टीजर

सोनू सूद अपनी नेकी के साथ-साथ अपने दमदार अभिनय के बूते भी दर्शकों के दिलों पर राज करते हैं। सोनू सूद की आगामी फिल्म फतेह का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। आज अभिनेता ने अपनी इस फिल्म का पहला पोस्टर साझा किया है, जो धमाकेदार है। इसी के साथ फिल्म की टीजर रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। आज जारी हुए फिल्म के पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फतेह एक्शन से भरपूर होगी।

सोनू सूद ने साझा किया पोस्ट

सोनू सूद एक बार फिर बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। आज उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट से फतेह का पहला पोस्टर साझा किया है। पोस्टर पर सोनू सूद का हाथ है। उन्होंने पेन पकड़ा हुआ है। हाथ में कड़ा है। और खून टपकचा नजर आ रहा है। साइबर क्राइम थ्रिलर में सोनू को एक अलग अवतार में दिखाया जाने वाला है। इसके साथ सोनू सूद ने कैप्शन लिखा है, कभी भी किसी को कम मत समझो! फतेह के साथ पावर-पैक एक्शन के लिए तैयार हो जाइए।

सोनू के निर्देशन में पहली फिल्म

सोनू की इस आगामी फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। यह सोनू के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। शक्ति सागर प्रोडक्शंस और जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित यह फिल्म साइबर अपराध की जटिलताओं और चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी। फिल्म में एक्शन का धमाल होगा। एक्शन सीन हॉलीवुड स्टंट स्पेशलिस्ट ली व्हिटेकर की देखरेख में किए गए हैं।